दैनिक **देवव्रत** Dainik DEVVRAT
www.dainikdevvrat.in
आजमगढ़, उ.प्र.
वर्ष 36, अंक 254
पृष्ठ 08, मूल्य 3.00
12 जून 2026, शुक्रवार
लखनऊ, नई दिल्ली, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, सोनभद्र (राबर्ट्सगंज, अनपरा, शक्तिनगर), सिंगरौली, मिर्जापुर, अयोध्या, गोरखपुर, जौनपुर, गाजीपुर, बलिया, मऊ, अम्बेडकरनगर एवं आजमगढ़ से प्रसारित
E-mail : dainikdevvrat@gmail.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

अमेरिका का भारत के तीसरे जहाज पर भी हमला, 3 नाविकों की मौत

खुद वीडियो जारी कर किया कबूल, कर रखी है ईरान की घेरेबन्दी

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता सैन्य टकराव अब पूर्ण युद्ध का रूप ले चुका है। नतीजा वैश्विक समुद्री व्यापार और निर्दोष नाविकों को भुगतना पड़ रहा है। ओमान के तट पर पिछले चार दिनों के भीतर भारतीय क्रू सदस्यों वाले तीसरे वाणिज्यिक जहाज पर हमला हुआ है। वहीं, अमेरिकी नौसेना द्वारा इस सप्ताह की शुरुआत में किए गए एक हमले में लापता हुए तीन भारतीय नाविकों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सामने इस मामले को उठाते हुए कड़ी आपत्ति जताई है। भारत ने अमेरिकी राजनयिक को भी सुबह तलब किया था।

ताजा घटनाक्रम में, गुरुवार (11 जून, 2026) को ओमान के शिनास पोर्ट के पास टैंकर एमवी जलवीर पर हमला किया गया। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, इस जहाज पर लगभग 20 भारतीय चालक दल (क्रू) सदस्य सवार थे। भारतीय दूतावास और स्थानीय अधिकारी इस जहाज की स्थिति और क्रू को सुरक्षित निकालने के लिए मस्कट में लगातार तालमेल कर रहे हैं। चार दिनों के भीतर भारतीय नाविकों की मौजूदगी वाले जहाजों पर यह लगातार तीसरा हमला है। इससे पहले, ओमान तट के पास ही पलाऊ (च्संन) के झंडे वाले तेल टैंकर एमटी सेटेबेलो पर अमेरिकी सेना द्वारा किए गए हवाई हमले के बाद लापता हुए तीन भारतीय नाविकों की मौत की पुष्टि हो गई है। इससे पहले दो के मारे जाने की सूचना आई थी।

केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने इस घटना की पुष्टि करते हुए कहा, ष्यह हमारे समुद्री परिवार के लिए एक अपूरणीय क्षति है। दो शव बरामद होने के बाद शुरुआती तौर पर लापता घोषित किए गए तीनों भारतीय नाविकों के मृत होने की पुष्टि हो गई है। मोदी सरकार दुख की इस घड़ी में शोक संतप्त परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है और सुरक्षित बचाए गए 21 नाविकों की तत्काल वतन वापसी और मृतकों के पार्थिव शरीरों को लाने के लिए निर्देश जारी किए गए

हैं। इस जहाज पर कुल 24 भारतीय नागरिक सवार थे, जिनमें से 21 को ओमान के अधिकारियों के सहयोग से सुरक्षित बचा लिया गया था।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने बुधवार को नई दिल्ली में अमेरिकी दूतावास के उप–प्रमुख जेसन मीक्स को तलब किया और इन हमलों पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। विदेश मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव (अमरीका) नागराज नायडू और प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अमेरिकी पक्ष को स्पष्ट शब्दों में कहा कि वाणिज्यिक जहाजों पर ऐसे हमले, जिससे भारतीय नाविकों की जान खतरे में पड़ती है, पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं।

इससे ठीक दो दिन पहले 8 जून को अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने पलाऊ के झंडे वाले एक अन्य टैंकर 'एम/टी मैरीवेक्स' को भी निशाना बनाया था, जिस पर 24 भारतीय नाविक सवार थे। अमेरिकी सेना का दावा था कि यह जहाज अमेरिकी नाकेबंदी का उल्लंघन कर ईरान की ओर जा रहा था और निर्देश न मानने पर विमानवाहक पोत 'यूएसएस अब्राहम लिंकन' से एफ/ए–18 सुपर हॉरनेट फाइटर जेट के जरिए इसके इंजीनियरिंग और स्टीयरिंग स्पेस पर सटीक निशाना साधा गया था।

इस भीषण संकट के बीच भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (न्छैब्) में समुद्री सुरक्षा को लेकर बेहद सख्त रुख अपनाया है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत हरीश पर्वथनेनी ने न्छैब् की खुली बहस में कहारू भारत वाणिज्यिक जहाजों और अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर हो रहे सैन्य हमलों का कड़ा विरोध करता है। वैश्विक शिपिंग इंडस्ट्री में भारतीय नाविक एक रीढ़ की हड्डी की तरह हैं और उनकी सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। खाड़ी क्षेत्र में लगभग 1 करोड़ भारतीय नागरिक रहते और काम करते हैं। इस युद्ध का उन पर सीधा असर पड़ रहा है। भारत की ऊर्जा आपूर्ति और व्यापारिक श्रृंखला पूरी तरह से इस क्षेत्र की स्थिरता पर निर्भर है। इस युद्ध के कारण बढ़ती तबाही और सामान्य जीवन का ठप होना चिंताजनक है। भारत ने ग़ज़ा में तुरंत स्थायी युद्धविराम और लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों पर हो रहे हमलों की निंदा की। साथ ही भारत ने लेबनान को डॉक्टरी सहायता भेजने की भी घोषणा की।

अमेरिकी सैन्य कार्रवाइयों के जवाब में ईरान के नवगठित समुद्री निकाय 'पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी' ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घोषणा की कि रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के आदेश के बाद होर्मुज को अगली सूचना तक पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। बयान में कहा गया, 'क्षेत्र में अमेरिकी सेना की आक्रामकता और तनाव के कारण यह कदम उठाया गया है। जिन जहाजों को ट्रांजिट परमिट मिला हुआ था, वे भी धैर्य रखें और अगले आदेश का इंतजार करें।' हालांकि, अमेरिका ने ईरान के इस दावे को खारिज करने की कोशिश की है, लेकिन जमीनी स्तर पर तनाव चरम पर है।

जी-7 समिट में पश्चिम एशिया संकट पर होगा एक अलग से सेशन

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। पश्चिम

एशिया में चल रहा युद्ध और उसका दुनिया भर में हो रहे असर को लेकर जी–7 समिट में भी चर्चा होगी। अगले हफ्ते जी–7 शिखर सम्मेलन फ्रांस में होना है, जिसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी फ्रांस जा रहे हैं। फ्रांस के डिप्लोमेटिक सूत्रों के मुताबिक अगले हफ्ते होने वाले जी–7 समिट में एक सेशन पश्चिम एशिया संकट पर भी होगा। इसमें सऊदी अरब, कतर, यूएई और इजिप्ट को भी इनवाइट किया गया है। इस सेशन में इन देशों के अलावा भारत और अमेरिका के नेता भी शामिल होंगे। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में समुद्री रास्तों में बिना रुकावट और सुरक्षित आवाजाही पर बात होगी। उन्होंने कहा कि हम पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध का हिस्सा नहीं हैं लेकिन होर्मुज स्ट्रेट का असर हम सब पर पड़ रहा है। इसमें ईरान के साथ निगोसिएशन को लेकर भी बात होगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भी कहा कि जी–7 में वैश्विक मुद्दों पर चर्चा होगी और अभी के संदर्भ में पश्चिम एशिया पर भी बात होगी। उन्होंने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट को लेकर हमने अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। हम चाहते हैं और हमने आग्रह किया है कि अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार इस जलमार्ग में निर्बाध और सुरक्षित समुद्री आवाजाही सुनिश्चित हो। यही हमारी स्थिति है। यह एक ऐसा मुद्दा है जिस पर जी–7 में चर्चा होगी और हम अपने विचार वहां मजबूती से रखेंगे।

जी–7 शिखर सम्मेलन में भारत को आमंत्रित किए जाने पर फ्रांस के डिप्लोमेटिक सूत्रों ने कहा कि भारत हमारे लिए टॉप प्रायोरिटी है और भारत के साथ हमारे विशेष संबंध है। इसलिए भारत जी–7 के सभी ट्रैक्स (कार्यक्षेत्रों) में शामिल हुआ। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच भरोसे और विश्वास का स्तर बहुत मजबूत हो चुका है। हम दोनों के लिए किसी भी मुद्दे पर खुलकर बातचीत करना आसान है। भारत जब अपनी किसी समस्या का समाधान खोजता है तो उसका लाभ पूरी दुनिया को मिलता है। भारत और फ्रांस बीच राफेल फाइटर जेट की डील को लेकर विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि फ्रांस भारत का एक भरोसेमंद रक्षा साझेदार है। दोनों देश रक्षा क्षेत्र में को–डिवेलपमेंट की दिशा में काम कर रहे हैं। फ्रांस क्या भारत को टेक्नॉलजी ट्रांसफर करने में कंफर्टेबल है, इस सवाल पर फ्रांस के डिप्लोमेटिक सूत्रों ने कहा कि हां, हमने पिछले 10 सालों में ये करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि हमारा ग्राहत और विक्रेता वाला रिश्ता नहीं है बल्कि बराबरी का संबंध है। साथ ही कहा कि डिफेंस डील्स में मेक इन इंडिया भी एक अहम हिस्सा होगा। साथ ही कहा कि ये डील पिछली डील से अलग होगी।

गृहिणियां राष्ट्र की निर्माता-SC

❑ इनके घरेलू काम की कीमत 30 हजार प्रतिमाह मानी जाये

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि सड़क हादसों में जान गंवाने वाली गृहिणियों के काम की कीमत कम से कम 30,000 रुपये महीना मानी जानी चाहिए। मुआवजे की

गणना करते समय इस राशि को आधार करना चाहिए। कोर्ट ने यह भी कहा की कि गृहिणियों को राष्ट्र निर्माता के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए। देश भर में मोटर दुर्घटना के मामलों में मुआवजा तय करने के तरीके को बदलने वाले इस अहम फैसले में, जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने होममेकर्स की काल्पनिक आय को कुशल मजदूरों की मजदूरी के बराबर मानने की पुरानी न्यायिक प्रथा को खारिज कर दिया। जिसमें गृहिणियों की आय को कुशल मजदूरों की दिहाड़ी के बराबर माना जाता था।

कोर्ट ने कहा कि घर के कामों की सामाजिक और आर्थिक अहमियत बहुत ज्यादा है। इसे केवल सामान्य मजदूरी के तराजू में नहीं तौला जा सकता। जस्टिस करोल ने फैसला सुनाते हुए कहा कि घरेलू देखभाल के नुकसान की भरपाई के लिए 30,000 रुपये का नया नियम बनाया गया है। यह राशि श्प्रणय सेठीश केस में तय किए गए अन्य लाभों के अतिरिक्त होगी। यह मामला पंजाब की रेशमा नाम की महिला से जुड़ा है। उनकी मौत नवंबर 2001 में एक सड़क हादसे में हुई थी। उनके पति और तीन बच्चों ने मुआवजे के लिए ट्रिब्यूनल का दरवाजा खटखटाया था। ट्रिब्यूनल ने 2003 में फैसला दिया, लेकिन कानूनी लड़ाई वर्षों तक चलती रही। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने इस पर दिसंबर 2024 में फैसला सुनाया। हादसे के 23 साल बाद आए इस फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने गहरी चिंता जताई।

भाजपा का हर काम नकली-अखिलेश यादव

❑ अस्तपालों में इलाज और दवाओं की गुणवत्ता संदिग्ध, फर्जी एनकाउंटर बना प्रदेश की पहचान

लखनऊ, 11 जून (देवव्रत संवाद/ संजय दीक्षित)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा जो भी करती है, उसमें दिखावा और छलावा अधिक होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में अस्पतालों में इलाज और दवाओं तक की गुणवत्ता संदिग्ध है, जबकि फर्जी एनकाउंटर उत्तर प्रदेश की पहचान बनते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में न तो विकास दिखाई देता है और न ही जनहित एवं जनकल्याण की कोई ठोस योजना। समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय स्थित डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सभी मोर्चों पर विफल साबित हुई है और अब वह चुनाव जीतने के लिए भी नकली एवं अनैतिक तरीकों का सहारा लेने की साजिश कर सकती है। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से भाजपा की कथित चालों से सतर्क रहने का आह्वान किया।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा शासन में उत्तर प्रदेश अंधकार की ओर बढ़ रहा है। भ्रष्टाचार चरम पर है और महिलाओं व बच्चियों की सुरक्षा गंभीर चिंता का विषय बन

गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने लोकतंत्र की पवित्रता को कमजोर किया है तथा नागरिक अधिकारों पर लगातार प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा संविधान प्रदत्त आरक्षण व्यवस्था के भी खिलाफ है। प्रदेश के युवाओं के सामने रोजगार का संकट खड़ा है और अधिकांश भर्ती परीक्षाएं पेपर लीक के कारण विवादों में घिर जाती हैं। कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में फीस वृद्धि से गरीब और वंचित वर्ग के छात्रों की शिक्षा प्रभावित हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासनिक अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने वालों को जेल, पुलिस उत्पीड़न और फर्जी मुकदमों का सामना करना पड़ता है। थाना और कचहरी से लेकर विभिन्न सरकारी संस्थानों तक भ्रष्टाचार और वसूली का बोलबाला है।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि वर्ष 2027 का विधानसभा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि लोकतंत्र को बचाने का चुनाव होगा। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश की जनता का विश्वास समाजवादी पार्टी के साथ है और पार्टी सरकार बनाने की दिशा में पूरी तैयारी कर चुकी है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने उत्तर प्रदेश को बर्बादी की ओर धकेल दिया है और अब पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समाज परिवर्तन के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि जरूरत केवल एकजुट होकर भाजपा को पराजित करने और उसे सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाने की है।

राम मंदिर दान चोरी विवाद : ट्रस्ट के भीतर ही उठे विरोध के स्वर

आरोपों से बढ़ी बेचैनी, निष्पक्ष जांच की मांग

अयोध्या, 11 जून (देवव्रत संवाद)। राम मंदिर की दान राशि में कथित गबन और वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों ने अब नया मोड़ ले लिया है। मामला केवल जांच तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और राम मंदिर आंदोलन से जुड़े प्रमुख चेहरों के बीच भी असहजता और विरोध के स्वर खुलकर सामने आने लगे हैं। करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े इस मुद्दे पर ट्रस्ट प्रबंधन की चुप्पी के बीच निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग लगातार तेज होती जा रही है। सूत्रों के अनुसार ट्रस्ट स्तर पर मामले की गोपनीय जांच जारी है, लेकिन इस बीच राम मंदिर आंदोलन के वरिष्ठ नेता और बजरंग दल के संस्थापक विनय कटियार द्वारा निष्पक्ष जांच की मांग किए जाने को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कटियार का बयान संकेत दे रहा है कि मंदिर प्रशासन और ट्रस्ट की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल अब केवल बाहरी नहीं बल्कि आंदोलन से जुड़े लोगों के बीच भी उठने लगे हैं।

मामले को लेकर संत समाज के कई प्रमुख संतों ने भी खुलकर चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि यदि दान राशि के प्रबंधन को लेकर कोई आरोप सामने आए हैं तो उन्हें दबाने के बजाय पूरी पारदर्शिता के साथ जांच कराई जानी चाहिए। संतों का मानना है कि राम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है और यहां वित्तीय प्रबंधन पर उठने वाला कोई भी सवाल सीधे श्रद्धालुओं के विश्वास को प्रभावित करता है।

सूत्र बताते हैं कि ट्रस्ट की जांच टीम कथित गड़बड़ी की हर कड़ी की पड़ताल कर रही है। संबंधित तिथियों की सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है, दान पात्र खोलने और नकदी गणना की प्रक्रिया का परीक्षण किया जा रहा है तथा बैंक में जमा राशि और रिकॉर्ड का मिलान कराया जा रहा है। जांच इस बात पर केंद्रित है कि कहीं प्रक्रिया में कोई खामी थी या किसी व्यक्ति विशेष की भूमिका सामने आती है। बताया जा रहा है कि कुछ कर्मचारियों की भूमिका को लेकर भी आंतरिक स्तर पर समीक्षा की जा रही है और कुछ जिम्मेदारियों में बदलाव पर विचार हुआ है। हालांकि ट्रस्ट की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। यही चुप्पी कई नए सवालों को जन्म दे रही है।

राजनीतिक और धार्मिक हलकों में इस बात की चर्चा तेज है कि राम मंदिर निर्माण आंदोलन से जुड़े वरिष्ठ लोगों द्वारा जांच की मांग किया जाना सामान्य घटना नहीं है। इसे ट्रस्ट के भीतर बढ़ती बेचौनी और जवाबदेही की मांग के रूप में देखा जा रहा है। कई संतों का कहना है कि यदि आरोप निराधार हैं तो जांच रिपोर्ट सार्वजनिक कर भ्रम दूर किया जाए और यदि कोई दोषी है तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। राम मंदिर की दान राशि से जुड़ा यह विवाद अब केवल वित्तीय अनियमितता का मामला नहीं रह गया है, बल्कि ट्रस्ट की पारदर्शिता, जवाबदेही और श्रद्धालुओं के विश्वास की कसौटी बनता जा रहा है। ऐसे में जांच के निष्कर्ष और ट्रस्ट की अगली प्रतिक्रिया पर पूरे देश की नजरें टिकी हुई हैं।

कानून के घोर दुरुपयोग पर EOW और ED को कड़ी फटकार

दिल्ली उच्च न्यायालय ने न्यूज़क्लिक और उसके संस्थापक के खिलाफ FIR और ईडी जांच को किया रद्द

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने न्यूज पोर्टल न्यूजक्लिक और इसके संस्थापक और प्रधान संपादक प्रबीर पुरकायस्था के खिलाफ दिल्ली पुलिस की एफआईआर और प्रवर्तन निदेशालय की कार्यवाही को रद्द कर दिया है। जहां दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा 2020 में दर्ज की गई एफआईआर में आपराधिक विश्वासघात, धोखाधड़ी, आपराधिक साजिश और एफडीआई मानदंडों के कथित उल्लंघन से संबंधित धाराओं का आरोप लगाया गया था, वहीं ईडी की बाद की कार्रवाई कथित मनी लॉन्ड्रिंग पर आधारित थी। बुधवार को सार्वजनिक किए गए एक आदेश में, न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने यह देखते हुए कि अपराध के तत्व सिद्ध नहीं हुए हैं, ईओडब्ल्यू एफआईआर को रद्द कर दिया और कहा, ष्ऐसी एफआईआर का जारी रहना कानून की प्रक्रिया का घोर दुरुपयोग है और इसे एतद्द्वारा रद्द किया जाता है। निर्धारित आधार अपराध को रद्द किए जाने के साथ ही, उच्च न्यायालय ने ईडी की कार्यवाही को भी रद्द कर दिया। इसमें कहा गया है कि ईडी द्वारा लगभग डेढ़ साल तक की गई व्यापक जांच के बावजूद, आज तक ऐसा कोई भी दोषी आरोप नहीं मिला है जो दूर से भी पीएमएलए की धारा 4 के तहत दंडनीय अपराध के होने का संकेत

प्रबीर पुरकायस्थ

देता हो। धोखाधड़ी के अपराध के लिए, उच्च न्यायालय ने कहा, पीड़ित व्यक्ति का होना आवश्यक है, जिसकी संपत्ति के साथ धोखाधड़ी की गई हो, जो इस मामले में अनुपस्थित है। 26 अगस्त, 2020 को, ईओडब्ल्यू ने आईपीसी की धारा 406 (आपराधिक विश्वासघात के लिए सजा), 420 (धोखाधड़ी और बेईमानी से संपत्ति सौंपने के लिए प्रेरित करना) और 120बी (आपराधिक साजिश के लिए सजा) के तहत एफआईआर दर्ज की। एफआईआर में आरोप लगाया गया था कि डिजिटल पोर्टल की मालिक पीपीके न्यूजक्लिक स्टूडियो प्राइवेट लिमिटेड ने 2018–19 के दौरान अमेरिका की वर्ल्डवाइड मीडिया होल्डिंग्स एलएलसी (डब्ल्यूडब्लूएमएच) से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) प्राप्त किया, जो देश के एफडीआई नियमों और अन्य कानूनों का उल्लंघन था। इस एफडीआई के माध्यम से डब्ल्यूडब्लूएमएच ने पीपीके न्यूजक्लिक स्टूडियो में 7.69% शेयर हासिल कर लिए। डब्ल्यूडब्ल्यूएमएच से धनराशि हस्तांतरण के समय, सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने स्पष्ट किया था कि डिजिटल मीडिया में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की प्राप्ति पर कोई सीमा/प्रतिबंध नहीं है। ईओडब्ल्यू की एफआईआर के आधार पर, ईडी ने 2 सितंबर, 2020 को पीएमएलए के तहत शिकायत दर्ज की और फरवरी 2021 में तलाशी अभियान चलाया। उच्च न्यायालय ने पाया कि आईपीसी के तहत धोखाधड़ी और आपराधिक विश्वासघात के अपराध नहीं बनते हैं। न्यायमूर्ति कृष्णा ने आपराधिक कार्यवाही रद्द करते हुए कहा, 'ईडी के जवाब से भी स्पष्ट है कि वे यह दावा करने की कोशिश कर रहे हैं कि आईपीसी की धारा 120बी के तहत अपराध अभी भी बनता है।

'देवव्रत' हिन्दी दैनिक आजमगढ़

' बोल रहा तैमूर '

स्विस बैंक में देखकर,
अच्छे दिन का 'नूर'।
ये तो हमसे बड़े हैं,
बोल रहा 'तैमूर'।
नादिर शाह रो रहा।

12 जून 2026

धीरू भाई का दो टूक

CMYK

उतार–चढ़ाव के बाद नरम पड़ा शेयर बाजार

सेंसेक्स 150 अंक टूटा, निफ्टी 23200 से नीचे

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसी/ देवव्रत संवाद)। भारतीय शेयर बाजार और मुद्रा बाजार (करेंसी मार्केट) में गुरुवार को दोनों में ही सुस्ती और निराशा का माहौल देखने को मिला। एक तरफ जहां शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक लाल निशान पर बंद हुए, वहीं दूसरी तरफ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये में भी भारी गिरावट दर्ज की गई। कारोबार के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 150.63 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ। इस 0.20% की गिरावट के बाद सेंसेक्स 73,832.55 के स्तर पर आ गया। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी इस सुस्ती से अछूता नहीं रहा। निफ्टी में 53.35 अंकों यानी 0.23% की कमजोरी देखी गई, जिसके बाद यह 23,161.60 के स्तर पर बंद हुआ।

शेयर बाजार की इस गिरावट के साथ–साथ मुद्रा बाजार में भी भारतीय रुपये को बड़ा झटका लगा है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में 50 पैसे की भारी गिरावट दर्ज की गई। इस बड़ी कमजोरी के बाद रुपया डॉलर के मुकाबले 95.75 (प्रोविजनल) के स्तर पर बंद हुआ। आज का दिन भारतीय बाजारों के लिए गिरावट का दिन साबित हुआ। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही सूचकांक लाल निशान में बंद हुए, जबकि डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में आई बड़ी गिरावट ने बाजार के इस कमजोर प्रदर्शन को और स्पष्ट कर दिया है।

NOTICE

I, PARWATI DEVI mother of No 15453938P, Rank NK/NA, NAME SONU YADAV R/o Vill -Ranveerpur (Araji Taufeer), Post Sarwan, Teh Sadar], Dist-Mau, State Uttar Pradesh, Pin 275101

my name wrongly mentioned as PARWATI DEVI and my date of birth is wrongly mentioned as 07-05-1956 in the service records of my son- my correct name is PARVATI DEVI date of birth is 01-01-1960 as per Aadhar card (No-9314 7162 8433) and all other documents.

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
बअदालत मोटर वाहन दुघर्टना दावा
न्यायाधीकरण मऊ, जनपद मऊ
प्रकीर्ण वाद सं. 283 / 2025
एम.ए.सी.पी. नं. 120 / 2020

किरन पाण्डेय उम्र करीब 45 वर्ष पत्नी स्व. राजकुमार पाण्डेय साकिन ग्राम कोडरी पोस्ट भोजापुर थाना मरदह तहसील कासिमाबाद जनपद गाजीपुर। —वादी

बनाम

मेवाती देवी पत्नी सीता यादव निवासी मुहल्ला कटेसर रामनगर थाना रामनगर वाराणसी मूल निवासी मेवाती देवी पत्नी सीताराम यादव उर्फ सत्यदेव यादव ग्राम टोडरपुर पोस्ट रासेपुर थाना तरवां तहसील मेंहनगर जनपद आजमगढ़। —विपक्षी

हरगाह ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 21 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमा के हालत से करार वाकई वाकिफ हो और कुल उमरान अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके, जिसके साथ कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात की दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि इसी रोज जुमला दस्तावेज को पेश करे। आप बताईद अपने जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर तारीख 21–07–2026 तनकीह पर हाजिर न होंगे तो मुकदमा गैरहाजिरी आपके मजमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया।

—आज्ञा से
मोटर वाहन दुघर्टना दावा
न्यायाधीकरण मऊ, जनपद मऊ

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
बअदालत मोटर दुघर्टना प्रतिकर
न्यायाधिकरण मऊ, जनपद मऊ
एम.ए.सी.पी.सं. 116 / 2024

मो. हसनैन उम्र करीब 29 वर्ष पुत्र मोहम्मद सुभान साकिन मिया बाजार साउथ थाना कोतवाली तहसील सदर जनपद गोरखपुर 2. मो. अरशद उर्फ असद उम्र करीब 12 वर्ष पुत्र मो. हसनैन साकिन मिया बाजार साउथ थाना कोतवाली तहसील सदर जनपद गोरखपुर बबलायत संरक्षक पिता हकीकी मो. हसनैन। —वादीगण

बनाम

गाड़ी मालिक अनुज कुमार चौहान पुत्र रामहित चौहान साकिन मु. चांदमारी इमिलिया थाना सरायलखन्सी जनपद मऊ 2. ड्राइवर विशाल पाण्डेय पुत्र मनोज पाण्डेय साकिन अलीपुर नगवा थाना नन्दगंज जनपद गाजीपुर 3. TATA AIG peninsula business park town A15th Floor G.K. marg lower parel Mumbai 400013 Insurense of TATA AIG os Hero motocorp Glamour Xtel U.P. 54 AR/3115. —विपक्षीगण

हरगाह ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 07 माह 08 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमा के हालत से करार वाकई वाकिफ हो और कुल उमरान अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके, जिसके साथ कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात की दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि इसी रोज जुमला दस्तावेज को पेश करे। आप बताईद अपने जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर तारीख 07–08–2026 तनकीह पर हाजिर न होंगे तो मुकदमा गैरहाजिरी आपके मजमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया।

—आज्ञा से
मोटर दुघर्टना प्रतिकर न्यायाधिकरण
मऊ, जनपद मऊ

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना
(साधारण प्रारूप)
न्यायालय सिविल जज (जू.डि.)
शाहगंज जौनपुर, जनपद जौनपुर
मु.नं. 277 / 2026

इफ्तेखार अहमद बनाम रिजवान

बनाम– रिजवान उम्र करीब 40 वर्ष पुत्र रहमान 2. कमालुद्दीन उम्र करीब 32 वर्ष पुत्र झिन्नू साकिन ढड़वारा खुर्द परगना अंगुली तहसील शाहगंज जनपद जौनपुर 3. रजयुद्दीन उम्र करीब 30 वर्ष पुत्र काफील अहमद साकिन सीधा परगना अंगुली तहसील शाहगंज जनपद जौनपुर 4. इमरान अहमद उम्र करीब 45 वर्ष पुत्र कामिल अहमद साकिन खुद्दातपुर परगना माहुल तहसील निजामाबाद जनपद आजमगढ़ उ.प्र.। —प्रतिवादीगण

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि

अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उक्त आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए 2026 के 07 के 22 दिवस 10 बजे प्रातः स्वयं या सम्यकरूपेण अनुदिस्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हों और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एकपक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।

22.07.2026 आपत्ति / निस्तारण

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज 20 के के दिवस को निकाली गयी। आज्ञा से–
सिविल जज (जूडि.) शाहगंज जौनपुर, जनपद जौनपुर

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना
(साधारण प्रारूप)
न्यायालय बअदालत अपर सिविल जज (जू. डि.) न्यू कोर्ट द्वितीय जौनपुर, जनपद जौनपुर
मु.नं. 601 / 2025
धारा 12 घरेलू हिंसा थाना कोतवाली

आमिना फातमा बनाम युनुश शेख

बनाम– युनुश शेख पुत्र यासीन शेख 2. यासीन शेख पुत्र हलीम शेख 3. जमीला पत्नी यासीन 4. नाजरीन पत्नी जलील शेख 5. अनस पुत्र यासीन शेख 6. कुलसुम पत्नी हलीम शेख निवासी अली कालोनी मुफ्ती मोहल्ला थाना कोतवाली जनपद जौनपुर। —प्रतिवादीगण

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि

अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उक्त आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए 2026 के 06 के 20 दिवस 6 बजे प्रातः स्वयं या सम्यकरूपेण अनुदिस्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हों और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एकपक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।

20.06.2026 आपत्ति / निस्तारण

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज 20 के के दिवस को निकाली गयी। आज्ञा से–
अपर सिविल जज (जू.डि.) न्यू कोर्ट द्वितीय जौनपुर, जनपद जौनपुर

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
बअदालत अपर सिविल जज (जू.डि.) न्यू कोर्ट द्वितीय जौनपुर, जनपद जौनपुर
मु.नं. 601 / 2025
धारा 12 घरेलू हिंसा थाना कोतवाली

आमिना फातमा बनाम युनुश शेख

बनाम– युनुश शेख पुत्र यासीन शेख 2. याशीन शेख पुत्र हलीम शेख 3. जमीला पत्नी यासीन 4. नाजरीन पत्नी जलील शेख 5. अनस पुत्र यासीन शेख 6. कुलसुम पत्नी हलीम शेख निवासी अली कालोनी मुफ्ती मोहल्ला थाना कोतवाली जनपद जौनपुर।—प्रतिवादीगण

हरगाह ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 20 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6 बजे दिन के असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमा के हालत से करार वाकई वाकिफ हो और कुल उमरान अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके, जिसके साथ कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात की दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि इसी रोज जुमला दस्तावेज को पेश करे। आप बताईद अपने जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर तारीख 20–06–2026 तनकीह पर हाजिर न होंगे तो मुकदमा गैरहाजिरी आपके मजमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया।

—आज्ञा से
अपर सिविल जज (जू.डि.) न्यू कोर्ट द्वितीय जौनपुर, जनपद जौनपुर

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
बअदालत सिविल जज (जू.डि.)
शाहगंज जौनपुर, जनपद जौनपुर
मु.नं. 187 / 2026

विरेन्द्र कुमार बनाम बांकेलाल

बनाम–बांकेलाल उम्र करीब 76 साल पुत्र रन्सी 2. सुनीता सोनकर उम्र करीब 28 साल पत्नी विनोद सोनकर साकिनान इटौरी परगना अंगुली तहसील शाहगंज जनपद जौनपुर। —प्रतिवादीगण

हरगाह ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 09 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमा के हालत से करार वाकई वाकिफ हो और कुल उमरान अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके, जिसके साथ कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात की दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि इसी रोज जुमला दस्तावेज को पेश करे। आप बताईद अपने जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर तारीख 09–07–2026 तनकीह पर हाजिर न होंगे तो मुकदमा गैरहाजिरी आपके मजमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया।

—आज्ञा से
सिविल जज (जू.डि.) शाहगंज
जौनपुर, जनपद जौनपुर

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
बअदालत सिविल जज (जू.डि.)
शाहगंज जौनपुर, जनपद जौनपुर
मु.नं. 29 / 2026

श्रीकान्त बनाम नन्दलाल

बनाम–नन्दलाल उम्र करीब 61 वर्ष 2. मिश्रीलाल उम्र करीब 45 वर्ष पुत्रगण स्व. रामदास साकिनान दयालापुर परगना चांदा तहसील बदलापुर पोस्ट सिंगरामऊ जनपद जौनपुर। —प्रतिवादीगण

हरगाह ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 18 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमा के हालत से करार वाकई वाकिफ हो और कुल उमरान अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके, जिसके साथ कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात की दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि इसी रोज जुमला दस्तावेज को पेश करे। आप बताईद अपने जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर तारीख 18–07–2026 तनकीह पर हाजिर न होंगे तो मुकदमा गैरहाजिरी आपके मजमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया।

—आज्ञा से
सिविल जज (जू.डि.) शाहगंज
जौनपुर, जनपद जौनपुर

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
बअदालत सिविल जज (जू.डि.)
शाहगंज जौनपुर, जनपद जौनपुर
मु.नं. 1082 / 2025

रामरती देवी बनाम राजू

बनाम–राजू उम्र करीब 50 वर्ष पुत्र सन्तू साकिन जिरीकपुर परगना रारी पोस्ट लेदुका तहसील बदलापुर जनपद जौनपुर। –प्रतिवादी

हरगाह ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 25 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमा के हालत से करार वाकई वाकिफ हो और कुल उमरान अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके, जिसके साथ कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात की दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि इसी रोज जुमला दस्तावेज को पेश करे। आप बताईद अपने जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर तारीख 27–07–2026 तनकीह पर हाजिर न होंगे तो मुकदमा गैरहाजिरी आपके मजमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया।

—आज्ञा से
सिविल जज (जू.डि.) शाहगंज
जौनपुर, जनपद जौनपुर

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारदार उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
बअदालत अपर सिविल जज (जू.डि.) न्यू कोर्ट द्वितीय जौनपुर, जनपद जौनपुर
मु.नं. 1154 / 2019

हाजी शब्बीर बनाम मेवालाल

बनाम– 7/1. सोनू उर्फ अमित कुमार उम्र करीब 32 साल 7/2. मोनू उर्फ शिवकुमार उम्र करीब 28 साल पुत्रगण हौसिला साकिनान सुल्तानपुर एकौनी परगना व तहसील केराकत जनपद जौनपुर। —प्रतिवादीगण

हरगाह ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 27 माह 07 सन् 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमा के हालत से करार वाकई वाकिफ हो और कुल उमरान अहम मुतल्लिका मुकदमा का जवाब दे सके, जिसके साथ कोई शख्स हो जो कि जवाब ऐसे सवालात की दे सके हाजिर हो और जवाबदेही दावा करे और आपको लाजिम है कि इसी रोज जुमला दस्तावेज को पेश करे। आप बताईद अपने जवाबदेही के इस्तदलाल करना चाहते हों। आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर तारीख 27–07–2026 तनकीह पर हाजिर न होंगे तो मुकदमा गैरहाजिरी आपके मजमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मुहर अदालत के आज बतारिख 00 माह 00 सन् 2026 ई0 जारी किया गया।

—आज्ञा से
अपर सिविल जज (जू.डि.) न्यू कोर्ट द्वितीय
जौनपुर, जनपद जौनपुर

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा वास्ते पेश करने वजह इस अम्र के कि तजबीजसानी क्यों ना मंजूर होनी चाहिए।
(आर्डर 47 कायदा 4 मजमुआ जाविता दीवानी)
बअदालत तहसीलदार लालगंज, आजमगढ़

मोहम्मद वसीम अहमद बनाम सलीम अहमद

बनाम–सलीम अहमद पुत्र रफीउज्जमा साकिन रेतवाचन्द्रभानपुर पोस्ट व तहसील लालगंज जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादी

मुत्तिला हो कि ने इस अदालत में वास्ते तजबीजसानी मुसद्दिरह तारीख 00 माह 00 सन् 0000 ई0 मुकदमा मरकूमहवाला के दरख्वास्त गुजरानी है। तारीख 23 माह 06 सन् 2026 ई0 इसलिए मुकर्रर हुई है कि आप वजह जाहिर कीजिए कि इस मुकदमें फैंसला की तजबीजसानी क्यों न मंजूर होनी चाहिए।

आज बतारीख 11 माह 06 सन् 2026 ई0 मेरे दस्तखत और मोहर अदालत से जारी किया जाय। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा वास्ते पेश करने वजह इस अम्र के कि तजबीजसानी क्यों ना मंजूर होनी चाहिए।
(आर्डर 47 कायदा 4 मजमुआ जाविता दीवानी)
बअदालत तहसीलदार लालगंज, आजमगढ़

मोहम्मद वसीम खान बनाम सलीम अहमद

बनाम–मोहम्मद वसीम खान पुत्र मोहम्मद अली मदद खान साकिन कटौली बुजुर्ग परगना देवगांव तहसील लालगंज जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादी

मुत्तिला हो कि ने इस अदालत में वास्ते तजबीजसानी मुसद्दिरह तारीख 00 माह 00 सन् 0000 ई0 मुकदमा मरकूमहवाला के दरख्वास्त गुजरानी है। तारीख 23 माह 06 सन् 2026 ई0 इसलिए मुकर्रर हुई है कि आप वजह जाहिर कीजिए कि इस मुकदमें फैंसला की तजबीजसानी क्यों न मंजूर होनी चाहिए।

आज बतारीख 11 माह 06 सन् 2026 ई0 मेरे दस्तखत और मोहर अदालत से जारी किया जाय। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा वास्ते पेश करने वजह इस अम्र के कि तजबीजसानी क्यों ना मंजूर होनी चाहिए।
(आर्डर 47 कायदा 4 मजमुआ जाविता दीवानी)
बअदालत तहसीलदार लालगंज, आजमगढ़

सुनीता विश्वकर्मा बनाम सलीम अहमद

बनाम–सलीम अहमद पुत्र रफीउज्जमा साकिन रेतवाचन्द्रभानपुर पोस्ट व तहसील लालगंज जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादी

मुत्तिला हो कि ने इस अदालत में वास्ते तजबीजसानी मुसद्दिरह तारीख 00 माह 00 सन् 0000 ई0 मुकदमा मरकूमहवाला के दरख्वास्त गुजरानी है। तारीख 23 माह 06 सन् 2026 ई0 इसलिए मुकर्रर हुई है कि आप वजह जाहिर कीजिए कि इस मुकदमें फैंसला की तजबीजसानी क्यों न मंजूर होनी चाहिए।

आज बतारीख 11 माह 06 सन् 2026 ई0 मेरे दस्तखत और मोहर अदालत से जारी किया जाय। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत अपर जिलाधिकारी
(वित्त व राजस्व), आजमगढ़
धारा 30 उप्रासं 2006 मौजा लेदौरा

जगरोपन बनाम फेरू

बनाम– रामअचल 2. अर्जुन पुत्रगण फेरू 3. राजमन 4. राजनरायन 5. राजनाथ पुत्रगण रामकरन 6. लालदेई पत्नी रामकरन 7. रामअधार 8. रामवृक्ष 9. कपिलदेव पुत्रगण बुनेला साकिनान गहजी भकुही परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 10. श्यामबली पुत्र श्रीराम 11. केवला देवी पत्नी जंगली साकिनान लेदौरा परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़ 12. सुनीता देवी पत्नी रामआसरे साकिन गहजी 13. भीम सिंह, 14. अर्जुन 15. अनिल 16. प्रवेश कुमार पुत्रगण जयप्रकाश साकिनान शम्भूपुर परगना कौड़िया तहसील बूढ़नपुर जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 17 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 10 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) लालगंज, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा नियमताबाद

बाबूलाल बनाम श्यामलाल आदि

बनाम–श्यामलाल 2. जवाहिर पुत्रगण सुखनन्दन 3. आशीष पुत्र हरीलाल 4. मनोरमा पत्नी हरीलाल 5. संगीता पुत्री हरीलाल साकिनान नियमताबाद परगना देवगांव तहसील लालगंज जनपद आजमगढ़ 6. दुर्गावती पत्नी जगरनाथ साकिन सोनियापार तहसील सैदपुर जनपद गाजीपुर 7. मुराती पत्नी नन्हकू 8. उर्मिला पत्नी सूर्यभान साकिनान नियमताबाद परगना देवगांव तहसील लालगंज जनपद आजमगढ़ 9. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत नियमताबाद परगना देवगांव तहसील लालगंज जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 18 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 21 माह 05 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी
(न्यायिक) लालगंज, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा नियमताबाद

बाबूलाल बनाम जवाहिर आदि

बनाम– जवाहिर, श्यामलाल पुत्रगण सुखनन्दन, आशीष पुत्र हरीलाल, संगीता पुत्री हरीलाल, मनोरमा पत्नी हरीलाल, केवल प्रसाद, छांगुर, डब्बू, बबलू, मनोज, रामईश्वर पुत्रगण देवनाथ, हरीनाथ, हरीशंकर पुत्रगण दयाल, इनरौता पत्नी सुक्खू, पतिराज, सिरताज पुत्रगण सुक्खू, मुन्नी पत्नी फिरतू, अजीत, करन पुत्रगण फिरतू, प्रियाकुमारी, काजल पुत्रीगण फिरतू, रामरत्ती देवी पत्नी हरीशंकर, लालवचन, लक्ष्मीकान्त, विनय कुमार पुत्रगण हरीशंकर साकिनान नियमताबाद परगना देवगांव तहसील लालगंज जनपद आजमगढ़, गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत नियमताबाद परगना देवगांव तहसील लालगंज जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 18 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 21 माह 05 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी सगड़ी, आजमगढ़
धारा 32 / 38 उप्रासं 2006 मौजा रामपुर कटया

मु. जलालुद्दीन बनाम सरकार

बनाम– मु. इसराइल पुत्र छोटक 2. मु. इस्लाम पुत्र तौहीद 3. मु. सहवान पुत्र तौहीद 4. निजामुद्दीन 5. अलाऊद्दीन 6. सर्फद्दीन 7. जमालुद्दीन 8. एमामुद्दीन पुत्रगण गयासुद्दीन 9. जमीला खातून पत्नी स्व. गयासुद्दीन 10. मो. सगीर 11. अनीस 12. नसीम पुत्रगण अब्दुल अजीज 13. सइदुननिशा पत्नी अब्दुल अजीज साकिनान रामपुर कटया परगना गोपालपुर तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 30 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 08 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत अपर जिलाधिकारी
(वित्त व राजस्व), आजमगढ़
धारा 30 (2) उप्रासं 2006 मौजा देवारा खास राजा

चन्द्रबली बनाम रामदवन

बनाम– रामदवन 2. रामअवध पुत्रगण रघुनन्दन 3. हरिकेश 4. छोटेलाल 5. जयकेश 6. सरोज पुत्रगण रामदेव 7. रामसरन 8. शिवसरन 9. देवसरन 10. गामा पुत्रगण सुखदेव 11. कन्हैया 12. राधेश्याम पुत्रगण कन्हैया 13. बुधिराम 14. रामलक्षन पुत्रगण राजवंशी 15. रामकेवल पुत्र चौथी साकिनान देवारा खास राजा परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़ 16. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत देवारा खास राजा परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 20 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 10 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत मुख्य राजस्व अधिकारी, आजमगढ़
धारा 30 (2) उप्रासं 2006 मौजा नेवादा

फूलचन्द बनाम जौहरी

बनाम– सिन्धू पुत्री स्व. जौहरी 2. अभिषेक पुत्र स्व. जौहरी 3. चनरमी पत्नी स्व. जौहरी साकिनान नेवादा परगना गोपालपुर तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 15 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 10 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी सगड़ी, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006

राधेश्याम बनाम श्रीराम

बनाम– श्रीराम पुत्र मोहित साकिन सुरदहपार परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़ 2. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत सुरदहपार परगना व तहसील सगड़ी जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 17 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 26 माह 05 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी लालगंज, आजमगढ़
धारा 38 (2) उप्रासं 2006 मौजा कुसहा

दिलीप कुमार बनाम रामसेवक

बनाम– रामसेवक पुत्र बृजवासी साकिन कलीचाबाद परगना देवगांव तहसील लालगंज जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादी

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 18 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 05 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी लालगंज, आजमगढ़
धारा 116 उप्रासं 2006 मौजा रसूलपुर बाजबहादुर

रामदुलार बनाम भैरोनाथ

बनाम– दुर्गाप्रसाद 2. ओमप्रकाश 3. देवीप्रसाद 4. हरिप्रसाद पुत्रगण लालचन्द 5. रमौता पत्नी लालचन्द साकिनान रसूलपुर बाजबहादुर परगना बेलादौलताबाद तहसील लालगंज जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 18 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 04 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वगरज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाविता दीवानी सन् 1908)
बअदालत उपजिलाधिकारी लालगंज, आजमगढ़
धारा 24 उप्रासं 2006 मौजा गोपालपुर

राजबहादुर बनाम गांवसभा

बनाम– राजेश पुत्र राजाराम 2. प्रदीप पुत्र सीताराम 3. दिनेश पुत्र राजाराम 4. मुनीब पुत्र सीताराम साकिनान गोपालपुर परगना देवगांव तहसील लालगंज जनपद आजमगढ़ 5. गांवसभा बजरिये प्रधान ग्राम पंचायत गोपालपुर परगना देवगांव तहसील लालगंज जनपद आजमगढ़। —प्रतिवादीगण

वाजेह हो कि वादी ने आपके नाम एक नालिस दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारिख 18 माह 06 सन् 2026 ई0 बवक्त 6.30 बजे हाजिर हुजिए जवाबदेही कीजिए और हरगाह व तारीख जो आपकी हाजिरी के लिए मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल मुकदमा के तजबीज हुई है। आपको लाजिम है कि उस रोज अपने गवाहों को जिनके शहादत पर नाज जुमला दस्तावेज जिन पर अपनी जवाबदेही करना चाहते हों उस रोज को कीजिए और आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर वरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा आपकी गैर हाजिरी में मसमुआ और फैसला होगा। बसक्त मेरे अदालत और मेरे मुहर अदालत के आज बतारिख 04 माह 06 सन् 2026 ई0 जारी किया गया। —आज्ञा से हाकिम

संस्थापक :
स्मृतिशेष श्री ठाकुर प्रसाद यादव

सम्पादक :
श्री विजय कुमार यादव

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री विजय कुमार यादव के लिए स्वाभिमान प्रकाशन, शहीद द्वार (सिविल लाईन) आजमगढ़ से मुद्रित कराकर 'देवव्रत' हिन्दी दैनिक कार्यालय, 31 शहीद द्वार आजमगढ़–276001 से प्रकाशित।
पो.रजि.नं. : आ./एन.पी.–92
टेली फैक्स : 05462–297576
मोबाइल : 9415370246
RNI NO. 56765/92

भारतीय जहाज पर हमला, भारत ने अमेरिकी डिप्लोमैट को किया तलब

नई दिल्ली, 11 जून (देवव्रत संवाद)। भारत ने अमेरिका के सामने कड़ा विरोध दर्ज कराया। यह विरोध वर सेंट्रल कमांड के एक मिलिट्री ऑपरेशन के बाद जताया गया, जिसमें भारतीय नाविकों को नुकसान पहुँचा था। यह घटना ओमान के तट के पास हुई, जब अमेरिकी सेना ने पलाऊ के झंडे वाले ऑयल टैंकर सेटेबेलो को रोक दिया। ईरान से तेल ले जाने की कोशिश करके चल रही नाकेबंदी का उल्लंघन करने के आरोप में इस जहाज के इंजन रूम को सटीक निशाना साधने वाले हथियारों से निशाना बनाया गया। इस हमले के बाद, विदेश मंत्रालय ने बुधवार को अमेरिकी चार्ज डी'अफेयर्स जेसन मीक्स को तलब किया। अतिरिक्त सचिव (अमेरिका) नागराज नायडू ने भारत की गहरी चिंताएं जाहिर कीं और इस बात पर जोर दिया कि देश के बड़ी संख्या में मौजूद नाविक समुदाय की सुरक्षा और भलाई भारत की सर्वोच्च राष्ट्रीय प्राथमिकता है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंत्रालयों के बीच हुई एक ब्रीफिंग में सरकार का पक्ष रखा। जायसवाल ने कहा कि हम समुद्री यात्रा करने वाले समुदाय की भलाई और सुरक्षा को बहुत महत्व देते हैं। जैसा कि आप जानते हैं, हमारा एक बड़ा समुदाय है जो समुद्र में काम करता है और दुनिया भर में फैला हुआ है। हमारे बहुत से नाविक फारस की खाड़ी और पश्चिम एशिया में भी हैं। उनकी भलाई सुनिश्चित करने के लिए हम अपनी एम्बेसी और शिपिंग मंत्रालय के जरिए उनके संपर्क में हैं। जहाज पर हुए हमले का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा, ₹जब 'सेटेबेलो' जहाज पर यह हमला हुआ, तो हमने अमेरिकी पक्ष के सामने कड़ा विरोध दर्ज कराया और अमेरिकी 'चार्ज डी अफेयर्स' को तलब किया। उन्होंने आगे कहा हमने अमेरिकी 'चार्ज डी अफेयर्स' को बुलाया और उन्हें हमलों की लगातार हो रही घटनाओं पर अपनी गहरी चिंता से अवगत कराया। साथ ही, हमने उनके सामने कड़ा विरोध भी दर्ज कराया।

जायसवाल ने कहा कि भारत ने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय नाविकों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, ₹हमने बताया कि हमारे समुद्री समुदाय की भलाई बहुत महत्वपूर्ण है और जो हमले हो रहे हैं, उन्हें बंद होना चाहिए। क्षेत्र की व्यापक स्थिति पर भारत का रुख दोहराते हुए जायसवाल ने कहा कि नई दिल्ली ने कूटनीति और नेविगेशन की आजादी पर जोर दिया है। उन्होंने कहा, ₹हमने यह भी कहा कि बातचीत और कूटनीति ही संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान का रास्ता है। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार होर्मुज जलडमरूमध्य से बिना किसी रुकावट के आवाजाही होनी चाहिए। हमने इन सभी बिंदुओं पर अपना रुख बहुत स्पष्ट कर दिया है।

मोदी मेरे अच्छे दोस्त और मार्गदर्शक-शत्रुघ्न सिन्हा

कोलकाता, 11 जून (देवव्रत संवाद)।तृणमूल कांग्रेस (ळटउ) के सांसद और जाने-माने अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनके कार्यकाल के 12 साल पूरे होने पर बधाई दी। उन्होंने मोदी को अपना दोस्त और मार्गदर्शक बताया और उनके लंबे, स्वस्थ और खुशहाल जीवन की कामना की।'' पर एक पोस्ट में, सिन्हा ने प्रधानमंत्री को इस उपलब्धि तक पहुँचने पर बधाई दी और इसे देश के इतिहास में सबसे लंबे कार्यकालों में से एक बताया।शत्रुघ्न सिन्हा ने एक्स पर लिखा कि एक सच्चे खिलाड़ी की भावना के साथ, हम समाज और देश के मार्गदर्शक और अपने मित्र, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को उनके कार्यकाल के 12 साल पूरे होने पर बधाई देते हैं। यह शायद अब तक का सबसे लंबा कार्यकाल है। हम आपके लंबे, स्वस्थ और समृद्ध जीवन की कामना करते हैं। जय हिंद ! ळटउ नेता का यह संदेश तब आया जब इखढ के नेतृत्व वाले ेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल के 12 साल पूरे होने और लगातार कार्यकाल में भारत के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले लोकतांत्रिक रूप से चुने गए प्रधानमंत्री बनने की उपलब्धि का जश्न मनाया।इससे पहले दिन में, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मोदी सरकार के विधायी कामकाज की तारीफ करते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में किए गए सुधार और बनाए गए अहम कानून भारत के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में लिखे जाएंगे।एक वीडियो मैसेज में, रिजिजू ने मोदी सरकार के कार्यकाल में लिए गए कई बड़े फैसलों का ज़िक्र किया। इनमें नए संसद भवन का निर्माण, नारी शक्ति वंदन अधिनियम का पास होना, अनुच्छेद 370 को हटाना, गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स लागू करना, लेबर रिफॉर्म्स, नागरिकता संशोधन अधिनियम और औपनिवेशिक दौर के आपराधिक कानूनों की जगह नए आपराधिक कानून लाना शामिल है।

भारतीय क्रू वाले जहाज पर लगातार दूसरे दिन हमला

तेहरान, 11 जून (एजेंसी/देवव्रत संवाद)।ओमान के तट के पास गुरुवार को भारतीय क्रू वाले जहाज जलवीर पर हमला हुआ है। हमले के बाद इस पर आग लग गई है। हमला किसने किया, इसकी जानकारी नहीं मिली है। घटना के बाद भारतीय दूतावास ने कहा कि वह स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है और हालात पर नजर रखे हुए हैं। इससे पहले होर्मुज स्ट्रेट के पास बुधवार को तेल टैंकर टळ सेत्तेबेल्लो पर हुए अमेरिकी हमले में 3 भारतीयों के मौत की पुष्टि हो गई है। केंद्रीय मंत्री सबार्नंद सोनोवाल ने कहा कि अब तक दो के शव बरामद कर लिए गए हैं। इसे लेकर अमेरिकी सेना ने कहा था कि सेत्तेबेल्लो ईरानी तेल ले जा रहा था। उसने चेतावनियों की अनदेखी की, जिसके बाद उस पर हमला किया गया।यह इस हफ्ते दूसरा मामला है जिसमें भारतीय क्रू वाले जहाज पर अमेरिका ने अटैक किया है। इससे पहले सोमवार को अमेरिका ने तेल टैंकर द मैरिवेक्स पर हमला किया था। उस जहाज पर भी 24 भारतीय नाविक सवार थे और सभी को ओमान की सेना ने सुरक्षित बचा लिया था।

सिर काटने की कोशिश के बाद आयरलैंड-ब्रिटेन में भड़के दंगे

लंदन, 11 जून (एजेंसी/देवव्रत संवाद)।आयरलैंड के बेलफास्ट में एक आयरिश व्यक्ति का सिर काटने की कोशिश के विरोध में शुरू हुआ प्रदर्शन बुधवार को बड़े एंटी-इमिग्रेशन दंगों में बदल गया। आयरलैंड और ब्रिटेन में एक दर्जन से ज्यादा जगहों पर हिंसा, आगजनी और लूटपाट की घटना सामने आई। बेलफास्ट और उसके आसपास के इलाकों में नकाबपोश भीड़ ने घरों, दुकानों, बसों और कारों को निशाना बनाया।बेलफास्ट के न्यूटाउनाड्र्स रोड पर कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया शैंकिल में दो दुकानें लूट ली गईं और एक अफ्रीकी प्रवासी की दुकान को आग के हवाले कर दिया गया। लंदन के पार्लियामेंट स्क्वायर व स्कॉटलैंड के ग्लासगो में भी प्रवासी विरोधी प्रदर्शन के दौरान जमकर हिंसा हुई।

अभिजीत बोले- मोदी के साथ मेरी तस्वीर एआई जनरेटेड

पुणे, 11 जून (देवव्रत संवाद)।कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपनी तस्वीर को अक जनरेटेड बताया है। पुणे में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान दीपके ने कहा- मैं ढट से कैसे मिल सकता हूं? मैं अमेरिका में सिर्फ एक स्टूडेंट था। सभी जानते हैं कि ढट से मिलने की प्रक्रिया कितनी सख्त होती है।दरअसल, शिवसेना नेता संजय राउत ने दावा किया था कि दीपके भारत आने से पहले ढट मोदी से मिले थे। उन्होंने कहा- मुझे किसी ने दीपके और मोदी की अमेरिकी में मीटिंग की एक फोटो भेजी है। लोग कह रहे हैं कि मोदी से मिलने के बाद दीपके यहां आए हैं।इधर, कॉकरोच जनता पार्टी ने आज से देशव्यापी प्रदर्शन शुरू करने का ऐलान किया है। प्रदर्शन की शुरूआत पुणे स्थित सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी कैंपस से होगी। पार्टी केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रही है।दीपके के मुताबिक, पार्टी शिक्षा घोषणापत्र भी जारी करेगी। इसमें पेपर लीक रोकने, समय पर रिजल्ट घोषित करने, भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं में पारदर्शिता बढ़ाने और परीक्षा एजेंसियों की जवाबदेही तय करने जैसे मुद्दे शामिल होंगे।

शिक्षा क्रांति के लिए जारी होगा घोषणा पत्र-कॉकरोच जनता पार्टी

नई दिल्ली, 11 जून (देवव्रत संवाद)।परीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच, कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके ने गुरुवार को घोषणा की कि पार्टी आज अपना शिक्षा घोषणापत्र जारी करेगी। इसी दिन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर देशव्यापी विरोध प्रदर्शन भी शुरू होगा। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी इस शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे, जो शाम को सावित्रीबाई फुले पुणे यूनिवर्सिटी कैंपस में शुरू होने वाला है।दिपके ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हम आज ररढव से अपना देशव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू कर रहे हैं। यह विरोध शांतिपूर्ण और संविधान के दायरे में होगा। आज हम अपना शिक्षा घोषणापत्र जारी करेंगे। उन्होंने कहा कि इस घोषणापत्र में प्रश्न-पत्र लीक रोकने, परीक्षा के नतीजे समय पर घोषित करने, भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं में पारदर्शिता लाने, परीक्षा अधिकारियों की जवाबदेही तय करने और परीक्षा आयोजित करने में देरी व अनियमितताओं के कारण छात्रों को होने वाली समस्याओं के समाधान पर ध्यान दिया गया है।

जनता का दर्द उठाना हमारी ज़िम्मेदारी- कुमारी शैलजा

नई दिल्ली, 11 जून (देवव्रत संवाद)।कांग्रेस नेता कुमारी शैलजा ने कहा कि पार्टी ठएएळ-वञ्परीक्षा, उइरए डरट और महंगाई जैसे जनहित के मुद्दों को ₹पूरी ताकत₹ से उठाना जारी रखेगी। यह बात गुरुवार को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में हुई एक हाई-लेवल संगठनात्मक बैठक के बाद कही गई, जिसमें मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा के लिए अक्छउ महासचिव, राज्य प्रभारी और ढउउ अध्यक्ष शामिल हुए थे। एएनआई से बात करते हुए शैलजा ने कहा कि जनता की परेशानियों को सामने लाना कांग्रेस पार्टी का कर्तव्य है और वह देश भर में ₹दर्द और तकलीफ₹ से जुड़े मुद्दों को उठाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने सबसे जोरदार आवाज उठाई है और आगे भी ऐसा करती रहेगी। लोगों के दर्द और तकलीफ को उजागर करना हमारी ज़िम्मेदारी है और हम पूरे देश में इस मुद्दे को पूरी ताकत से उठाएंगे। हमें ठएएळ, उइरए और महंगाई जैसे सभी मुद्दों पर बात करनी होगी। इस बैठक में कांग्रेस के सीनियर नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, जयराम रमेश और केसी वेणुगोपाल शामिल हुए। बैठक में असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गौरव गोगोई, मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी हरीश चौधरी, तेलंगाना कांग्रेस के अध्यक्ष बोम्मा महेशकुमार गौड़, गोवा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गिरीश चोडंकर और पंजाब कांग्रेस प्रमुख अमरिंदर सिंह राजा वडिंग भी शामिल हुए। यह बैठक सोमवार को मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में हुई लॉक की बैठक के बाद हुई है।

राजभर और निषाद बोले, हारी हुई सीटें जिता देंगे

लखनऊ, 11 जून (देवव्रत संवाद)। यूपी विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही एनडीए के सहयोगी दलों ने सीटों के बंटवारे को लेकर बातचीत शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार 12 साल प्रधानमंत्री रहने के अवसर पर बुधवार को दिल्ली में एनडीए की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इसके बाद सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर और निषाद पार्टी के अध्यक्ष संजय निषाद ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। मांग की कि साल 2022 में जीती हुई सीटों के साथ-साथ उन्हें वे सीटें भी दी जाएं, जहां उनकी पार्टी या भाजपा दूसरे स्थान पर रही थीं।सूत्रों के मुताबिक, गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात के दौरान दोनों सहयोगी दलों ने अपनी चुनावी तैयारियों का हवाला देते हुए साफ किया कि 2022 में उनकी जीती हुई सीटें गठबंधन के तहत 2027 में भी उनके पास रहनी चाहिए।दोनों नेताओं ने विशेष रूप से उन सीटों पर दावा ठोका है जो मुस्लिम और यादव बहुल होने के कारण पारंपरिक रूप से भाजपा के लिए कठिन मानी जाती हैं और जहां भाजपा चुनाव हार जाती है। राजभर और संजय निषाद ने गृहमंत्री को भरोसा दिलाया है कि यदि ये हारी हुई सीटें उनके दलों को दे दी जाएं, तो वे वहां सामाजिक समीकरणों के दम पर जीत दर्ज कर एनडीए गठबंधन का परचम फहराएंगे।संजय निषाद की इस नई रणनीति के पीछे हाल ही में हुए सियासी घटनाक्रम को बड़ी वजह माना जा रहा है।

साल 2024 के लोकसभा चुनाव में मझवां सीट से निषाद पार्टी के विधायक डॉ. विनोद बिंद ने भाजपा के सिंबल पर भदोही से चुनाव लड़ा और वे लोकसभा सदस्य निर्वाचित हो गए।

ममता, अभिषेक को चुने या मुझे-कल्याण बनर्जी

कोलकाता, 11 जून (देवव्रत संवाद)। तृणमूल कांग्रेस के अंदर चल रहे संकट को और बढ़ाते हुए, पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कट्टर वफादार कल्याण बनर्जी ने उनके भतीजे और पार्टी के महासचिव अभिषेक बनर्जी की आलोचना की है। कल्याण बनर्जी ने कहा कि मैं ममता बनर्जी के साथ हूँ। लेकिन ममता दी को यह तय करना होगा कि वह अभिषेक को रखेंगी या मुझे। ममता दी को ही पहले यह तय करना होगा। ममता दी को पहले यह तय करना होगा कि वह अभिषेक बनर्जी के बिना पार्टी नहीं चला सकतीं। तब मैं वहाँ नहीं रहूँगा।

कल्याण बनर्जी ने कलकत्ता हाई कोर्ट में पार्टी के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी की ओर से एक मामले में पेश होने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि उक्छ से जुड़ा यह मामला असल में पहले ही दायर किया गया था। उन्होंने इसे पहले ही फाइल कर दिया था। शुक्रवार को वेकेशन बेंच बैठी थी और मैंने पूरे दिन इंतजार किया, लेकिन मामले पर सुनवाई नहीं हुई। उसके बाद, मैंने कोर्ट के सामने इसका ज़िक्र किया और जज ने कहा कि मामले की सुनवाई बुधवार को होगी। जैसा कि आप जानते हैं, मंगलवार को कैमक स्ट्रीट पर उनके घर और दीदी के ऑफि स में तलाशी ली गई थी।

उन्होंने कहा कि मैं दिल्ली से आया था और वहाँ भी गया था। तलाशी के

दौरान मैं मौजूद था। फिर कल सुबह, मैंने जस्टिस कौशिक चंदा के सामने मामले का ज़िक्र किया और कहा कि यह जरूरी है। मैंने उनसे कहा कि तलाशी गैर-कानूनी थी। तलाशी पहले ही हो चुकी थी और कभी भी कुछ भी हो सकता था, इसलिए मामले पर सुनवाई जरूरी थी। जज ने मुझसे कहा कि मामले की सुनवाई उसी दिन होगी। उसके बाद, दोपहर करीब 12.30 बजे, एक वकील ने आकर मुझे बताया कि तलाशी के संबंध में एक अलग रिट याचिका दायर की गई है और एक सीनियर वकील इसे देखेंगे। मैंने पूछा, 'अगर आपने यह मामला पहले ही दायर कर दिया था, तो हमसे इस पर चर्चा क्यों नहीं की? यह पूरी तरह से गैर-कानूनी है।

उन्होंने कहा कि उसके बाद, पूरे दिन किसी ने कुछ नहीं कहा। मैंने रात भर केस की तैयारी की। आज भी, आप देख सकते हैं कि मैं हर जगह जा रहा हूँ, जोखिम उठा रहा हूँ और अपना काम कर रहा हूँ।

फिर भी, उनकी अनादर करने की आदत नहीं बदली है। उन्हें (अभिषेक बनर्जी) लगता है कि हर कोई उनसे नीचे है, मानो सब बस कामाक स्ट्रीट के कर्मचारी हों। मैं 45 साल से इस पेशे में हूँ। एक सीनियर वकील के तौर पर मुझे कौन नहीं जानता? क्या कोई ऐसा है? मैं कितने समय से प्रैक्टिस कर रहा हूँ? इस कोर्ट को छोड़िए, सुप्रीम कोर्ट में भी लोग मुझे जानते हैं। लेकिन वे इतने अहंकारी हो गए हैं... किसी का सम्मान नहीं करते। इसीलिए मैं पीछे हट गया हूँ। आज सुबह मैंने दीदी से भी कहा: मेरे और अभिषेक बनर्जी में से किसी एक को चुन लीजिए।

अभिषेक को हाईकोर्ट से बड़ी राहत, बयान के लिए मजबूर नहीं कर सकते-टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को कथित तौर पर जाली हस्ताक्षर करने के मामले में कुछ समय के लिए राहत मिली है। कोर्ट ने कहा है कि जांच एजेंसी अगले तीन हफ़्तों तक कोई सख़्त कार्रवाई नहीं करेगी। अगर आगे पूछताछ की जरूरत पड़ती है, तो एजेंसी 24 घंटे पहले नोटिस देगी। कलकत्ता हाई कोर्ट ने अभिषेक बनर्जी को आज शाम 6 बजे ऑफि स में पेश होने का आदेश दिया है। कलकत्ता हाई कोर्ट के जस्टिस कौशिक चंदा ने निर्देश दिया कि अभिषेक को समन पर पेश होना होगा।बनर्जी के वकील और जांच की मांग करने वालों की दलीलें सुनने के बाद, कोर्ट ने कथित तौर पर तृणमूल नेता से उक्छके सामने पेश होने को कहा, क्योंकि वे सहयोग करने के लिए तैयार थे।

सड़क हादसे में ट्रेनिंग से लौट रहे इंस्पेक्टर की मौत

एटा, 11 जून (देवव्रत संवाद)। एटा में सड़क हादसे में यूपी पुलिस के इंस्पेक्टर नवीन कुमार यादव की मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ, जब वे मुरादाबाद से तीन दिनों की ट्रेनिंग करके एटा पुलिस लाइन लौट रहे थे। नेशनल हाइवे पर उनकी तेज रफ्तार कार रोड साइड खड़ी एक ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से घुस गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑल्टो के परखच्चे उड़ गए। बोनट पूरी तरह से पिचक गया। साढ़े 6 फीट की कार 4 फीट की रह गई। नवीन कार के अंदर फंस गए। उनका एक हाथ और एक पैर टूट गया। जबड़े समेत चेहरे की कई हड्डियां चूर-चूर हो गईं। दांत टूट कार में बिखर गए। सिर फट गया। हादसे के बाद राहगीर रुककर मदद के लिए पहुंचे। पुलिस को सूचना दी। फिर क्रेन की मदद से कार को ट्रैक्टर-ट्रॉली से निकाला गया। नवीन को मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।इंस्पेक्टर नवीन कुमार यादव मूलरूप से बुलंदशहर के रहने वाले थे। 1998 में पुलिस में भर्ती हुए थे। हादसा बुधवार देर रात जिला मुख्यालय से 30 किलोमीटर दूर बरेली-आगरा नेशनल हाइवे पर कासगंज-एटा रोड पर मिरहची थाना क्षेत्र के आसेपुर गांव के पास का है।एएसपी श्वेताभ पांडेय ने बतायाझ्र मूलरूप से बुलंदशहर के काला नगला के निवासी इंस्पेक्टर नवीन कुमार यादव (55) तीन दिन की ट्रेनिंग के लिए मुरादाबाद स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर पुलिस अकादमी गए थे।

उप्र के 12 शहरों में आंधी-बारिश, पेट्रोल-पंप की छत उड़ी

बरेली में पेड़-पोल उखड़े, 75 जिलों में अलर्ट, 3 दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

लखनऊ, 11 जून (देवव्रत संवाद)।यूपी में प्री-मानसून की बारिश का सिलसिला शुरू हो गया है। गुरुवार को गोरखपुर, मेरठ, सहारनपुर, गोंडा, आजमगढ़, देवरिया, बलिया, फरुर्खाबाद, संभल, बिजनौर समेत 12 शहरों में तेज हवा के साथ बारिश हुई। राजधानी लखनऊ और आसपास के इलाकों में बादल छाए रहे। बीच-बीच में धूप भी निकल रही है। लेकिन, हवा में नमी की वजह से गर्मी से कुछ राहत है।

इससे पहले, बरेली में बुधवार देर रात 90 की रफ्तार से तूफान आया। जोरदार बारिश हुई। सड़कों पर करीब 2 फीट तक पानी भर गया। सैकड़ों पेड़, बिजली के खंभे और होर्डिंग्स गिर गए। पेट्रोल पंप की पूरी छत उड़ गई। पेड़ों की टहनियां टूटकर बिजली के तारों पर गिर गईं। इससे पूरे शहर की बिजली गुल हो गई। करीब 10 घंटे बाद बिजली सप्लाई बहाल की जा सकी।

मौसम विभाग ने आज प्रदेश के सभी 75 जिलों में आंधी, तूफान और बारिश का अलर्ट जारी किया है। कुछ इलाकों में ओले और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है। क्टऊके मुताबिक, 24 घंटे के अंदर एक नया पश्चिमी विक्षोभ एक्टिव हो जाएगा। इससे प्री-मानसून जोर पकड़ेगा। अगले तीन दिन तक मौसम का ऐसा ही मिजाज बना रहेगा।पिछले 24 घंटे की बात करें तो बुधवार सुबह नोएडा, गाजियाबाद और संभल में तेज हवा के साथ बारिश हुई। हालांकि, बाकी शहरों में तेज धूप निकली। आंधी-तूफान से चित्रकूट में 4.5 करोड़ के श्यामा प्रसाद मुखर्जी ऑडिटोरियम की छत उड़ गई। इटावा में 100 की रफ्तार से आए तूफान में टिनशेड उड़कर महिला पर गिर गई।

गोंडा में सगे भाइयों, चाचा-भतीजे समेत 5 की मौत

गोंडा, 11 जून (देवव्रत संवाद)। यूपी के गोंडा में बुधवार देर रात सड़क हादसे में घायल युवकों की मदद कर रहे लोगों को तेज रफ्तार एसयूवी ने रौंद दिया। हादसे में दो सगे भाइयों, चाचा-भतीजे समेत 5 लोगों की मौत हो गई। चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस वक्त हुआ, जब डंपर की टक्कर से घायल एक युवक को उठाकर एंबुलेंस तक ले जाने के लिए कुछ लोग सड़क पार कर रहे थे। तभी करीब 100 की रफ्तार में एक्सयूवी ने सभी को रौंद दिया। टक्कर इतनी भीषण थी कि लोग हवा में उछलकर 10-12 फीट दूर जा गिरे। उनके सिर फट गए। हड्डियां टूट गईं। दो लोग कई मीटर तक घिसटते चले गए। चीख-पुकार सुनकर बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए। एक्सयूवी चालक और उसमें सवार लोगों को पकड़ लिया। जमकर धुनाई कर दी। बाद में पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने घायलों को उळउ परसपुर पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर उन्हें गोंडा मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।मेडिकल कॉलेज में डाक्टर्स ने 3 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया। गंभीर रूप से घायल बच्चे को लखनऊ रेफर किया गया, लेकिन बीच रास्ते में उसने भी दम तोड़ दिया। पुलिस ने एक्सयूवी में सवार लोगों को हिरासत में ले लिया है। एक्सयूवी लखनऊ की बताई जा रही है।

मानसून पहुंचा बिहार, 8 दिन में 17 राज्यों को किया कवर

यूपी-बिहार में आंधी और बिजली गिरने से 9 की मौत

पटना, 11 जून (देवव्रत संवाद)। मानसून ने गुरुवार को बिहार में एंट्री कर ली है। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में भी यह आगे बढ़ गया है। 4 जून को केरलम में एंट्री के बाद से मानसून 8 दिन में 17 राज्यों तक पहुंच चुका है। अगले 2-3 दिनों इसके में उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा पहुंचने की संभावना है।बिहार के 11 जिलों में आज सुबह से आंधी-बारिश हो रही है। खगड़िया में बिजली गिरने से 5 लोगों की मौत हो गई और 4 लोग झुलस गए हैं। पटना, बक्सर, सुपौल समेत 5 जिलों में घने बादलों से अंधेरा छा गया। लोगों को गाड़ियों की लाइट जलाकर चलना पड़ा।यूपी में आंधी से एक पेट्रोल पंप की छत उड़ गई। चित्रकूट में 4.5 करोड़ रुपए के ऑडिटोरियम की छत भी उड़ गई। बरेली, इटावा, सीतापुर और फिरोजाबाद में आंधी-तूफान से 4 लोगों की मौत हुई। पंजाब के मानसा में तेज आंधी के दौरान लोहे का गेट गिरने से 9 साल के बच्चे की मौत हो गई।इधर, गुजरात को छोड़कर बाकी सभी राज्यों में प्री-मानसून का असर है। दिल्ली में खराब मौसम के चलते 2 फ्लाइट जयपुर डायवर्ट करनी पड़ीं। राजस्थान के कई इलाकों में आंधी के साथ बारिश हुई। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, पंजाब, दिल्ली और पश्चिम बंगाल में भी बरसात हुई। आज 22 राज्यों में तेज बारिश का अलर्ट है।इनमें राजस्थान, एमपी, यूपी, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, तमिलनाडु, केरलम, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और गोवा शामिल हैं।

अत्याचारों पर चुप नहीं रहेंगे, शांति और कानून का राज स्थापित होगा-खेमचंद

मणिपुर , 11 जून (देवव्रत संवाद)। मणिपुर सरकार ₹इन अत्याचारों को चुपचाप नहीं देखेगी₹, मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह ने यह बड़ी बात कही। यह बयान तब आया जब पुलिस ने कांगपोकपी ज़िले में हथियारबंद समूहों द्वारा अगवा किए गए लापता नागा पुरुषों में से छह लोगों के शव बरामद किए। नागा समुदाय के इन छह लोगों को कथित तौर पर 13 मई को लेइलोन वाइफेई गाँव से अगवा किया गया था। एक आधिकारिक बयान में सिंह ने कहा कि राज्य सरकार इस तरह की हिंसा बर्दाश्त नहीं करेगी और कहा कि हत्या के लिए ज़िम्मेदार दोषियों को गिरफ़्तार किया जाएगा और कानून के मुताबिक सजा दी जाएगी।ये शव उस घटना के एक दिन बाद मिले, जब सेनापति ज़िले से लगभग एक महीने पहले अगवा किए गए 14 कुकी लोगों को 9 जून को रिहा किया गया था। मणिपुर पुलिस ने बुधवार को पर एक पोस्ट में कहा कि मणिपुर पुलिस, और असम राइफल्स के लगभग 450 जवानों ने स्निफर डॉग्स और फोरेंसिक एक्सपर्ट टीमों की मदद से करीब 24 घंटे तक लगातार तलाशी अभियान चलाया, जिसके बाद आज दोपहर छह लोगों के शव बरामद किए गए।

तेजस प्रोजेक्ट को बड़ा झटका, हेल ने 'फजी' रिपोर्ट देने वाली कंपनी पर किया मुकदमा

नई दिल्ली, 11 जून (देवव्रत संवाद)। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेडने हैदराबाद की कंपनी टेक एयरो डिवाइस के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि कंपनी ने भारत के स्वदेशी तेजस ट'1अ फाइटर एयरक्राफ्ट प्रोग्राम के लिए सप्लाई किए गए पार्ट्स की 199 नकली टेस्ट रिपोर्ट जमा की थीं। शिकायत के अनुसार, त्अछ के बेंगलुरु स्थित एयरक्राफ्ट डिवीजन ने तेजस ट'1अ प्रोग्राम के लिए अलग-अलग पार्ट्स की सप्लाई के लिए मार्च 2022 से ळएउ ओी१ङ्ग ऊँ५ीर को 18 परचेज ऑर्डर जारी किए थे। सैंपल, टेस्ट रिपोर्ट और संबंधित दस्तावेज जमा करने के बाद कंपनी को 35 कैटेगरी के पार्ट्स बनाने की मंजूरी मिल गई। क्वालिटी की जांच के दौरान त्अछ ने टेन्साइल

स्ट्रेंथ, हार्डनेस, ब्रेक लोड, शियर, , माइक्रोस्ट्रक्चर और सॉल्ट स्प्रे टेस्ट से जुड़ी ओरिजिनल रिपोर्ट मांगीं।

आरोप है कि कंपनी ओरिजिनल रिपोर्ट देने में नाकाम रही और बाद में उसने एक माफीनामा जमा किया, जिसमें माना गया कि हैदराबाद की कंपनी 'एक्सिस इंस्पेक्शन सॉल्यूशंस' के नाम से गलत रिपोर्ट दी गई थीं। खबरों के मुताबिक, 29 नवंबर 2023 को 'एक्सिस इंस्पेक्शन सॉल्यूशंस' में एक ऑडिट किया, जिसमें पता चला कि ळएउ एयरो डिवाइसेस द्वारा जमा की गई 199 टेस्ट रिपोर्ट में से कोई भी रिपोर्ट टेस्टिंग एजेंसी ने जारी नहीं की थी। त्अछ का आरोप है कि फरवरी और सितंबर 2023 के बीच जमा की गई सभी 199 रिपोर्ट नकली थीं। 'एक्सिस इंस्पेक्शन सॉल्यूशंस' ने त्अछ को बताया कि नकली रिपोर्ट बनाने के लिए उसके नाम और सिग्नेचर का गलत इस्तेमाल किया गया था। जांच के नतीजों के बाद, 10 मार्च 2027 तक, यानी तीन साल के लिए कंपनी के साथ कारोबार करने से रोक दिया। बताया कि सप्लायर को कोई पेमेंट नहीं किया गया था। अंदरूनी बातचीत के बाद, ने आपराधिक कार्रवाई शुरू करने का फैसला किया है। अब त्अछ ने तेजस फाइटर एयरक्राफ्ट प्रोग्राम से जुड़े कथित तौर पर जाली दस्तावेज जमा करने के लिए कानूनी कार्रवाई करने का कदम उठाया है।

मोदी सरकार युवाओं के भविष्य से कर रही खिलवाड़ -खड़गे

नई दिल्ली, 11 जून (देवव्रत संवाद)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ठएएळ पेपर लीक विवाद को लेकर केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि बार-बार हो रही ऐसी घटनाओं ने लाखों युवाओं का भरोसा तोड़ा है और भारत की परीक्षा प्रणाली में गंभीर खामियों को उजागर किया है। खड़गे की यह टिप्पणी नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट में कथित अनियमितताओं को लेकर फिर से शुरू हुई राजनीतिक बहस के बीच आई है। प्रश्न पत्र लीक होने और प्रक्रिया में गड़बड़ी के कई दावों के बाद से ही यह परीक्षा जांच के दायरे में है। इस मुद्दे ने छात्रों और विपक्षी दलों के बीच देशव्यापी चिंता पैदा कर दी है।

बांग्लादेश ने पहले अपना नागरिक नहीं माना फिर अपनाया

मेघालय , 11 जून (देवव्रत संवाद)। मेघालय के महेंद्रगंज में नंदिरचर के पास भारत-बांग्लादेश सीमा पर लगभग 20 घंटे तक चले तनावपूर्ण गतिरोध के बाद स्थिति सामान्य हो गई, क्योंकि बांग्लादेश आखिरकार अपने नागरिक को स्वीकार करने के लिए सहमत हो गया। सूत्रों के अनुसार, भारतीय अधिकारियों ने उस व्यक्ति को बांग्लादेश को सौंपने का प्रयास किया था, जब वह कथित तौर पर अवैध रूप से भारत में प्रवेश करते हुए पाया गया था। हालांकि, बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (इऋ्र) के जवानों और बांग्लादेश के सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले लोगों ने शुरू में उसे अपना नागरिक मानने से इनकार कर दिया। इस गतिरोध के बीच, 55 वर्षीय व्यक्ति अनिश्चित हालात में कई घंटों तक सीमावर्ती इलाके के 'नो-मैनज-लैंड' (दो देशों के बीच की खाली जमीन) में फंसा रहा।

हमारे यहां सिस्टम स्थिति बिगड़ने के बाद ही जागता है

हमारे नीति-नियंता आमतौर पर तब जागते हैं जब समस्या सिर पर आ जाती है। यदि समय रहते तंत्र, सजगता और सतर्कता से आसन्न संकट को महसूस करते हुए तत्काल रणनीति बनाकर कार्रवाई करता है, तो जन-धन की हानि को टाला जा सकता है। निस्संदेह, भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड यानी बीबीएमबी ने पंजाब और हरियाणा को भाखड़ा जलाशय से ज्यादा पानी निकालने की सलाह दी है।निश्चित रूप से इस सलाह को उत्तर भारत क्षेत्र में पानी के प्रबंधन से जुड़ी बढ़ती मुश्किलों के प्रति एक चेतावनी के रूप में देखी जानी चाहिए। निस्संदेह, यह सलाह रोजमर्रा के परिचालन से जुड़ा मामला भी नहीं है। इसे व्यापक संदर्भों में देखें तो लगातार बढ़ती जलवायु की अनिश्चितता, खेती से जुड़े ऐसे तौर-तरीकों, जिनका दीर्घकालीन उपयोग नहीं किया जा सकता है, के बाबत यह सलाह चेताती है। निश्चित रूप से यह सलाह यह भी बताती है कि पंजाब व हरियाणा में पानी के बेहतर उपयोग को लेकर सहमति न बनने से भी इस तरह की स्थितियां पैदा होती हैं। बांध प्रबंधन से जुड़े सूत्र बताते हैं कि भाखड़ा जलाशय का जलस्तर फिलहाल पिछले साल में इसी अवधि के दौरान के जलस्तर के मुकाबले 21 फीट अधिक है। वहीं दूसरी ओर जलाशय के अधिकतम जलस्तर तक पहुंचने में अब सिर्फ 102 फीट की जगह ही बची है। निश्चित रूप से इस दिशा में समय रहते ही अविलंब कार्रवाई करनी होगी। अन्यथा मानसून के आने के साथ वैकल्पिक उपायों की गुंजाइश भी लगातार कम होती जाती है।जलवायु परिवर्तन के गहरे होते प्रभावों के चलते हिमालयी पर्वत शृंखला में अधिक बर्फ के पिघलने की बढ़ती गति और बारिश के पैटर्न में लगातार आ रहे बदलाव के कारण ही जलाशय के जलस्तर में तेजी से बदलाव आने की आशंका भी बनी रहती है। यही वजह है कि इन तमाम आशंकाओं के मद्देनजर ही अविलंब नीतिगत फैसले लेने की सख्त जरूरत है।

यह विडंबना ही है कि यह चुनौती पंजाब में ऐसे समय में आ रही है, जब धान की रोपाई का मौसम चल रहा है। हालांकि, राज्य में सरकार ने पानी के बेहतर इस्तेमाल के मद्देनजर धान की खेती का कैलेंडर एक जून तक के लिये आगे बढ़ा दिया था। यह भी गौरतलब है कि आज भी पंजाब के बड़े इलाकों में खेती काफी हद तक भूजल पर ही निर्भर है। जिस सीमा तक नहरों के नेटवर्क का अधिकतम उपयोग होना चाहिए था, वह अभी भी नहीं हो पा रहा है। निस्संदेह, जब तक सतही पानी का सही तरीके से बंटवारा नहीं होता है तब तक जलाशयों में ज्यादा पानी जमा करके रखना पड़ेगा।जिसके चलते अचानक आने वाले पानी को संभालने के लिये जरूरी बाढ़ बचाव क्षमता कम हो जाती है।हमें वर्ष 2023 में पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ से मिले सबक को नहीं भूलना चाहिए।तब पानी छोड़ने में कथित देरी और जलाशयों के संचालन को लेकर हुए तमाम विवादों ने राजनीतिक कड़वाहट को बढ़ाया ही था। साथ ही सरकार की बाढ़ से निबटने की तैयारियों को लेकर गंभीर सवाल भी खड़े हुए थे। जब बांध प्रबंधन की बात करते हैं तो इसका मकसद सिर्फ बिजली उत्पादन ही नहीं हो सकता।

तब बाढ़ को नियंत्रित करना भी उतना ही जरूरी मकसद होना चाहिए। ऐसे वक्त में हमें जरूरी कामों की प्राथमिकताएं तय करनी होंगी। सिंचाई विभाग को सुनिश्चित करना ही होगा कि नहर का पानी किसानों को समय पर मिले। खासकर उन किसानों को जिनके खेत नहर के अंतिम छोर पर स्थित हैं।इससे हमारी जमीन के ऊपर मौजूद पानी के स्रोतों पर निर्भरता ज्यादा बढ़ेगी।साथ ही इन कदमों से जमीन के भीतर के पानी के भंडारों पर दबाव भी कम हो सकेगा।इसके साथ ही, सहयोगी राज्यों के साथ जलाशयों के कामकाज में पारदर्शिता और दूरदर्शिता के साथ तालमेल बैठाना होगा। पानी की भरपूर उपलब्धता से मुश्किल हालात का सामना करने की क्षमता बढ़नी चाहिए, न कि जोखिम को बढ़ावा दिया जाए। आज जलाशयों में जगह खाली करना भविष्य में मौसम से जुड़ी अनिश्चितताओं से निबटने के लिये सबसे अच्छा उपाय साबित हो सकता है।

बच्चा पढ़ाई से भागता है? डांटना नहीं, यह उपाय अपनाएं, दूर होगा डर

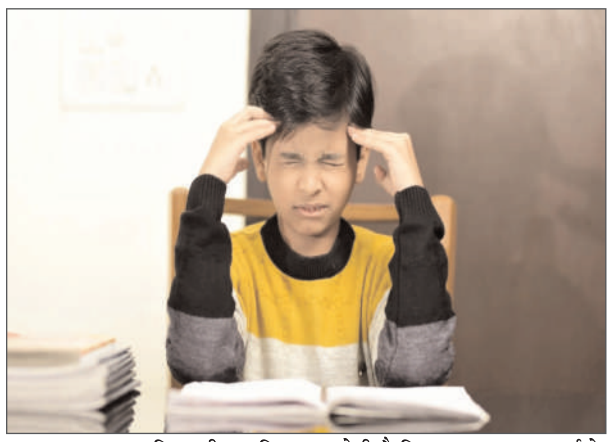

अक्सर माता-पिता की यह शिकायत होती है कि उनका बच्चा पढ़ाई के नाम पर रोने लगता है, चिड़चिड़ा हो जाता है या तरह-तरह के बहाने बनाने लगता है। कई बार पेरेंट्स गुस्से में आकर बच्चे पर हाथ भी उठा देते हैं, लेकिन मारना-डांटना इसका सही इलाज नहीं है।माता-पिता को सबसे पहले यह समझना होगा कि बच्चा पढ़ाई से डर क्यों रहा है। हो सकता है कि उसे कोई सब्जेक्ट बहुत मुश्किल लगता हो, स्कूल में कोई परेशानी हो या फिर उस पर पढ़ाई का दबाव बहुत ज्यादा हो। बिना वजह जाने बच्चे को डांटने से समस्या और ज्यादा बढ़ सकती है।

बच्चों का मन पढ़ाई में लगाने के लिए पेरेंट्स अपनाएं ये तरीके

पढ़ाई को सजा न बनाएंः कई बार घरों में कहा जाता है कि खेलना बंद करो और अब पढ़ाई करो। इससे बच्चे को लगता है कि पढ़ाई कोई सजा या बोझ है। इसलिए पढ़ाई को हमेशा मजेदार तरीके से उसके सामने पेश करें।

लगातार न पढ़ाएं, छोटे-छोटे ब्रेक देंः बच्चे को घंटों एक साथ बैठने के लिए मजबूर न करें। उसे 15-20 मिनट ही पढ़ाएं और फिर थोड़ा सा ब्रेक दें। जब बच्चा अपना छोटा सा काम भी पूरा कर ले, तो उसकी तारीफ जरूर करें ताकि उसका हौसला बढ़े।

दूसरों से तुलना बिल्कुल न करेंः कभी भी अपने बच्चे की तुलना किसी दूसरे बच्चे से न करें। इससे उसके मन में हीनभावना आ जाती है। हर बच्चे के सीखने की रफ्तार अलग होती है, इसलिए उसकी खुद की तरक्की की तारीफ करें।

प्यार से बात संभालेंः अगर बच्चा पढ़ते समय रोने लगे, तो उसे गले लगाएं और शांत करें। उसकी परेशानी को ध्यान से सुनें ताकि उसे भरोसा हो सके कि आप उसके साथ हैं। जब बच्चा सुरक्षित महसूस करेगा, तो वह अपनी बात खुलकर कह पाएगा।

कब लें डॉक्टर या एक्सपर्ट की सलाह

अगर इन सब तरीकों के बाद भी बच्चा लगातार पढ़ाई से डरता है, बहुत ज्यादा तनाव में रहता है या उसे चीजें सीखने में बहुत ज्यादा दिक्कत आ रही है, तो बिना देर किए किसी चाइल्ड काउंसलर या चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट की मदद लेनी चाहिए।

गर्लफ्रेंड को फैमिली से मिलाने का यह है सही समय

प्यार में पड़ने के बाद हर लड़का कभी न कभी इस कशमकश से जरूर गुजरता है कि वह अपनी गर्लफ्रेंड को अपने घरवालों से कब और कैसे मिलवाए। यह एक ऐसा बड़ा फैसला है जो आपके रिश्ते को एक नया मोड़ दे सकता है। अगर सही समय पर मुलाकात कराई जाए तो रिश्ता और भी ज्यादा मजबूत हो जाता है, लेकिन अक्सर जल्दबाजी में लिया गया फैसला उल्टा भी पड़ जाता है। अगर परिवार को लड़की पसंद न आए या घर का माहौल सही न हो, तो बात बनने की बजाय बिगड़ सकती है और घर में तनाव का माहौल बन सकता है। अगर आप भी इस उलझन में हैं और किसी भी तरह की परेशानी से बचना चाहते हैं, तो कुछ बेहद जरूरी बातों को समझना आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित होगा।किसी भी रिश्ते को मजबूत होने के लिए वक्त की जरूरत होती है। अपनी गर्लफ्रेंड को घरवालों से मिलवाने से पहले कम से कम 6 महीने से 1 साल का समय एक-दूसरे को जरूर दें। यह समय इसलिए जरूरी है ताकि आप दोनों एक-दूसरे की आदतों, सोच और व्यवहार को अच्छी तरह समझ सकें। जब आप साथ में अच्छा और बुरा दोनों वक्त बिता लेते हैं, तभी आपको रिश्ते का असली अनुभव होता है। जल्दबाजी में लिया गया फैसला अक्सर गलत साबित हो सकता है।घरवालों से मिलवाने का फैसला हमेशा दोनों की मर्जी से होना चाहिए। अगर आपकी पार्टनर अभी मानसिक रूप से परिवार से मिलने के लिए तैयार नहीं हैं, तो उन पर कभी भी दबाव न बनाएं।

बेटियों का मूल्य धन से नहीं, संस्कार और शिक्षा से आंके

• विनोद कुमार सिंह

भारतीय समाज में विवाह को सबसे पवित्र संस्कार माना गया है, लेकिन समय के साथ इस पवित्र बंधन पर दहेज जैसी कुप्रथा का ऐसा ग्रहण लगा है। जिसने न केवल रिश्तों की गरिमा को ठेस पहुंचाई है, बल्कि हजारों परिवारों को आर्थिक, सामाजिक और मानसिक रूप से कमजोर भी किया है। आधुनिक शिक्षा और कानूनी सख्ती के बावजूद दहेज की प्रवृत्ति पूरी तरह समाप्त नहीं हो सकी है। आज भी कई परिवार अपनी बेटियों के विवाह के लिए वर्षों तक धन जुटाने, कर्ज लेने और अपनी संपत्ति बेचने तक को मजबूर हैं। दहेज कोई सम्मान नहीं, बल्कि समाज की वह कुरीति है जो रिश्तों की पवित्रता को कलंकित करती है। दहेज को लेकर प्रचलित एक विचार आज भी समाज की सच्चाई को उजागर करता है कि ₹दहेज सामाजिक ऐसी कुरूप्रथा की भीख है, जिसे लेने वाला सिर उठाकर सम्मान से लेता है और देने वाला अपनी लाचारी, मजबूरी व बेबसी छुपाकर दर्द के साथ देता है।₹ यह कथन उन लाखों परिवारों की पीड़ा को दशार्ता है, जो सामाजिक दबाव और परंपराओं के नाम पर आर्थिक बोझ उठाने के लिए विवश हो जाते हैं।

भारतीय संस्कृति में बेटी को लक्ष्मी, शक्ति और परिवार की शान माना जाता है। जन्म से लेकर विवाह तक माता-पिता उसे अच्छे संस्कार, शिक्षा और जीवन के मूल्य प्रदान करते हैं। इसके बावजूद विवाह के समय दहेज की मांग बेटी और उसके परिवार के सम्मान पर सीधा आघात करती है। सवाल यह है कि जब बेटी स्वयं एक परिवार की सबसे बड़ी पूंजी है, तो उसके साथ धन और संपत्ति की मांग क्यों जोड़ी जाती है?

दहेज की मानसिकता समाज में महिलाओं के प्रति असमान दृष्टिकोण को बढ़ावा देती है। यह सोच बेटियों को बोझ और बेटों को आर्थिक लाभ का माध्यम मानने जैसी विकृत मानसिकता को जन्म देती है, जो किसी भी सभ्य समाज के लिए घातक है।

ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में दहेज की समस्या गंभीर रूप धारण कर चुकी है। मध्यम और गरीब वर्ग के परिवार अपनी बेटियों के विवाह के लिए जीवनभर की जमा पूंजी खर्च कर देते हैं। कई परिवार कर्ज के बोझ तले दब जाते हैं, जिसकी भरपाई उन्हें वर्षों तक करनी पड़ती है। आर्थिक संकट के साथ-साथ मानसिक तनाव, सामाजिक अपमान और पारिवारिक तनाव भी बढ़ता है।

कई मामलों में दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाह टूट जाते हैं या विवाह के बाद उत्पीड़न की घटनाएं सामने आती हैं।

युवाओं को आगे आकर लेना होगा संकल्प, न दहेज लेंगे और न देंगे

यह स्थिति केवल एक परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की संवेदनशीलता और नैतिक मूल्यों पर प्रश्नचिह्न लगाती है। दहेज उन्मूलन के लिए केवल कानून पर्याप्त नहीं है। इसके लिए सामाजिक जागरूकता और मानसिकता में बदलाव आवश्यक है। युवाओं को स्वयं आगे आकर बिना दहेज विवाह करने का संकल्प लेना होगा।माता-पिता को भी अपनी बेटियों को आत्मनिर्भर और शिक्षित बनाने पर जोर देना चाहिए, ताकि समाज में उनकी पहचान दहेज से नहीं, बल्कि उनकी योग्यता और व्यक्तित्व से हो।

समाज की वास्तविक उन्नति तब होगी जब बेटियों का मूल्य दहेज से नहीं, बल्कि उनके संस्कार, शिक्षा, प्रतिभा और व्यक्तित्व से आंका जाएगा। दहेज लेने वाला कभी सम्मान का अधिकारी नहीं हो सकता, क्योंकि सम्मान कमाया जाता है, खरीदा नहीं जाता। विवाह यदि प्रेम, विश्वास और समानता के आधार पर हो, तभी वह सफल और सुखद बन सकता है।

समाज के प्रत्येक वर्ग को अब यह संकल्प लेना होगा कि न तो दहेज लिया जाएगा और न ही दिया जाएगा। दहेज मांगने वालों को सामाजिक प्रतिष्ठा देने के बजाय उनका विरोध किया जाएगा। यही एक शिक्षित, जागरूक और समानता मूलक समाज की पहचान होगी।

दहेज मुक्त समाज केवल एक सपना नहीं, बल्कि सामूहिक इच्छा शक्ति और सामाजिक जागरूकता से प्राप्त किया जा सकने वाला लक्ष्य है। जब समाज बेटियों को सम्मान और समान अवसर देगा, तभी वास्तविक अर्थों में विकास और सामाजिक न्याय की स्थापना हो सकेगी। आइए संकल्प लें – न दहेज लेंगे, न दहेज देंगे, और दहेज मांगने वालों का सामाजिक बहिष्कार करेंगे। यही एक सभ्य, शिक्षित और समानतामूलक समाज की पहचान है।

सिने जगत

पंजाबी एक्ट्रेस ने बादशाह को बताया पति देव, ईशा रिखी ने रैपर के साथ शेयर किया फोटो

पंजाबी एक्ट्रेस ईशा रिखी ने सोशल मीडिया पर रैपर और म्यूजिक प्रोड्यूसर बादशाह के साथ एक तस्वीर शेयर की है और बादशाह को पति देव बताया है। जिसके बाद उनकी शादी को लेकर चल रही चचार्एं फिर तेज हो गई हैं और इसे दोनों के रिश्ते की सार्वजनिक पुष्टि मान जा रहा है।

दरअसल, इंस्टाग्राम पर एक आस्क मी एनीथिंग सेशन के दौरान एक यूजर ने ईशा से सवाल पूछा, ₹मैम, आपकी और बादशाह भाई की शादी हो गई है, फिर आप दोनों एक-दूसरे को इंस्टाग्राम पर फॉलो क्यों नहीं करते?₹

इस पर ईशा ने मजाकिया अंदाज में लिखा, ₹मुझे लगता है कि अब इन सवालों की बाढ़ आ गई है। 'क्या आपकी शादी हो गई है?', 'क्या आपकी शादी बादशाह से हुई है?', 'आप दोनों एक-दूसरे को फॉलो क्यों नहीं करते?', 'आप साथ में तस्वीरें क्यों नहीं पोस्ट करते?' जैसे सवाल लगातार पूछे जा रहे हैं।₹

इसके बाद उन्होंने हंसने वाली इमोजी के साथ लिखा, ₹हां, मेरी शादी हो चुकी है। अब सबसे ज्यादा पूछे जाने वाले सवाल पर आते हैं- 'आप दोनों एक-दूसरे को फॉलो क्यों नहीं करते?' सच कहूं तो इसका जवाब मेरे पति को देना चाहिए। पति देव (बादशाह), जनता के मन में कई सवाल हैं। कृपया जल्द से जल्द उनका जवाब दें।₹

फिर एक अन्य यूजर ने पूछा कि अगर वह बादशाह की पत्नी हैं, तो उन्होंने अब तक उनके साथ एक भी फोटो क्यों पोस्ट नहीं की।

सबको हैरान करते हुए ईशा ने बादशाह के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की। तस्वीर में ईशा बादशाह की गोद में बैठी नजर आ रही हैं, जबकि बादशाह उन्हें गले लगाए हुए दिखाई दे रहे हैं।

24 मार्च में दोनों की कथित शादी से जुड़ी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए थे। ये तस्वीरें ईशा की मां द्वारा शेयर की गई थीं, जिनमें दोनों पारंपरिक पंजाबी शादी की ड्रेस में नजर आए थे। जिसमें में परिवार के करीबी लोगों की मौजूदगी भी दिखाई दी थी।

उस समय बादशाह और ईशा रिखी ने इन खबरों पर कोई पब्लिक रिएक्शन नहीं दिया थी। हालांकि, ईशा की मां ने तस्वीरों के साथ ह्लगॉड ब्लेस यूह्व लिखकर बादशाह और ईशा को टैग किया था, जिसके बाद शादी की अटकलों तेज हो गई थी।बता दें कि बादशाह की पहली शादी जैस्मिन मसीह से शादी हुई थी और दोनों की एक बेटी भी है। साल 2020 में दोनों अलग हो गए थे।ईशा रिखी पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी एक्ट्रेस और मॉडल हैं। वह जट्ट बॉयज पुट जट्टान डे, हैप्पी गो लकी और अरदास जैसी कई पंजाबी फिल्मों में काम कर चुकी हैं और बॉलीवुड फिल्म नवाबजादे में भी नजर आ चुकी हैं।

मीका सिंह ने मनाया 50वां जन्मदिन

पॉपुलर सिंगर मीका सिंह ने 10 जून की रात अपना 50वां जन्मदिन मनाया। मुंबई के एक होटल में आयोजित इस बर्थडे पार्टी में बॉलीवुड, म्यूजिक इंडस्ट्री, स्पोर्ट्स और पॉलिटिक्स से जुड़े कई बड़े चेहरे शामिल हुए।

पार्टी शुरू होने से पहले मीका ने वहां मौजूद पपराजी के साथ केक काटा और अपनी फिल्म का गाना भी गाया। सोशल मीडिया पर इस ग्रैंड सेलिब्रेशन के कई वीडियो और तस्वीरें वायरल हो रही हैं।मीका सिंह की इस पार्टी का आयोजन मुंबई के 'द होटल' में रात करीब 8:30 बजे किया गया था। इस खास मौके पर सिनेमा और संगीत जगत के कई दिग्गज कलाकार उन्हें बधाई देने पहुंचे। मेहमानों की लिस्ट में सीनियर एक्ट्रेस और नेता हेमा मालिनी, सिंगर सोनू निगम, एक्टर अनुपम खेर, कॉमेडियन कपिल शर्मा, शेखर सुमन, ईशा मालवीय और मीका के बड़े भाई दलेर मेहंदी शामिल थे। इसके अलावा खेल और राजनीति जगत की भी कई बड़ी हस्तियों ने इस पार्टी में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई।अपने 50वें जन्मदिन के लिए मीका सिंह ने एक खास लुक चुना था। वे वाइट कलर के सूट और मैचिंग वाइट लूज पैंट्स में नजर आए। सूट के अंदर उन्होंने ब्लैक शर्ट पहनी थी। अपने इस स्टाइल को पूरा करने के लिए मीका ने गले में एक हैवी चेन और बड़ा पेंडेंट पहना था। इसके साथ ही उन्होंने गोल्ड फ्रेम वाले बड़े ब्लैक सनग्लासेस भी लगाए हुए थे।

फुटबाल विश्व कप में तीसरी दुनिया की दस्तक

• हरिजीत सिंह

पिछले कुछ विश्व कप मुकाबलों में तीसरी दुनिया के देशों ने, जिसमें अफ्रीकी, एशियाई और मध्य व उत्तर अमेरिकी देश आते हैं, ने संघर्षशील फुटबाल खेल का प्रदर्शन किया है। फुटबाल की दुनिया में नासमझ समझे जाने वाले इन देशों ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से यह जता दिया है कि वे भी अब फुटबाल जगत की श्रेष्ठ हस्तियों का मुकाबला कर सकते हैं।

आज से शुरू हो रहे तेईसवें विश्व कप फुटबाल में लेतिन अमेरिका और यूरोपीय देशों के मुकाबले में तीसरी दुनिया के देश–मिस्र, दक्षिण कोरिया, ईरान, इराक, जापान, मोरक्को, घाना, अल्जीरिया, सेनेगल–कुल मिला कर 23 देश नजर आयेंगे। यह तय है कि विश्व फुटबाल पर लेतिन अमेरिकी (10 खिताब) और यूरोपीय देशों (12 खिताब) के वर्चस्व को अभी तो कोई खतरा नहीं है। पिछले कुछ विश्व कप मुकाबलों में खासकर 1982 से तीसरी दुनिया के देशों ने, जिसमें अफ्रीकी, एशियाई और मध्य व उत्तर अमेरिकी देश आते हैं, ने संघर्षशील फुटबाल खेल का प्रदर्शन किया है। फुटबाल की दुनिया में नासमझ समझे जाने वाले इन देशों ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन से यह जता दिया है कि वे भी अब फुटबाल जगत की श्रेष्ठ हस्तियों का मुकाबला कर सकते हैं।

आठवें दशक के अंत में जब फीफा अध्यक्ष हवेलेंज ने यह प्रस्ताव रखा था कि 1982 विश्व कप में 16 की बजाय 24 टीमें भाग लेंगी, तब उन्हें काफी आलोचना का सामना करना पड़ा था। इस प्रस्ताव की आलोचना करने वालों में फुटबाल की श्रेष्ठ शक्तियां ही थीं, जबकि तीसरी दुनिया के देशों ने प्रस्ताव का स्वागत किया था। आलोचकों का कहना था कि इस स्वरूप के परिवर्तन से हालैंड की जगह न्यूजीलैंड, आयरलैंड की जगह कैमरून, उरुग्वे की जगह कुवैत, स्काटलैंड की जगह अल्जीरिया आदि कमजोर टीमें विश्व कप में पहुंच जायेंगी और इस से फुटबाल का स्तर गिरेगा, लेकिन इन्हीं आलोचकों को तब मुंह की खानी पड़ी, जब 1982 विश्व कप में अल्जीरिया ने दो बार की चैंपियन पश्चिम जर्मनी को 2-1 से पीट दिया।

अल्जीरिया ने पश्चिम जर्मनी को हराने के बाद चिली टीम को भी हराया, पर वह गोल औसत के आधार पर दूसरे चक्र में न पहुंच सके। इस विश्व कप में एक अन्य अफ्रीकी देश कैमरून ने अपने ग्रुप के तीनों ही मैच इटली, पौलेंड व पेरु के विरुद्ध बराबर रखे, वह भी मात्र गोल औसत के आधार पर प्रतियोगिता से बाहर हो गये।

विश्व कप फुटबाल पर एक नजर डाली जाए तो कुछ मुकाबलों को छोड़कर तीसरी दुनिया के देशों ने कई मैचों में सराहनीय खेल का प्रदर्शन दिखाया है। पहले किसी अफ्रीकी देश के रूप में मिस्र ने 1934 में विश्व कप फुटबाल में भाग लिया था। अपने एकमात्र मैच में वे हंगरी से 4-2 से हारे। तीसरी दुनिया के देशों की विश्व कप में पहली बड़ी सफलता 1966 विश्व कप में देखने को मिली, जब उत्तरी कोरिया की टीम ने दो बार की चैंपियन इटली को 1-0 से पीट डाला। कोरिया का प्रदर्शन इतना अच्छा रहा कि उन्हें सेमीफाइनल में जाने से रोकने के लिए पुर्तगाल को पूरा जोर लगाना पड़ा क्योंकि कोरिया एक समय 3-0 से आगे थी। फाइनल स्कोर 5-3 पुर्तगाल के पक्ष में रहा।

वर्ष 1970 में अफ्रीका के छोटे से देश मोरक्को ने अपनी सुंदर फुटबाल से सब का मन मोह लिया। बुलगारिया के विरुद्ध उन्होंने मैच बराबर रखा, जबकि पश्चिम जर्मनी के विरुद्ध पहले हाफ में 1-0 से बढ़त लेने के बाद 2-1 से हारे। वर्ष 1986 विश्व कप में एक बार फिर अफ्रीका के इस देश ने सबको चकित कर दिया। वह अपने ग्रुप में इंग्लैंड, पौलेंड और पुर्तगाल जैसी सशक्त टीमों से ऊपर रहे और दूसरे चक्र में खेले। पुर्तगाल को उन्होंने 3-1 से पीटा और इंग्लैंड व पौलेंड के विरुद्ध मैच गोल-रहित रखे। दूसरे चक्र में भी इस टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया, पर कड़े संघर्ष के बावजूद वह पश्चिमी जर्मनी से 1-0 से हार गये। इस प्रकार मोरक्को पहली अफ्रीकी टीम बनी जो यूरोप और अमेरिका (1966 में उत्तर कोरिया के बाद) के बाहर से केवल दूसरा राष्ट्र रहा जो दूसरे दौर में पहुंचा। इसी मोरक्को ने 2022 विश्व कप फुटबाल में कमाल कर दिया जब वह चौथे स्थान पर रहा। यह किसी भी अफ्रीकी या अरब राष्ट्र का सर्वश्रेष्ठ विश्व कप फिनिश रहा। अपने ग्रुप में टॉप पर रहने के बाद मोरक्को ने दूसरे दौर में स्पेन को हराया। क्वार्टर फाइनल में उन्होंने पुर्तगाल को हराया। तीसरे स्थान के लिए वह क्रोएशिया से हार गए।

कैमरून 1990 विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली अफ्रीकी टीम बनी। उन्होंने टूनार्मेंट की शुरूआत मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना पर चौंकाने वाली जीत के साथ की। वे क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड से हारे। तीसरी दुनिया का सबसे श्रेष्ठ प्रदर्शन 2002 विश्व कप फुटबाल में देखने को मिला। पहले ही दिन अफ्रीकी देश सेनेगल ने गत चैंपियन फ्रांस को 1-0 से हराया। जब सेनेगल ने अतिरिक्त समय में गोल्डन गोल के साथ स्वीडन को 2-1 से हराया, तो अंतिम आठ में पहुंचने वाली केवल दूसरी अफ्रीकी टीम बन गई (1990 में कैमरून के बाद)। एक और हैरान करने वाली टीम मेजबान दक्षिण कोरिया रही। वे पोलैंड (2-0), पुर्तगाल (1-0), इटली (2-1) और स्पेन (पेनल्टी 5-3) को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रहे। ऐसा करने वाली पहली एशियाई टीम रही। तीसरे स्थान के लिए तुर्की ने दक्षिण कोरिया को 3-2 से हराया। वर्ष 2010 विश्व कप के राउंड 16 में, घाना अतिरिक्त समय के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका को हराकर अंतिम आठ में पहुंचने वाला तीसरा अफ्रीकी देश बना (1990 में कैमरून और 2002 में सेनेगल के बाद)। 2014 में पहली बार, अफ्रीका (नाइजीरिया और अल्जीरिया) की दो टीमें दूसरे दौर में आगे बढ़ीं, एक उपलब्धि जो 2022 के टूनार्मेंट में दोहराई गई।पिछले विश्व कप में तीसरी दुनिया के चार देश–दो अफ्रीका से और दो एशिया से दूसरे दौर में रहे। सेनेगल, मोरक्को, जापान और दक्षिण कोरिया में से सिर्फ मोरक्को ही आगे बढ़कर चौथे स्थान पर रहा।

विश्व कप फुटबाल के मुकाबले में इस बार 23 देश तीसरी दुनिया का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। वैसे देखा जाए तो 32 से 48 टीमों के स्वरूप का सबसे अधिक फायदा यूरोप को हो रहा है। साल 2022 में जब आखिरी बार 32 टीमें विश्व कप में उतरी थीं, तो यूरोप की 13 (पिछले विजेता फ्रांस सहित), लेतिन अमेरिकी की 4, मध्य व उत्तर अमेरिकी की 4, अफ्रीका की 5 और एशिया की 6 टीमों (मेजबान कतर सहित) ने भाग लिया था। इस बार यूरोप की 16, लेतिन अमेरिकी की 6 (पिछले विजेता अर्जेंटीना सहित), मध्य व उत्तर अमेरिकी की 6 (मेजबान यूनाइटेड स्टेट अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा सहित), अफ्रीका की 10, एशिया की 9 टीमें और ओशिनिया की एक टीम है।

इस बार 4 देश पहली बार भाग ले रहे हैं– जॉर्डन, उज्बेकिस्तान, केप वेर्डे और कुराकाओ। कुराकाओ विश्व कप के लिए भाग करने वाला जनसंख्या (1.6 लाख) के हिसाब से सबसे छोटा देश है। मजेदार बात ये हो रही है कि विश्व कप के वार्म-अप मैचों में जहां आइवरी कोस्ट ने फ्रांस को 2-1 से और अल्जीरिया ने नीदरलैंड्स को 1-0 से हराया, जबकि इराक ने स्पेन को, घाना ने वेल्स को और कांगो ने डेनमार्क को बराबरी पर छोड़ा है। यही नहीं, तीसरी दुनिया के बहुत सारे खिलाड़ी यूरोप और अमेरिकी देशों के लिए खेल रहे हैं, जो यह दशार्ता है कि उनकी पहुंच अब सर्वश्रेष्ठ टीमों में है।

प्रवक्ता परीक्षा को सकुशल एवं नकलविहीन सम्पन्न कराने हेतु तैयारियों की समीक्षा, अधिकारियों को दिए गए कड़े निर्देश

भदोही , 11 जून (देवव्रत संवाद)। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज द्वारा दिनांक 14 जून 2026 को आयोजित होने वाली प्रवक्ता परीक्षा को सकुशल, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से आज कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी न्यायिक विजय नारायण सिंह की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के सभी 07 परीक्षा केन्द्रों के केन्द्र व्यवस्थापक/प्रबंधक, सेक्टर एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) ने परीक्षा से संबंधित सभी महत्वपूर्ण बिंदुओं एवं व्यवस्थाओं पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने ने बताया कि परीक्षा संचालन की प्रक्रिया, सुरक्षा प्रबंधन, अभ्यर्थियों की एंट्री व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक पहलुओं को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि जनपद में इस परीक्षा में कुल 2973 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग प्रयागराज द्वारा आयोजित प्रवक्ता(पुरुष/महिला) राजकीय इंटर कॉलेज (प्रा0) परीक्षा 2025 जो दिनांक 14.06.2026 दिन रविवार को एक पाली प्रातः 9:30 बजे से 11:30 बजे तक जनपद के कुल 07 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी।

अपर जिलाधिकारी न्यायिक ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि परीक्षा से जुड़े सभी कार्मिक–जैसे केन्द्र व्यवस्थापक, कक्ष निरीक्षक, सेक्टर एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट–निर्देश पुस्तिका में उल्लिखित सभी नियमों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या चूक को गंभीरता से लिया जाएगा तथा शासन स्तर से कठोर कार्यवाही की जाएगी।

अपर जिलाधिकारी न्यायिक ने बताया कि परीक्षा को नकलविहीन एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने हेतु सभी परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि नकल अथवा किसी भी प्रकार की अनियमितता में संलिप्त पाए जाने पर परीक्षार्थियों एवं संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बैठक के अंत में सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय एवं सतर्कता के साथ कार्य करते हुए परीक्षा को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अनिल कुमार प्रवेशक प्रयागराज, जिला विद्यालय निरीक्षक अंशुमान, एआरटीओ राम सिंह, एवं सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बीज शोधन से करें बीज जनित बीमारियों की रोकथाम-कृषि रक्षा अधिकारी

पीडीडीयू नगर(चंदौली) , 11 जून (देवव्रत संवाद)। प्रभारी जिला कृषि रक्षा अधिकारी विनोद कुमार यादव ने किसानों से बुवाई से पहले बीज और भूमि शोधन करने का आग्रह किया है। उन्होंने बताया कि ऐसा करने से फसलों में बाद में होने वाले महंगे रोगों से बचा जा सकता है,जिनकी रोकथाम खड़ी फसल में करना काफी खचीर्ला होता है।विनोद कुमार यादव ने स्पष्ट किया कि बीज शोधन से बीज जनित बीमारियों पर आसानी से नियंत्रण पाया जा सकता है। यह प्रक्रिया बीज पर चिपके रसायनों के माध्यम से आक्रमणकारी फफूंदियों को नष्ट कर देती है,जिससे फसलें स्वस्थ रहती हैं।धान की फसल में मिथ्या कंडुआ,झुलसा और धारीदार रोग जैसे रोगों के नियंत्रण के लिए विशेष उपाय बताए गए हैं।किसानों को बुवाई से पहले प्रति किलोग्राम बीज में 2 ग्राम कार्बेन्डाजिम 50 प्रतिशत या 2.5 ग्राम थीरम 75 प्रतिशत मिलाकर उपचारित करना चाहिए।उड़द और मूंग में उकठा रोग की रोकथाम के लिए प्रति किलोग्राम बीज में 5 ग्राम ट्राइकोडरमा मिलाकर बुवाई करने की सलाह दी गई है। भूमि शोधन के लिए 2.5 किलोग्राम ट्राइकोडरमा को 50 किलोग्राम सड़ी गोबर की खाद में मिलाकर एक सप्ताह तक छाया में रखने के बाद अंतिम जुताई के समय खेत में मिलाना चाहिए।इससे भूमि जनित बीमारियों का नियंत्रण होता है।दीमक प्रभावित क्षेत्रों में किसानों को 2.5 किलोग्राम ब्यूवैरिया वैसियाना 1 प्रतिशत डब्लू०पी० को 50 किलोग्राम गोबर की खाद में मिलाकर खेत में प्रयोग करने की सलाह दी गई है।यह विधि दीमक नियंत्रण में प्रभावी है।समस्त बीज शोधक रसायन विकास खंडों में स्थित कृषि रक्षा इकाईयों पर 75 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध हैं, जिससे किसान इन उत्पादों का आसानी से लाभ उठा सकें।

पुलिस अधीक्षक चन्दौली द्वारा मैरिज लॉन संचालकों,डीजे संचालकों एवं बैंड संचालकों के साथ बैठक कर दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश

पीडीडीयू नगर(चंदौली) , 11 जून (देवव्रत संवाद)। पुलिस अधीक्षक चंदौली आकाश पटेल द्वारा जनपद में आयोजित होने वाले वैवाहिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों के दौरान यातायात व्यवस्था, ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण तथा आमजन की सुरक्षा एवं सुविधा सुनिश्चित किए जाने के दृष्टिगत पुलिस लाइन चंदौली स्थित नवीन सभागार में मैरिज लॉन संचालकों, डीजे संचालकों एवं बैंड संचालकों के साथ बैठक आयोजित कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान पुलिस अधीक्षक ने सभी संचालकों को निर्देशित किया कि कार्यक्रमों के आयोजन के समय यातायात व्यवस्था प्रभावित न होने पाए तथा आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मैरिज लॉन संचालकों को अपने परिसर में पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित करने,वाहनों को व्यवस्थित रूप से पार्क कराने हेतु वालंटियर/मार्शल की तैनाती करने तथा सड़क पर अव्यवस्थित वाहन खड़े न होने देने के निर्देश दिए गए। साथ ही चेतावनी दी गई कि निर्देशों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत विधिक कार्यवाही की जाएगी।

डीजे संचालकों को निर्धारित ध्वनि सीमा का कड़ाई से पालन करने,रात्रि 10:00 बजे के बाद लाउडस्पीकर का प्रयोग न करने तथा लेजर लाइटों का प्रयोग न करने के निर्देश दिए गए। बताया गया कि लेजर लाइट सड़क पर आने-जाने वाले वाहन चालकों की दृश्यता को प्रभावित कर दुर्घटनाओं का कारण बन सकती है।नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर डीजे उपकरण जब्त करते हुए विधिक कार्यवाही की जाएगी।बैंड संचालकों को निर्देशित किया गया कि बारात जुलूस सड़क के 1/3 हिस्से से अधिक स्थान घेरकर न चले तथा यातायात सुचारु बनाए रखने हेतु वालंटियरों की व्यवस्था करें।सड़क पर बारात के कारण जाम अथवा यातायात बाधित होने की स्थिति में संबंधित बैंड संचालक की जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए आवश्यक कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक ने सभी संचालकों से अपील किया कि वे शासन द्वारा निर्धारित नियमों एवं निदेशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करें तथा सुरक्षित, व्यवस्थित एवं शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करें।बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक सदर, अनन्त चन्द्रशेखर, अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन, सतीश चन्द्र शुक्ला समस्त क्षेत्राधिकारीगण सहित संबंधित थाना प्रभारी/प्रभारी निरीक्षक तथा बड़ी संख्या में मैरिज लॉन, डीजे एवं बैंड संचालक उपस्थित रहे।

शराब दुकानों की अनियंत्रित बस्तीः नियमों की धज्जियाँ उड़ाती प्रशासनिक लापरवाही

मिर्जापुर, 11 जून (देवव्रत संवाद)। जनपद की गलियों और सार्वजनिक स्थानों पर शराब की दुकानों के आसपास दिन-दहाड़े खुलेआम नशाखोरी का मंजर अब सामान्य होता जा रहा है। निर्जन प्लॉट, सड़क किनारे, खंडहर भवन और खुले मैदान शराबियों के अड्डे बन चुके हैं। यह दृश्य न केवल आबकारी नीति एवं लाइसेंस शर्तों की स्पष्ट अवहेलना है, बल्कि पूरे सामाजिक ताने-बाने को विषाक्त कर रहा है। एक जागरूक नागरिक ने इस ज्वलंत मुद्दे पर जिलाधिकारी को विस्तृत शिकायत पत्र प्रेषित कर तत्काल जांच, अवैध सेवन स्थलों पर छापेमारी और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में आबकारी विभाग की कथित उदासीनता और पुलिस-प्रशासन की लापरवाही को आईना दिखाया गया है।जनता के मन में उठ रहे गंभीर सवालक्या शराब दुकानों को केवल विक्रय की अनुमति है, फिर उनके आसपास अवैध सेवन की खुली व्यवस्था किसकी मिलीभगत से फल-फूल रही है? आबकारी लाइसेंस की शर्तों का पालन कहाँ है? सार्वजनिक स्थानों पर यह अव्यवस्था किसकी निगाहों से बच रही है? नियमित निरीक्षण और निगरानी का दायित्व निभाने वाले अधिकारी कहाँ हैं?नियमों की सच्चाई बनाम जमीनी हकीकतउत्तर प्रदेश आबकारी नीति के स्पष्ट प्रावधानों के अनुसार, अधिकांश शराब दुकानों को ऑफ-प्रिमाइसेस (बाहर ले जाने के लिए बिक्री) की ही अनुमति है। परिसर के बाहर, सड़क किनारे या सार्वजनिक स्थानों पर सेवन पूर्णतः निषिद्ध है।लाइसेंसधारक को अपने आसपास अव्यवस्था रोकने की जिम्मेदारी दी गई है। सबसे महत्वपूर्ण – दूरी संबंधी मानकः स्कूल, कॉलेज, पूजा स्थल और मुख्य बस स्टैंड के मुख्य द्वार से न्यूनतम 150 मीटर की दूरी अनिवार्य है। शहरी क्षेत्रों में कुछ मामलों में छूट के साथ 75 मीटर तक संभव है, परंतु इसके लिए उच्चाधिकारियों की लिखित अनुमति आवश्यक है।मिजार्पुर एक दुखद मिसाल बनकर उभराजनपद के नागरिकों ने एक चौंकाने वाला उदाहरण दिया है। सरकारी रोडवेज बस अड्डे के ठीक समीप एक तरफ पुलिस भूथ है, उसके बगल में हनुमान मंदिर स्थित है। मंदिर और पुलिस भूथ से मात्र 60 मीटर की दूरी पर एक सरकारी देशी बियर/शराब की दुकान संचालित हो रही है। सड़क पार रोडवेज बस अड्डे की बाउंड्री शुरू हो जाती है। नागरिक पूछ रहे हैं – 150 मीटर का मानक कहाँ रहा? इतनी संवेदनशील जगह – बस स्टैंड, पुलिस भूथ और मंदिर के समीप दुकान को अनुमति किसने और कैसे प्रदान की? क्या दूरी का सत्यापन किया गया था या लापरवाही बरती गई? सूत्रों का कहना है कि कई लाइसेंस मोटी रकम देकर पास कराए गए हैं ।

और स्थल वेरिफिकेशन में भी गंभीर अनियमितताएं हुई हैं।व्यापक जांच की मांगशिकायतकर्ता ने जोर देकर कहा है कि यदि शहर की समस्त शराब दुकानों का मानक अनुरूप सत्यापन किया जाए तो कई दुकानों के लाइसेंस गलत तरीके से दिए गए या दुकानें नियमों के अनुरूप स्थापित नहीं पाई जाएंगी। विभागीय लापरवाही और संभावित भ्रष्टाचार की आशंका जताते हुए उन्होंने पूरे जनपद में विशेष अभियान चलाने की अपील की है।जनहित में की गई मांगेंनागरिक ने जिलाधिकारी से आग्रह किया है किःसमस्त शराब दुकानों का तत्काल विशेष निरीक्षण कराया जाए।अवैध सेवन स्थलों को चिन्हित कर बंद किया जाए।

बाजार से लौट रहे युवक पर हमला, तीन आरोपियों पर मुकदमा

गोपीगंज, 11 जून (देवव्रत संवाद)। थाना क्षेत्र के ग्राम घाटमपुर (भोपतपट्टी) में बाजार से घर लौट रहे एक युवक पर कथित रूप से राड, डंडे और लात-घूंसों से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम घाटमपुर (भोपतपट्टी) निवासी जीतू कुमार पासी पुत्र प्यारे लाल ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि उनका भाई दीपक उर्फ बंडल सरोज 9 जून 2026 की रात लगभग 9 बजे बाजार से घर लौट रहा था। इसी दौरान भोपतपट्टी नहर पुलिया के पास गांव के ही टोनू सरोज, राजन सरोज पुत्रगण पप्पू सरोज तथा चन्दन उर्फ बंटी पुत्र बब्बू सरोज ने उसे रोक लिया और कथित रूप से गाली-गलौज करते हुए राड, डंडे, लात और जूतों से मारपीट करने लगे।आरोप है कि मारपीट में दीपक के सिर और गर्दन में गंभीर चोटें आईं। शोर सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने बीच-बचाव किया, जिसके बाद आरोपी जान-माल की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

ग्राम पंचायतों में विशेष जनसंपर्क व जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पीडीडीयू नगर(चंदौली) , 11 जून (देवव्रत संवाद)। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनपद में चल रहे समेकित जन कल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान के तहत सभी ग्राम पंचायतों में विशेष जनसंपर्क एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।अभियान के अंतर्गत ग्राम सभाओं की बैठकें आयोजित कर मलिन बस्तियों में संवाद स्थापित किया गया तथाह्वसरकार आपके द्वारऌ कार्यक्रम के तहत जन समस्या समाधान शिविर लगाए गए।जिला पंचायत राज अधिकारी अविनाश कुमार ने बताया कि 8 जून से 14 जून तक संचालित इस अभियान के दौरान ग्रामीणों को केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है।मलिन बस्तियों में आयोजित खुली बैठकों में लोगों की समस्याएं सुनी गईं और उनके त्वरित निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया।

अभियान के तहत स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए ग्राम पंचायतों में विशेष सफाई अभियान भी चलाया गया।सर्वाधिक अस्वच्छ सार्वजनिक स्थलों को चिन्हित कर वहां व्यापक सफाई कराई गई।साथ ही ह्वप्लास्टिक मुक्त तालाब अभियानह्वके अंतर्गत तालाबों से प्लास्टिक कचरा हटाकर उनके सौंदर्यीकरण का कार्य कराया गया।इस अभियान के दौरान लगभग 2086 किलोग्राम से अधिक प्लास्टिक अपशिष्ट एकत्रित किया गया, जिसका समुचित निस्तारण सुनिश्चित कराया गया। प्रशासन का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता, जन-जागरूकता और जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच को और प्रभावी बनाना है।

मीरजापुर में बाढ से निपटने को किया गया मॉक अभ्यास कल

मिर्जापुर, 11 जून (देवव्रत संवाद)। जिलाधिकारी श्री पवन कुमार गंगवार के निर्देशन में एवं अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) श्री विनोद कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आज जनपद कि बाढ़ के प्रति दो संवेदनशील तहसीलों (सदर एवं चुनार) में समस्त सम्बंधित विभागों द्वारा बाढ़ प्रबंधन के अंतर्गत राज्य स्तरीय मॉक अभ्यास किया गया। इस राज्य स्तरीय मॉक अभ्यास को उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वार उत्तर प्रदेश के बाढ़ के प्रति संवेदनशील कुल 44 जनपदों कि संबंधित 118 तहसीलों में एक समय पर किया गया है।जनपद मीरजापुर में तहसील सदर में गंगा नदी में जलस्तर वृद्धि के दौरान नौका पलट जाने एवं तहसील चुनार में डूबने कि रोकथाम विषयक मॉक अभ्यास किया गया। इस मॉक अभ्यास में सर्वप्रथम अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०) के द्वारा इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर के माध्यम से सूचना प्रसारित करवाते हुए मॉक अभ्यास को प्रारंभ किया गया जिसमें कि सुबह 9 बजे इमरजेंसी आपरेशन सेंटर (ईओसी) को नार घाट, तहसील सदर में गंगा नदी में नाव पलट जाने के कारण 8 लोगों के डूबने एवं तहसील चुनार में जलस्तर वृद्धि के दौरान नहाने गये 4 लोगों के डूबने कि खबर को तहसील स्तर तक प्रसारित किया जाता है। इस पर तत्काल ई0ओ0सी से प्राप्त सूचना के क्रम में उपजिलाधिकार सदर श्री महेंद्र सिंह एवं उपजिलाधिकारी चुनार श्री राजेश कुमार वर्मा द्वारा पुलिस कन्ट्रोल रूम को वायरलेस से सूचित करवाते हुए अन्य विभाग (स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग, पशुपालन विभाग) के अधिकारियों को अलर्ट किया जाता है एवं मॉक स्थल पर उपस्थित रहते हुए सकुशल मॉक अभ्यास को पूर्ण कराया गया ' इसके अलावा मॉक अभ्यास स्थल पर बाढ़ प्रभावित इलाकों में दवा वितरण या कीटनाशक दवाओं का छिड़काव करने से लेकर लोगों के स्वास्थ्य व पशुओं का भी ख्याल रखने के तरीकों के बारे में बताया गया। इस मॉक अभ्यास में कुल 06 नावों के माध्यम से बचाव कार्य का प्रदर्शन दोनों तहसीलों में किया गया एवं बचाव किये गए लोगों का स्टेजिंग एरिया पर मौजूद मेडिकल टीम के द्वारा जांच कराते हुए स्थलीय मॉक अभ्यास को पूर्ण किया गया `एस0डी0आर0एफ द्वारा तहसील सदर में नाव दुर्घटना से कुछ लोगों को बचाने के संबंध में मॉक अभ्यास किया गया ।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण के सदस्य ने की पर्यावरण संरक्षण कार्यों की समीक्षा

भदोही , 11 जून (देवव्रत संवाद)। ऌमाननीय न्यायमूर्ति डॉ. अफरोज अहमद, सदस्य, राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एन.जी.टी.), प्रधान न्यायपीठ, नई दिल्ली की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार, भदोही में पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन एवं हरित विकास से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी शैलेष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान माननीय न्यायमूर्ति डॉ. अफरोज अहमद ने सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) से उपचारित जल का उपयोग पार्कों, उद्यानों एवं कृषि कार्यों में सिंचाई हेतु सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भूजल स्तर को बनाए रखना समय की आवश्यकता है तथा औद्योगिक क्षेत्रों में भूजल की गुणवत्ता की नियमित जांच कराई जाए। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को समय-समय पर पानी के नमूनों की जांच कराने के निर्देश दिए गए।

समीक्षा के दौरान माननीय न्यायमूर्ति ने कहा कि जिलाधिकारी द्वारा बैठक का सुव्यवस्थित आयोजन किया गया है तथा पिछली बैठक की तुलना में विभिन्न पर्यावरणीय कार्यों में उल्लेखनीय प्रगति दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि जनपद प्रशासन द्वारा किए गए कार्य सराहनीय हैं और उनमें सकारात्मक परिणाम परिलक्षित हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ऌपर्यावरण हमारी अमूल्य विरासत है। इसके संरक्षण एवं संवर्धन के लिए हम सभी को प्रतिबद्ध होकर कार्य करना होगा।ऌ उन्होंने भदोही जनपद में पर्यावरण संरक्षण एवं जलाशयों के पुनर्जीवन के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए जिलाधिकारी शैलेष कुमार को बधाई दी।

माननीय न्यायमूर्ति ने कहा कि लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में किसानों को अपने खेतों की मेड़ों पर अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि पूर्व की अपेक्षा नदियों, जंगलों एवं प्राकृतिक संसाधनों में कमी आई है, जिसके संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।बैठक में उपस्थित अधिशासी अधिकारियों, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायतों तथा जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया गया कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों को प्लास्टिक मुक्त बनाने हेतु विशेष अभियान चलाया जाए। आमजन को सिंगल यूज प्लास्टिक से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाए तथा कपड़े एवं अन्य पर्यावरण अनुकूल थैलों के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए।

माननीय न्यायमूर्ति ने जिलाधिकारी के प्रयासों से संचालित समधा ताल पुनर्जीवन एवं संरक्षण कार्ययोजना की विशेष रूप से प्रशंसा की और इसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक सराहनीय पहल बताया। साथ ही उन्होंने जनपद प्रशासन एवं पुलिस विभाग के मध्य बेहतर समन्वय, सुव्यवस्थित कार्यप्रणाली तथा पर्यावरणीय विषयों पर गंभीरता से किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, वृक्षारोपण, प्लास्टिक उन्मूलन एवं हरित विकास से संबंधित कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार महिला की मौत

पीडीडीयू नगर(चंदौली) , 11 जून (देवव्रत संवाद)। मुगलसराय कोतवाली थाना अंतर्गत दुल्हीपुर क्षेत्र में बुधवार की देर रात बाइक पर जा रहे पति-पत्नी हुए सड़क हादसा के शिकार जिसमें पत्नी की हुई मौत वह पति को आई चोटें प्राप्त जानकारी के अनुसार रुबीना बेगम लगभग 35 वर्षीय अपने पति शाहिद मोहम्मद वाराणसी निवासी के साथ मोटरसाइकिल से मुगलसराय से वाराणसी लौट रही थी तभी दुल्हीपुर के समीप तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से रुबीना बेगम की दवाकर मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।उक्त घटना के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया घटना की सूचना लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेने के पश्चात अग्रिम कार्रवाई करने में जुट गई।

औषधियों को पुनःनियमानुसार सुरक्षित एवं उपयुक्त स्थान पर व्यवस्थित कर दिया गया है- रितेश कुमार

पीडीडीयू नगर(चंदौली) , 11 जून (देवव्रत संवाद)।चिकित्साधिकारी चाहनियां रितेश कुमार द्वारा अवगत कराया गया है कि उक्त घटना के एक दिन पूर्व आरबीएसके कार्यालय के बगल स्थित कक्ष जिसमें औषधियों का भंडारण किया गया था जिसमें सांप दिखाई देने की सूचना प्राप्त हुई थी।कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा कक्ष की समुचित साफ-सफाई एवं आवश्यक कीट/सर्प नियंत्रण व्यवस्था कराने के उद्देश्य से औषधियों को अस्थायी रूप से कक्ष के बाहर सुरक्षित स्थान पर रखा गया था।कक्ष की साफ-सफाई, निरीक्षण एवं आवश्यक व्यवस्थाएं पूर्ण होने के उपरांत समस्त औषधियों को पुनःनियमानुसार सुरक्षित एवं उपयुक्त स्थान पर व्यवस्थित कर दिया गया है। वर्तमान में सभी औषधियां निर्धारित भंडारण मानकों के अनुरूप सुरक्षित रूप से संरक्षित है तथा उनके रख-रखाव में किसी प्रकार की अनियमितता नहीं है।

ई-कॉमर्स पर कीटनाशक बिक्री के लिए नए नियम ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर व्यापार हेतु निर्देश

पीडीडीयू नगर(चंदौली) , 11 जून (देवव्रत संवाद)।प्रभारी जिला कृषि रक्षा अधिकारी विनोद कुमार यादव ने जनपद के सभी कीटनाशी विक्रेताओं को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर कीटनाशकों की बिक्री के संबंध में नए निर्देश जारी किए हैं।इन निदेशों के अनुसार, विक्रेताओं को अमेजन,फ्लिपकार्ट, मीशो और जियोमार्ट जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर व्यापार करने के लिए निर्धारित नियमों का पालन करना होगा।ये निर्देश भारत सरकार की अधिसूचना सा.का.नि.846(अ) दिनांक 24 नवंबर 2022 पर आधारित हैं।यह अधिसूचना कीटनाशी नियमावली 1971 के नियम 10(ई)(ई-वाणिज्य इकाई के माध्यम से कीटनाशी का विक्रय) के तहत जारी की गई है।इसके तहत, लाइसेंसधारी विक्रेता अपनी लाइसेंस अवधि के दौरान ई-कॉमर्स इकाई के माध्यम से किसानों के घर तक कीटनाशकों की आपूर्ति कर सकते हैं।हालांकि ऐसा करते समय लाइसेंसधारी को कीटनाशी अधिनियम और उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों के सभी प्रावधानों का पालन करना अनिवार्य होगा। अधिकारी ने चेतावनी दी है कि यदि किसी विक्रेता द्वारा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपंजीकृत, खतरनाक कीटनाशकों, खरपतवारनाशकों या अन्य कृषि रक्षा रसायनों की अवैध बिक्री करते हुए पाया जाता है,तो उस पर कीटनाशी अधिनियम 1968 और नियम 1971 की संबंधित धाराओं के तहत कठोरतम कार्रवाई की जाएगी।

मण्डलायुक्त की सह अध्यक्षता में बाढ़ नियंत्रण समिति की अर्न्तराज्यीय बैठक कर की गई चर्चा

मिर्जापुर, 11 जून (देवव्रत संवाद)। उत्तर प्रदेश जनपद के मीरजापुर सोनभद्र व मध्य प्रदेश के रीवा व मऊगंज के जनपदो में वर्षा के दिनो बाढ़ से लोगो की जान माल बचाने व बाढ़ नियंत्रण व बचाव के दृष्टिगत अष्टभुजा निरीक्षण गृह मे विन्ध्याचल मण्डल राजेश प्रकाश एवं रीवा मण्डल के मण्डलायुक्त बी0एस0 जामोद की सह अध्यक्षता में संयुक्त बाढ़ नियंत्रण समिति की अर्न्तराज्यीय बैठक आहूत की गई। बैठक में रीवा मण्डल आई0जी0, उप पुलिस महानिरीक्षक विन्ध्याचल पूनम के अलावा जिलाधिकारी मीरजापुर पवन कुमार गंगवार, जिलाधिकारी मऊगंज, पुलिस अधीक्षक मीरजापुर अपर्णा रजक कौशिक व पुलिस अधीक्षक मऊगंज, अपर आयुक्त राज कुमार द्विवेदी, मुख्य अभियंता सिंचाई मीरजापुर सिद्धार्थ कुमार व सिंचाई विभाग दोनो मण्डलो के अधिकारी उपस्थित रहें। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक सोनभद्र जूम के माध्यम से बैठक में सहभागिता की। बैठक में अदवा, सिरसी व मेजा जलाशय वर्षा काल में छोड़े जाने वाले पानी पर चर्चा की गई। मण्डलायुक्त रीवा मण्डल ने बताया कि टोन्स व बेलन नदी पर स्थित रीवा जनपद की त्यौधर तहसील के कई क्षेत्र बाढ़ से प्रभावित होते है। उन्होंने विभाग विन्ध्याचल मण्डल के अधिकारियो से कहा कि अदवा व मेजा बांध से पानी छोड़ने के पूर्व व्हाट्सएप व टेलीफोन के जरिए मध्य प्रदेश के अधिकारियो को सूचना अवश्य दे तथा अधिकतम 80 क्यूसेक अधिक पानी न छोड़ा जाए। पुलिस महानिरीक्षक रीवा मण्डल ने कहा कि सूचनाओ का आदान प्रदान आपस में समन्वय स्थापित कर समय से किया जाए तथा मेजा व अदवा बांध पूरा भरने में जब दो मीटर पानी नीचे रहे तभी धीरे-धीरे पानी छोड़ा जाए तो बाढ़ की स्थिति उत्पन्न नही होगी तथा विकट परिस्थितियो के लिए तैयारियां भी की जा सकेंगी। बैठक में मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल ने कहा गया कि दोनो राज्यो के सिंचाई एवं जल संशाधन विभाग के अधिकारी एक दूसरे के कंट्रोल रूम नम्बर से निरंतर सम्पर्क मे रहे तथा मीरजापुर में स्थापित वर्षा मापी केन्द्रो से लगातार वर्षा की स्थिति साझा किया जाए। उन्होंने कहा कि बांधो को अधिकतम भराव क्षमता पर न रखकर भारी वर्षा के लिए पर्याप्त खाली जगह बनाई रखी जाए। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित एरिया को सुरक्षित रखना व जनहानि को बचाना इस बैठक का उद्देश्य है।

सर्वाधिक युवाओं को रोजगार दे रही सरकार

जौनपुर, 11 जून (देवव्रत संवाद)। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर गुरुवार को उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन द्वारा प्रशिक्षण प्रदाता उद्योग विकास संस्थान के मियांपुर प्रशिक्षण केंद्र पर कौशल प्रदर्शनी एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि संदीप सिंह ने कहा कि केंद्र कि मोदी सरकार ने पिछले 12वर्षों मे आजादी के बाद से सर्वाधिक युवाओं को रोजगार से जोड़ने का कार्य किया हैं, वर्तमान मे मोदी चुने गए प्रधानमंत्री के रूप मे सर्वाधिक समय तक कार्य करने वाले प्रधानमंत्री बन गए है। विशिष्ट अतिथि राजेश मौर्य ने छात्राओं को वर्तमान परिवेश मे हुनरमंद होने कि जरूरत के बारे मे बताया.एमआईएस मैनेजर अनूप पांडे ने यूपीएसडीएम के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के बारे मे बताया.उद्योग विकास संस्थान के प्रोजेक्ट हेड राजीव पाठक ने छात्राओं को कौशल विकास मिशन के कोर्स पूरा करने पर मिलने वाले सर्टिफिकेट के लाभ के बारे मे बताया.इस अवसर पर यूपीएसडीएम से सुरेंद्र सिंह, गौरव श्रीवास्तव सौरभ पाण्डेय अजय दीक्षित आदित्य साहू सैयद मेहंदी अब्बास व अनुज पटेल समेत कौशल विकास के छात्राएं उपस्थित रहे।

पत्नी की प्रताड़ना से युवक जहर खाया, मौत

जौनपुर, 11 जून (देवव्रत संवाद)। शहर कोतवाली क्षेत्र के हनुमान घाट मोहल्ले से मानसिक प्रताड़ना से ऊबे युवक द्वारा आत्मघाती कदम उठाने की घटना सामने आई है। पारिवारिक कलह और मानसिक प्रताड़ना से परेशान एक युवक ने कथित रूप से जहर पीकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। आत्महत्या से पहले युवक द्वारा बनाया गया एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उसने अपनी पत्नी, साली और सास पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मृतक 27 वर्षीय वासु सेठ उर्फ रमन पुत्र महेश सेठ, निवासी हनुमान घाट, थाना कोतवाली, की उसकी शादी लगभग आठ वर्ष पूर्व भदोही जनपद के नवघन ऊज गांव में हुई थी। दंपति के तीन छोटे-छोटे बच्चे हैं, जिनके सिर से अब पिता का साया उठ गया है। वायरल वीडियो में युवक बेहद भावुक और टूटे हुए मन से अपनी पीड़ा व्यक्त करता दिखाई दे रहा है। उसने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी, साली, साले द्वारा लंबे समय से उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था, जिसके कारण वह यह कठोर कदम उठाने को मजबूर हुआ।

डम्फर ने पालतू कुत्ते को कुचला, मालिक बचे

जौनपुर, 11 जून (देवव्रत संवाद)। जलालपुर क्षेत्र के शिवपुर नहर की पुलिया के समीप सैदपुर गांव के पास गुरुवार की सुबह मोर्निंग वाक पर निकले दो व्यक्ति तेज रफ्तार डम्फर की चपेट में आने से बाल बाल बच गए। हालांकि उनके साथ चल रहे उनके कुत्ते को डम्फर ने कुचल दिया।वह मर गया। क्षेत्र के शिवपुर गांव निवासी रामायण सिंह तथा अनिरुद्ध सिंह उर्फ मखन्चु बेलाव कबुलपुर मार्ग पर मॉर्निंग वॉक कर रहे थे।उनके साथ उनका पालतू कुत्ता भी था।वह दोनो लोग जब उक्त गांव के पास पहुंचे थे कि बेलाव की तरफ से काफी तेज रफ्तार से एक मिट्टी लदा डम्फर आया।डम्फर ने उन लोगो से कुछ दूर चल रहे कुत्ते को कुचल दिया।जिसके बाद वह असन्तुलित हो गया।यह देखकर रामायण सिंह तथा अनिरुध्द सिंह उर्फ मखन्चु सिंह सड़क छोड़ कर खेत की तरफ भागकर जान बचाये।घटना के बाद डम्फर को स्थानीय लोगो ने रोक लिया।घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंच गयी। थानाध्यक्ष जलालपुर प्रशांत सिंह मौके पर पहुंचकर डम्फर तथा चालक को हिरासत में लेकर थाने ले गए।

एनसीएल ने नारी सशक्तिकरण विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया आयोजन

महिलाएं रूढ़िवादी सोच से ऊपर उठकर अपनी पहचान स्वयं बनाएं : सविता प्रधान

सोनभद्र, 11 जून (देवव्रत संवाद)। सफलता का वास्तविक सौंदर्य व्यक्ति की मेहनत, लगन और उपलब्धियों में निहित होता है। महिलाओं को समाज द्वारा बनाई गई रूढ़िवादी धारणाओं से ऊपर उठकर अपनी पहचान स्वयं गढ़नी चाहिए।₹ यह विचार नगर निगम आयुक्त, सिंगरौली, श्रीमती सविता प्रधान ने गुरुवार को नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) द्वारा सीईटीआई, सिंगरौली में आयोजित ह्लनारी सशक्तिकरणह्व विषय पर आयोजित विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्यक्त किए।

इसके साथ ही उन्होंने महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य निर्धारित करने और अपने जीवन के निर्णय स्वयं लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं को समाज द्वारा निर्धारित सीमाओं और रूढ़िवादी सोच से ऊपर उठकर अपनी पहचान स्वयं बनानी चाहिए। उन्होंने महिलाओं को अपने विचारों और सपनों के प्रति दृढ़ रहने की सलाह दी एवं समाज में प्रचलित रूढ़ियों को स्टीरियोटाइप बताते हुए महिलाओं से अपनी क्षमताओं पर विश्वास रखने का आह्वान किया।

इस अवसर पर महाप्रबंधक (मानव संसाधन), श्री राजेश त्रिवेदी, महाप्रबंधक (मानव संसाधन/ ईई), श्री प्रमोद कुमार सिन्हा, महाप्रबंधक, (सिंगरौली पुनर्स्थापन सेल), श्री निरंजन रुकमंगद, महाप्रबंधक (प्रशासन), श्री संजय सिन्हा, महाप्रबंधक (एचआरडी), श्री राजन मेक, अन्य वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी तथा एनसीएल की सभी परियोजना और इकाइयों से महिला कर्मी उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में डॉ. आर.डी. पाण्डेय, आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सक तथा अध्यक्ष, बाल कल्याण समिति (न्यायपीठ), सिंगरौली ने रामचरितमानस के विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से नारी शक्ति एवं उसके महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने महिलाओं की सामाजिक एवं पारिवारिक भूमिका को रेखांकित करते हुए आत्मबल, धैर्य और सकारात्मक सोच के महत्व को समझाया। इस दौरान उन्होंने योग, ध्यान और संतुलित जीवनशैली के लाभों पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही उपस्थित प्रतिभागियों को स्वस्थ खान-पान, फाइबर, विटामिन एवं कैल्शियम युक्त आहार के महत्व की जानकारी दी। सत्र के अंत में उन्होंने सभी प्रतिभागियों को ध्यान एवं योगाभ्यास भी करवाया

कार्यक्रम के अंत में श्रीमती अनुषा चेपुरी, वरिष्ठ प्रबंधक (मानव संसाधन) ने कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध एवं निवारण) अधिनियम, 2013 (पॉश एक्ट) के विभिन्न प्रावधानों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने महिला कर्मचारियों को उनके अधिकारों, शिकायत निवारण प्रक्रिया तथा सुरक्षित कार्यस्थल के महत्व के बारे में जागरूक किया।

कैलाश एजेंसी के गोदाम में भीषण आग, करोड़ों के नुकसान की आशंका

सिंगरोली, 11 जून (देवव्रत संवाद)। जिले के सरई तहसील अंतर्गत निवास क्षेत्र में स्थित कैलाश बजाज एजेंसी के मोटरसाइकिल गोदाम में मंगलवार रात भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग की चपेट में आने से गोदाम में खड़ी कई नई मोटरसाइकिलें जलकर खाक हो गईं। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार इस घटना में करोड़ों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के समीप सीधी-सरई मुख्य मार्ग पर स्थित एजेंसी के गोदाम से रात करीब 8 से 9 बजे के बीच धुआं उठता दिखाई दिया। धुआं निकलता देख आसपास के लोगों ने तत्काल इसकी सूचना गोदाम संचालकों और पुलिस को दी। जब शटर खोलकर देखा गया तो अंदर आग तेजी से फैल चुकी थी और मोटरसाइकिलें उसकी चपेट में आ रही थीं।

घटना की सूचना मिलते ही निगरी पुलिस मौके पर पहुंची और जेपी कंपनी की फायर ब्रिगेड को बुलाया गया। दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक कई वाहन पूरी तरह जल चुके थे।

आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल सका है। हालांकि प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका व्यक्त की जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आग लगने के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है।

घटना के बाद क्षेत्र में लोगों की भारी भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने समय पर फायर ब्रिगेड पहुंचने से आग को आसपास की दुकानों और भवनों तक फैलने से रोकने के लिए राहत की बात कही है।

जमीन विवाद में महिला से मारपीट, ट्रैक्टर चढ़ाने का प्रयास करने का आरोप

सिंगरौली, 11 जून (देवव्रत संवाद)। जिले के माड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत रंपा में जमीन के पुराने विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद और मारपीट का मामला सामने आया है। घटना गुरुवार दोपहर की बताई जा रही है, जहां एक महिला के साथ लाठी-डंडों से मारपीट किए जाने तथा उसकी जमीन पर जबरन कब्जा करने का आरोप लगाया गया है। पीड़िता अनीता देवी ने आरोप लगाया है कि जमीन विवाद को लेकर शिवेंद्र कुमार शाह, देवेंद्र कुमार शाह, राघवेंद्र शाह, आरती शाह, राजाराम शाह सहित छह से अधिक लोग लाठी-डंडे लेकर मौके पर पहुंचे और उनके साथ मारपीट की। महिला का कहना है कि आरोपित ट्रैक्टर लेकर आए थे और विरोध करने पर उनके ऊपर ट्रैक्टर चढ़ाने का प्रयास किया गया। इसके बाद आरोपितों ने धमकी देते हुए करीब एक एकड़ से अधिक कृषि भूमि को ट्रैक्टर से जोत दिया। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए प्रशासन से आरोपितों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों के बीच घटना को लेकर काफी चर्चा है और इसका वीडियो भी सामने आने की बात कही जा रही है।

खनिज नियमों का उल्लंघन करने वाले दो गिट्टी क्रशर और खदानें सील, ई-ट्रांजिट पास बंद होने के बाद भी चल रहा था अवैध खेल

सिंगरोली, 11 जून (देवव्रत संवाद)। सिंगरोली जिले के चितरंगी क्षेत्र में अवैध खनन और नियमों की अनदेखी करने वाले संचालकों के खिलाफ प्रशासन ने एक बड़ी और सख्त कार्रवाई की है। खनिज नियमों के खुले उल्लंघन के आरोप में जिला प्रशासन और खनिज विभाग की टीम ने गुरुवार को दो गिट्टी क्रशर और उनसे संबंधित खदानों को आगामी आदेश तक पूरी तरह सील (बंद) कर दिया है। यह कार्रवाई क्षेत्र के बड़कुड और पिपरवान में संचालित इकाइयों पर की गई है। जानकारी के अनुसार, कुछ समय पहले चितरंगी तहसीलदार, खनिज विभाग और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की एक संयुक्त टीम ने संबंधित खदानों और क्रशर इकाइयों का औचक निरीक्षण किया था। जांच के दौरान मौके पर भारी अनियमितताएं और नियमों का उल्लंघन पाया गया था। इसके बाद संयुक्त टीम ने विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर जिला प्रशासन को सौंपी थी। जांच रिपोर्ट को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर कार्यालय ने संबंधित संचालकों को 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया था। साथ ही, उनकी ईटीपी (ई-ट्रांजिट पास) व्यवस्था को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया था, ताकि वे किसी भी तरह का परिवहन न कर सकें और प्रशासन ने निर्धारित समय में जवाब भी मांगा था। प्रशासन द्वारा ईटीपी पास बंद किए जाने और नोटिस दिए जाने के बावजूद खदान और क्रशर संचालक बाज नहीं आए। प्रशासन को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि नियमों को ताक पर रखकर प्रतिबंधित इकाइयों का संचालन चोरी-छिपे धड़ल्ले से जारी है। इसे नियमों का घोर उल्लंघन मानते हुए खनिज विभाग ने धरातल पर उतरकर सख्त एक्शन लेने का निर्णय लिया। जांच में सामने आई गंभीर कमियों के आधार पर इन संचालकों को पहले ही नोटिस दिया गया था और उनकी ईटीपी व्यवस्था रोक दी गई थी। इसके बावजूद संचालन जारी रखने की शिकायतें मिलीं, जो पूरी तरह नियमों का उल्लंघन है। मौके पर आवश्यक दस्तावेजी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है और खनिज नियमों के तहत आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।₹ प्रशासन की इस अचानक और बड़ी कार्रवाई से क्षेत्र के अन्य अवैध खनन माफियाओं और क्रशर संचालकों में हड़कंप मच गया है। अधिकारियों का मानना है कि इस सख्त कदम से क्षेत्र में चल रहीं अन्य खदानों और क्रशर संचालकों को भी कड़ा संदेश जाएगा कि वे खनिज और पर्यावरणीय नियमों का कड़ाई से पालन करें। फिलहाल, दोनों इकाइयां पूरी तरह सील हैं और खनिज विभाग मामले की आगे की जांच कर रहा है। जिला प्रशासन ने साफ कर दिया है कि जिले में अवैध खनन और नियमों के उल्लंघन के खिलाफ ऐसी सख्त कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

गाजीपुर मेडिकल कालेज में धर्मांतरण रोकथाम सेल का होगा गठन- डा. आनंद मिश्रा

गाजीपुर, 11 जून (देवव्रत संवाद)। महर्षि विश्वामित्र स्वशासीय मेडिकल कालेज में धर्मांतरण रोकथाम सेल गठन किया जायेगा। इस संदर्भ में मेडिकल कालेज गाजीपुर के प्रिंसिपल प्रोफेसर डा. आनंद मिश्रा ने बताया कि उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के आदेश सभी सरकारी और निजी मेडिकल कालेज और डेंटल कालेजों में धर्मांतरण रोकथाम सेल का गठन किया जाये। इस सेल का प्रमुख कार्य और उद्देश्यः जागरूकताः यह सेल छात्रों, रेजिडेंट डॉक्टरों, संकाय सदस्यों (फैकल्टी) और कर्मचारियों के बीच धर्म परिवर्तन से जुड़े कानूनी प्रावधानों, व्यक्तिगत अधिकारों और संस्थागत जिम्मेदारियों पर जागरूकता अभियान चलाएगा।

करंट से नहीं, लापरवाही से हो रही मौतें-अविनाश कुशवाहा, पूर्व विधायकने बिजली विभाग के विरुद्ध खोला मोर्चा

सोनभद्र, 11 जून (देवव्रत संवाद)। जिले में बिजली विभाग की कथित लापरवाही अब लोगों की जान पर भारी पड़ने लगी है। जर्जर तार, झुके हुए खंभे, खुले बिजली उपकरण और अधिकारियों की उदासीनता के चलते आए दिन हादसे हो रहे हैं, लेकिन विभाग चेतने को तैयार नहीं है। ताजा मामला कोन क्षेत्र के पड़रछ गांव का है, जहां नीचे लटक रहे 11 हजार वोल्ट के तार की चपेट में आने से 15 वर्षीय किशोर संदीप की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों पड़ा और भारी दबाव के बाद संबंधित जेई व खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा ने प्रेस वार्ता कर बिजली विभाग पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि जिले में विद्युत विभाग की लापरवाही लगातार लोगों की जान ले रही है, लेकिन हर हादसे के बाद केवल जांच और कार्रवाई का आश्वासन देकर मामला दबा दिया जाता है। उन्होंने कहा कि गरीबों और किसानों से बिजली बिल वसूलने में विभाग बेहद सक्रिय रहता है, लेकिन जब जनता जर्जर तारों, टूटे खंभों और बिजली संबंधी खतरों की शिकायत करती है तो अधिकारी आंखें मूंद लेते हैं। परिणामस्वरूप मासूम बच्चों, महिलाओं और संविदा कर्मियों को अपनी जान गंवानी पड़ रही है। पूर्व सदर विधायक अविनाश कुशवाहा ने बताया कि 6 जून को पड़रछ गांव के ग्रामीणों ने समाधान दिवस में नीचे लटक रहे 11 हजार वोल्ट के तार को लेकर शिकायत दर्ज कराई थी। अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए, लेकिन विभाग ने कोई कदम नहीं उठाया। नतीजा यह

हुआ कि 9 जून को किशोर संदीप पुत्र रामआसरे करंट की गया और उसकी मौत हो गई। घटना के बाद सपा कार्यकताओं के आक्रोश को देखते हुए संबंधित अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करना पड़ा।

मौसम ने ली करवट, झमाझम बारिश से किसानों के चेहरे खिले

भांवरकोल/गाजीपुर, 11 जून (देवव्रत संवाद)। गुरुवार को मौसम के अचानक बदले मिजाज के चलते सुबह में ही रुक-रुक कर बारिश होती रही। लंबे समय से पड़ रही भीषण गर्मी और उमस से लोगों को काफी राहत मिली तथा मौसम सुहावना हो गया। वहीं इस बारिश ने किसानों के लिए भी उम्मीदों की नई किरण जगाई है। किसानों के अनुसार यह वर्षा खरीफ फसलों के लिए बेहद लाभकारी साबित होगी।

जियावान में अल्ट्राटेक सीमेंट से भरा तेज रफ्तार ट्रेलर पलटा

सिंगरोली, 11 जून (देवव्रत संवाद)। जिले के जियावान थाना इलाके में गुरुवार दोपहर एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। यहाँ हथिओदरा-चौराडाड़ जंगल रास्ते पर अल्ट्राटेक सीमेंट से भरा एक तेज रफ्तार ट्रेलर अचानक बेकाबू होकर पलट गया। हादसा इतना भीषण था कि वाहन का ड्राइवर गाड़ी के अंदर ही पिचके हुए केबिन में बुरी तरह फंस गया। यह घटना गुरुवार दोपहर करीब 2 बजे की है। वहां से गुजर रहे राहगीरों ने जब पलटे हुए ट्रेलर को देखा, तो वे तुरंत मदद के लिए दौड़े और ड्राइवर को बाहर निकालने की कोशिश में जुट गए। साथ ही स्थानीय लोगों ने फौरन पुलिस को भी इसकी जानकारी दी। सूचना मिलते ही डायल-112 और जियावान थाना पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई। ड्राइवर के अंदर फंसे होने के कारण युद्ध स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से ट्रैक्टर और दूसरे औजारों का इस्तेमाल कर ट्रेलर के पिचके हुए दरवाजे को तोड़ा। इसके बाद ट्रैक्टर में मजबूत रस्सी बांधकर केबिन के हिस्से को खींचा गया, तब कहीं जाकर ड्राइवर को सुरक्षित बाहर निकाला जा सका।

250 एकड़ सरकारी जमीन पर फर्जी पट्टे का आरोप

सिंगरोली, 11 जून (देवव्रत संवाद)। जिले के चितरंगी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कतरिहार गांव के दर्जनों ग्रामीण गुरुवार को न्याय की गुहार लगाने जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे। ग्रामीणों ने गांव के ही पूर्व सरपंच रामनरेश गुर्जर पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने पद का दुरुपयोग कर 250 एकड़ से अधिक सरकारी जमीन का फर्जी पट्टा अपने परिजनों के नाम करवा लिया है।

ग्रामीणों के अनुसार, पूर्व सरपंच रामनरेश गुर्जर ने अपने दादा रामरूप, माता गोन्ही, बहन राधिका और परिवार के अन्य सदस्यों (गणपत, रामसहाय, भुवाली तथा रामरक्षा गुर्जर) के नाम पर शासकीय भूमि के फर्जी पट्टे तैयार करवाए हैं। ग्रामीणों का दावा है कि इस जमीन पर गोंड, बैगा, अगरिया, गुर्जर, जैसवाल और नाई सहित विभिन्न गरीब समुदायों के लोग पीढ़ियों से खेती कर अपनी जीविका चला रहे हैं।

स्थानीय निवासी यमुना प्रसाद ने बताया:₹ग्रामीण पिछले 10 महीनों से लगातार प्रशासन से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पूर्व में कलेक्टर के निर्देश पर एसडीएम चितरंगी ने इस मामले की जांच की थी और कथित फर्जी पट्टों को निरस्त भी कर दिया था, लेकिन इसके बावजूद राजस्व रिकॉर्ड (भू-अभिलेख) से संबंधित आरोपियों के नाम अभी तक नहीं हटाए गए हैं, जिसका फायदा आरोपी उठा रहे हैं।₹

ग्रामीण भोला ने आरोप लगाया कि कुछ महीने पहले जेल से जमानत पर छूटने के बाद रामनरेश गुर्जर, उनका भाई कमलेश गुर्जर और अन्य परिजन ग्रामीणों को लगातार डरा-धमका रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि आरोपी उन्हें खेतों में फसल काटने से रोक रहे हैं और विरोध करने पर खुलेआम जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। ग्रामीणों के मुताबिक, इस संबंध में स्थानीय थाना और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में कई बार लिखित शिकायतें दर्ज कराई गईं, लेकिन अब तक आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं हुई है। आरोपी खुलेआम पुलिस और प्रशासन पर अपने राजनीतिक प्रभाव की धौंस जमाते हैं।

सीएमओ ने दुद्धी अस्पताल का किया निरीक्षण, आशाओं के मानदेय का भुगतान का दिया निर्देश

दुद्धी, सोनभद्र, 11 जून (देवव्रत संवाद)। स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और धरातल पर उनकी प्रगति जानने के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी रमेश मिश्रा ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुद्धी का गुरुवार को निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने अस्पताल प्रबंधन, आशाओं एवं एएनएम के साथ समीक्षा बैठक की इस दौरान अस्पताल की स्थिति के बारे में जानकारी ली। आयुष्मान कार्ड बनाने में हो रही दिक्कतों को लेकर आशाओं से वार्ता की और प्रगति लाने को कहा वही करीब दो माह से आशाओं के रुके मानदेय को आगामी दो दिनों में भेजने को कहा। बैठक में उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों से सीधे बातचीत कर फील्ड में आ रही उनकी समस्याओं और चुनौतियों को ध्यानपूर्वक सुना और उनके जल्द निस्तारण का भरोसा दिया। सीएमओ ने इस दौरान सामुदायिक स्वस्थ केंद्र के ब्लड बैंक, वार्ड अस्पताल परिसर आदि का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बताया कि बरसात के दिनों भवन की छत से पानी टपकने की जानकारी मिली है इंजिनियर भेज कर इस्टीमेट बनवाकर सही कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि यहां ब्लड बैंक बहुत अच्छा है क्षेत्र में ब्लड कैंसर के मरीज ज्यादा है इसलिए इसे और बेहतर किया जाएगा। उन्होंने मीडिया से वार्ता के दौरान बताया कि क्षेत्र के अवैध अस्पताल संचालकों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। इस दौरान डॉक्टर वरुणनिधि, डॉ विनोद सिंह सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

अमवार रोड से टेढ़ा सम्पर्क मार्ग पर घटिया सड़क निर्माण और मनमाने ब्रेकर से ग्रामीणों में भारी आक्रोश, दुर्घटना की आशंका

दुद्धी /सोनभद्र, 11 जून (देवव्रत संवाद)। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत अमवार रोड से टेढ़ा सम्पर्क मार्ग के मरम्मत कार्य में ठेकेदार की बड़ी लापरवाही और तानाशाही सामने आई है। सड़क निर्माण में न केवल मानकों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, बल्कि नियमों को ताक पर रखकर अमवार रोड से दिघुल गाँव तक ही मनमाने ढंग से खतरनाक स्पीड ब्रेकर भी बनाए जा रहे हैं। लोक निर्माण विभाग (ढहऊ) के ठेकेदार द्वारा किए जा रहे इस कृत्य से स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों में गहरा आक्रोश है।

तस्वीर बयां कर रही बदहालीः न ढलान, न मानक, बस डामर का ढेर- सामने आई तस्वीर साफ बयां कर रही है कि नई बनी चमचमाती डामर की सड़क पर ठेकेदार ने बिना किसी तकनीकी सूझबूझ के सड़क के बीचों-बीच गिट्टी और तारकोल का एक ऊंचा और तीखा ढेर खड़ा कर दिया है, जिसे 'ब्रेकर' का नाम दिया गया है। इस ब्रेकर में न तो कोई गोलाई (ढलान) है और नही इसकी ऊंचाई तय मानकों के अनुसार है। यह ब्रेकर अचानक से सड़क पर उभरा हुआ है, जिससे तेज गति से आने वाले दोपहिया वाहनों के अनियंत्रित होकर पलटने का पूरा खतरा बना हुआ है।

बिना किसी संकेतक या पेंट के रातों-रात खड़े किए जा रहे स्पीड ब्रेकर- करीब 5.95 किलोमीटर लंबे इस व्यस्त संपर्क मार्ग पर पहले एक भी स्पीड ब्रेकर नहीं था। वर्तमान में चल रहे मरम्मत कार्य के दौरान ठेकेदार ने अपनी मर्जी से यह जानलेवा ब्रेकर बना दिया है। इस ब्रेकर पर न तो कोई सफेद पट्टी (पेंट) लगाई गई है और न ही इससे पहले कोई चेतावनी बोर्ड या रिफ्लेक्टर लगाया गया है। ग्रामीण अंचल की इस सड़क पर रात के समय स्ट्रीट लाइट न होने के कारण यह ब्रेकर वाहन चालकों के लिए काल साबित हो सकता है।

कोर्ट के आदेशों और क्रम्छ गाइडलाइंस का खुला उल्लंघन -माननीय उच्च न्यायालय की सख्त रोक के बावजूद सड़क पर इस तरह के मनमाने ब्रेकर बनाए जा रहे हैं। इंडियन रोड कांग्रेस (क्रम्छ) के नियमों के मुताबिक, किसी भी संपर्क मार्ग पर बिना प्रशासन और यातायात पुलिस की लिखित अनुमति के स्पीड ब्रेकर नहीं बनाया जा सकता। अगर कहीं दुर्घटना रोकने के लिए इसे बनाना अनिवार्य भी हो, तो उसकी एक तय चौड़ाई और सीमित ऊंचाई (हल्की गोलाई के साथ) होनी चाहिए। लेकिन यहाँ पीडब्ल्यूडी के ठेकेदार और लापरवाह अधिकारियों की मिलीभगत से कोर्ट के आदेशों को ठेंगा दिखाया जा रहा है।

दोषी ठेकेदार के खिलाफ कार्यवाही की मांग- ग्राम प्रधान जगतनारायण, एफ.ए. अंसारी तथा ग्रामीण राजेश, शशि, सरोज सहित अन्य ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग अब चलने लायक नहीं रह गया है। इस तीखे ब्रेकर के कारण मरीजों, गर्भवती महिलाओं और बुजुर्गों को लाने-ले जाने में वाहनों को भारी झटका लग रहा है। स्थानीय निवासियों ने जिला प्रशासन और पीडब्ल्यूडी के उच्चाधिकारियों से मांग की है कि इस घटिया निर्माण और अवैध ब्रेकर को तुरंत हटवाया जाए और दोषी ठेकेदार पर कार्रवाई की जाए। इस संबंध में पीडब्लूडी जेई पीके मिश्र ने कहा कि सड़क निर्माण में ब्रेकर का कोई प्रावधान नही हैं, कुछ ग्रामीणों ने स्वयं ब्रेकर बना दिया हैं जिसे हटवाने के लिए संबंधित ठेकेदार को निर्देश दिए गए हैं।

सिंगरौली में बदला मौसम का मिजाज, धूल भरी आंधी से गिरा 220 केवी का बिजली टावर

सिंगरौली, 11 जून (देवव्रत संवाद)। जिले में गुरुवार शाम अचानक मौसम ने करवट ली। पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी और तेज धूप से परेशान लोगों को उस समय राहत मिली जब शाम करीब 4 बजे तेज धूल भरी आंधी के साथ हल्की से मध्यम बारिश शुरू हो गई। हालांकि मौसम परिवर्तन के बीच एक बड़ा हादसा भी सामने आया, जब सरौंधा क्षेत्र में तेज हवाओं के दबाव से 220 केवी का विशाल विद्युत टावर धराशायी हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आंधी इतनी तेज थी कि कई स्थानों पर पेड़ झुक गए और धूल के गुबार से दृश्यता प्रभावित हो गई। इसी दौरान सरौंधा इलाके में विद्युत ट्रांसमिशन लाइन का टावर गिर गया। राहत की बात यह रही कि टावर आबादी से दूर क्षेत्र में गिरा, जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। घटना की जानकारी मिलते ही विद्युत कंपनी के अधिकारी एवं तकनीकी टीम मौके पर पहुंची और नुकसान का आकलन शुरू कर दिया। टावर गिरने से संबंधित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति भी प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। गौरतलब है कि सिंगरौली में पिछले पांच दिनों से लगातार भीषण गर्मी पड़ रही थी। मौसम विभाग के अनुसार 7 जून को अधिकतम तापमान 41.1 डिग्री सेल्सियस, 8 जून को 43 डिग्री, 9 जून को 42.7 डिग्री, 10 जून को 42.2 डिग्री तथा 11 जून को 42.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बारिश और तेज हवाओं के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों ने राहत महसूस की। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में जिले के कुछ हिस्सों में तेज हवाओं, गरज-चमक और बारिश की संभावना जताई है। वहीं प्रशासन ने लोगों से आंधी-तूफान के दौरान सावधानी बरतने, पेड़ों, बिजली के खंभों और खुले स्थानों से दूर रहने की अपील की है।

यज्ञ मंडप की परिक्रमा को श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

सोनभद्र, 11 जून (देवव्रत संवाद)। कसारी रामगढ़ स्थित भिखारी बाबा आश्रम परिसर में वृहस्पतिवार को सातवें दिन विराट रुद्र महायज्ञ में यज्ञ मंडप की परिक्रमा को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान जयकारे से समूचा परिसर गुंजायमान हो गया। शिव मंदिर में दूध से रुद्राभिषेक पूजन भी कराया गया। वृंदावन से आई बाल कथा वाचिका धानी शास्त्री ने भागवत कथा का रसपान कराया। वहीं भजन संध्या में वाराणसी से आए राष्ट्रीय बाल कलाकार श्री राम कृष्ण, श्री राधा कृष्ण व श्री राधे कृष्ण ने एक से बढ़कर एक भजन, गीत व गजल सुनाया। वहीं वृंदावन से आए कलाकारों की रासलीला देखने को भारी संख्या में भीड़ उमड़ पड़ी। प्रकृति रक्षा के लिए 251 जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से आहुति दी गई। प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम के आयोजक भिक्षुक भिखारी जंगली दास दीनबंधु रमाशंकर गिरी जी महाराज ने बताया कि आचार्यगण गोपालधर द्विवेदी, राजेश कुमार पाठक, हरिओम द्विवेदी व अमरेश तिवारी द्वारा विराट रुद्र महायज्ञ एवं पूजन कार्य कराया जा रहा है। प्रतिदिन शिव मंदिर में दूध, गंगाजल से रुद्राभिषेक पूजन कराया जा रहा है। प्रकृति रक्षा के लिए 251 जड़ी बूटियों से निर्मित हवन सामग्री से आहुति दी जा रही है। प्रतिदिन चलने वाले विशाल भंडारा में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में मुख्य यजमान दिनेश, उषा देवी, रूपा गुप्ता, देवेंद्र कुमार, चिंता मौर्य, उर्मिला देवी, विमला देवी, शशि देवी, विजय सिंह, मनीष कुमार, कृति सागर, शुभराम महाराज, परमानंद, रमेश कुमार, प्रहलाद, रामखेलावन, किरन मोदवाल, मानवी, संगीता, मुन्ना बाबा, केवलानंद महाराज, आनंद ओझा, राकेश पाठक, कालो देवी, डॉक्टर विजय, हीरा सिंह, संजय अग्रवाल, चांदनी अग्रवाल, संगीता, राजेश आदि मौजूद रहे।

दुद्धी में न्यायिक एसडीएम तैनात करने की मांग

दुद्धी /सोनभद्र, 11 जून (देवव्रत संवाद)। दुद्धी तहसील में पिछले कई महीनों से न्यायिक उपजिलाधिकारी (एसडीएम) का पद खाली होने के कारण क्षेत्रीय वादकारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कोर्ट में सुनवाई न होने से दूर-दराज से आने वाले फरियादी केवल अगली तारीख लेकर मायूस लौटने को मजबूर हैं, जिससे उनका धन और समय दोनों बर्बाद हो रहा है। न्यायिक एसडीएम की तैनाती न होने से तहसील का न्यायिक कामकाज पूरी तरह पटरी से उतर गया है। जमीन, राजस्व और अन्य मुकदमों के निस्तारण की रफ्तार थम गई है। प्रतिदिन दर्जनों मामलों में बिना किसी सुनवाई के केवल नई तारीखें दी जा रही हैं, जिससे लंबित मामलों का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। सिविल बार एसोसिएशन दुद्धी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्यनारायण यादव ने इस गंभीर समस्या पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि न्यायिक अधिकारी के न होने से वादकारियों में भारी आक्रोश है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने शासन और जिला प्रशासन से जनहित को ध्यान में रखते हुए दुद्धी तहसील में तत्काल स्थायी न्यायिक एसडीएम की तैनाती करने की मांग की है, ताकि न्यायिक प्रक्रिया दोबारा सुचारू रूप से शुरू हो सके और जनता को न्याय मिल सके।

बाढ़ पूर्व तैयारी के तहत मॉक ड्रिल कार्यक्रम का आयोजन

गाजीपुर, 11 जून (देवव्रत संवाद)। उ०प्र० राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा प्रदेश में बाढ़ के प्रति संवेदनशील व अतिसंवेदनशील जनपद में बाढ़ आपदा से बचाव सुरक्षा हेतु राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाईज संचालित किया है। उत्तर प्रदेश राज्य के 41 जनपदों मे बाढ़ आपदा पर राज्य स्तरीय मॉक एक्सरसाइज किया गया। इसी क्रम में आज जनपद गाजीपुर के पांच बाढ़ प्रभावित तहसील सदर, सैदपुर, जमानिया ,मुहम्दाबाद, सेवराई, के समस्त बाढ़ प्रभावित तहसीलों में तहसीलो के उपजिलाधिकारी की अध्यक्षता मे बाढ़ पूर्व तैयारी के तहत मॉकड्रिल कार्यक्रम का आयोजन पूर्वान्ह 09 बजे से आरंभ कर किया गया। निर्धारित कार्यक्रम के तहसील सदर के तहत पोस्ता घाट पर गंगा नदी के किनारे अत्यधिक वर्षा/अतिविष्टि/बाढ़ के पानी के दबाव से मकान क्षतिग्रस्त हुआ, क्षतिग्रस्त मकान में से 10-15 लोगों को सुरक्षित निकाला गया। जनपद में किसी भी मौत के बाद दाह संस्कार करने के बाद गंगा नदी में स्नान का प्रथा है, इसके तहत 1000 से अधिक लोग प्रत्येक दिन नदी में स्नान करते हैं, स्नान के दौरान लापरवाही के कारण 03 बच्चे क्रमशः एक दूसरे को बचाने में डूबने लगते हैं। रबर बोट का प्रयोग करते हुए सभी बच्चों को बचा लिया जाता है। नदी के पानी एवं क्षतिग्रस्त मकान से निकाले गए सभी व्यक्तियों को बाढ़ शरणालय में रखा गया, जहा अनुभवी चिकित्सको द्वारा चिकित्सकीय सुविधा दी गयी राजस्व विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग एवं अन्य सम्बन्धित विभाग का वहां कैंप का प्रदर्शन किया गया तथा लोगो को बाढ एवं आपदा के दौरान स्वयं बचने व प्रभावित व्यक्तियों को बचाने के सम्बन्ध मे प्रशिक्षण दिया गया।

गाजीपुर में आंधी-बारिश से पेड़ गिरे

गाजीपुर, 11 जून (देवव्रत संवाद)। गाजीपुर में गुरुवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ली। भोर से ही जिले में तेज आंधी और बारिश का दौर शुरू हो गया। इससे कई दिनों से पड़ रही उमस भरी गर्मी और बढ़ते तापमान से लोगों को राहत मिली। बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई और मौसम सुहाना हो गया। हालांकि, इस राहत के साथ कुछ मुश्किलें भी सामने आईं। तेज हवाओं के कारण कई स्थानों पर पेड़ उखड़कर सड़कों पर गिर गए। कुछ पेड़ बिजली लाइनों पर भी गिरे, जिससे ग्रामीण इलाकों में विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। कई जगह बिजली के खंभों को भी नुकसान पहुंचा है। बिजली विभाग की टीमें मरम्मत कार्य में जुटी हुई हैं। भारी बारिश के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग और कई प्रमुख सड़कों पर जलभराव हो गया। सड़कों पर पानी भरने से वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई और लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में आंधी और बारिश का प्रभाव अधिक देखा गया।

जिला जज, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने जिला कारागार एवं राजकीय सम्प्रेक्षण गृह का किया निरीक्षण

मऊ, 11 जून (देवव्रत संवाद)। जिला जज संजय यादव, जिलाधिकारी आनंद वर्द्धन और पुलिस अधीक्षक कमलेश बहादुर ने बृहस्पतिवार को जिला कारागार एवं राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कारागार एवं सम्प्रेक्षण गृह में उपलब्ध व्यवस्थाओं का गहनता से अवलोकन किया। निरीक्षण के समय बैरकों की साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, भोजन की गुणवत्ता, चिकित्सा सुविधाओं एवं अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने कारागार में निरुद्ध बंदियों से वार्ता कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को

आवश्यक निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कारागार परिसर में स्वच्छता एवं अनुशासन बनाए रखने पर विशेष बल दिया। उन्होंने बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की नियमित निगरानी करने तथा शासन की मंशा के अनुरूप व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

राजकीय सम्प्रेक्षण गृह (किशोर) के निरीक्षण के दौरान किशोरों को दी जा रही शिक्षा, प्रशिक्षण, स्वास्थ्य एवं पुनर्वास संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। अधिकारियों ने किशोरों से संवाद स्थापित कर उनकी गतिविधियों एवं आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त की। पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाए रखने तथा सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए। जिला जज ने किशोरों के सर्वांगीण विकास एवं सुधारात्मक गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने पर जोर दिया। निरीक्षण के दौरान कारागार अधीक्षक सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

दुष्कर्म और जालसाजी के मामलें में दो की जमानत अर्जी खारिज

मऊ, 11 जून (देवव्रत संवाद)। जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजय कुमार यादव ने नशीला पदार्थ खिलाकर दुष्कर्म करने और डी फार्मा का जाली सर्टिफिकेट देने के अलग-अलग मामलों में नामजद दो आरोपियों की जमानत अर्जी खारिज कर दिया। जिला जज ने यह आदेश बचाव पक्ष और प्रभारी डीजीसी फौजदारी अजय कुमार सिंह के तर्कों को सुनने तथा केस डायरी का अवलोकन करने के बाद पारित किया।पहला मामला कोतवाली मुहम्मदाबाद गोहना क्षेत्र का है। अभियोजन के अनुसार वादिनी मुकदमा को धोखे में रखकर कोल्ड ड्रिंक में आरोपी ने नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोशी की हालत में उसके साथ दुष्कर्म किया। तथा उसका वीडियो बना लिया, जिसके आधार पर उसके साथ बार-बार दुष्कर्म किया। आरोप है कि पीडिता के गर्भवती होने पर गर्भपात करा दिया। मामले में आरोपी कोतवाली मुहम्मदाबाद गोहना क्षेत्र के तिलसवां गांव निवासी आशीष पुत्र रमाशंकर की ओर से जमानत के लिए अर्जी दी गई। जिसे सुनवाई के बाद खारिज कर दिया। दूसरा मामला शहर कोतवाली क्षेत्र का है। अभियोजन के अनुसार गाजीपुर जनपद के मरदह थाना क्षेत्र के घरिहा निवासी राकेश कुमार यादव की तहरीर पर एफआईआर दर्ज हुई। वादी का कथन है कि उसने डी फार्मा के लिए सूर्या स्कूल आफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंस सिविल लाइन में एडमिशन कराया। 2 साल का कोर्स पूरा होने के बाद 2018 में उसे सर्टिफिकेट मिला। जिसे रजिस्ट्रेशन के लिए उसने लगाया तो डिग्री कूटरचित मिली। मामले में आरोपी प्रबंधक शहर कोतवाली क्षेत्र के भुजौटी निवासी अवनीश पांडेय पुत्र सुशील पांडेय की ओर से जमानत के लिए अर्जी दी गई। जिसे सुनवाई के बाद खारिज कर दिया।

छेड़छाड़ के मामले में एक को सजा, अर्थदंड लगा

मऊ, 11 जून (देवव्रत संवाद)। न्यायिक मजिस्ट्रेट फास्ट ट्रैक महिलाओं से संबंधित अपराध काजल श्रीवास्तव ने छेड़छाड़ के मामले में आरोपी अश्वनी पुत्र शिवनाथ निवासी बनाफा थाना घोसी को सुनवाई के बाद दोषी पाया। दोषी पाए जाने के बाद उसे न्यायालय उठने तक की सजा के साथ ही 1500 रुपए का अर्थदंड लगाया।

बलिया में बाढ़ से निपटने के लिए मॉक ड्रिल बचाव कार्यों और राहत शिविरों का किया अभ्यास

बलिया,11जून,(देवव्रत संवाद)। बलिया में नदियों का जलस्तर बढ़ने की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन अलर्ट हो गया है। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अनिल कुमार के मार्गदर्शन में गुरुवार को बाढ़ से निपटने के लिए एक मॉक ड्रिल (मूक अभ्यास) आयोजित किया गया। यह अभ्यास गंगा नदी के किनारे तहसील सदर के उजियार घाट, बैरिया के दूबे छपरा, बांसडीह के कोलकला, सिकंदरपुर के कठौड़ा और बेल्थरा रोड के तुतीपार में किया गया।

इस अभ्यास में बाढ़ के दौरान डूबने वाले व्यक्तियों के बचाव कार्य, पानी से घिरे गांवों से लोगों को सुरक्षित निकालने, राहत शिविर स्थापित करने, फील्ड अस्पताल बनाने और नाव दुर्घटनाओं में फंसे लोगों की खोज एवं बचाव का प्रदर्शन किया गया।मॉक ड्रिल के साथ आयोजित गोष्ठी में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में दवा वितरण, कीटनाशक दवाओं का छिड़काव, लोगों के स्वास्थ्य की देखभाल और पशुओं के बचाव व उपचार के तरीकों पर भी चर्चा की गई।

अभ्यास के दौरान, इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर (ईओसी) को उजियार में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने और एक गांव के चारों ओर से पानी से घिर जाने की सूचना मिली। इस पर तत्काल वायरलेस के माध्यम से कंट्रोल रूम को सूचित किया गया,

जिसने जनपद और तहसील स्तर के सभी अधिकारियों को अवगत कराया।रेडक्रॉस और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने उपस्थित लोगों को सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) का प्रशिक्षण दिया। साथ ही, डूबते हुए व्यक्ति को कैसे बचाया जाए, इसका भी अभ्यास करके दिखाया गया। बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित निकालकर एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाने का भी प्रदर्शन किया गया।इस अभ्यास में आपदा मित्र धर्मेंद्र कुमार ने नदी के बीच लगभग आधे घंटे तक सोये रहने का करतब दिखाया, जिसकी वहां मौजूद सभी लोगों ने सराहना की।

कार्यक्रम के अंत में एक गोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें पशुपालन विभाग, नागरिक सुरक्षा, कृषि विभाग, पुलिस प्रशासन, होमगार्ड विभाग, अग्निशमन विभाग, पंचायत विभाग, बाढ़ विभाग, लोक निर्माण विभाग, एनसीसी और स्काउट गाइड सहित सभी सहयोगी विभागों की बाढ़ पूर्व तैयारियों की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने अपने विचार भी साझा किए।

केन्द्र सरकार के 12 वर्ष व राज्य सरकार के 9 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में नगरपालिका ने चलाया पर्यायवरण संरक्षण व ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अभियान

अधिशासी अधिकारी ने चार डस्टबिन की अवधारणा अपनाने हेतु नगर वासियों से की अपील

मऊ, 11 जून (देवव्रत संवाद)। केंद्र सरकार के 12 वर्ष व राज्य सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 5 जून से 21 जून 2026 तक संचालित हो रहे विशेष जनकल्याण एवं जन जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत नगर पालिका द्वारा क्षेत्र के सभी वार्डों एवं मलिन बस्तियों में व्यापक स्तर पर स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण के लिये जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत जन संपर्क एवं रैलियां आयोजित की जा रही हैं।

अधिशासी अधिकारी डा. मणि भूषण तिवारी ने कहा कि उक्त ऐतिहासिक अवसर पर पालिका द्वारा पर्यावरण संरक्षण और चार डस्टबिन वाले ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के क्रियांवयन के लिये आम नगरवासियों को जागरूक एवं प्रेरित किया जा रहा है। इसी क्रम में आज नगर क्षेत्र में आईपीसी (आईईसी) टीम द्वारा वार्ड नम्बर 35 मुंशीपुरा पूर्वी में स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के प्रति जनजागरूकता हेतु रैली निकाली गई। रैली के माध्यम से नागरिकों को कूड़ा पृथक्करण, चार डस्टबिन प्रणाली के उपयोग, होम कम्पोस्टिंग तथा स्वच्छ सर्वेक्षण में सहभागिता के लिये प्रेरित किया गया। रैली में लोगों से अपील की गई कि वे गीले एवं सूखे कूड़े को अलग-अलग करके नगर पालिका को हस्तांतरित करें तथा अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ एवं सुंदर बनाये रखने में सहयोग दें। अभियान के माध्यम से विश्व पर्यावरण दिवस के संदर्भ में अपने माध्यम से भी पौधरोपड़ करने की लोगों को प्रेरणा दी गयी। उन्होंने पूरे नगर को स्वच्छ एवं स्वस्थ्य बनाये रखने में सहयोग सहयोग मांगा।

गैंगस्टर एक्ट में अभियुक्त की 6.80 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की अचल संपत्ति कुर्क

मऊ, 11 जून (देवव्रत संवाद)। जिलाधिकारी आनंद वर्द्धन ने पुलिस अधीक्षक की संस्तुति पर गैंगस्टर एक्ट मे आरोपी दक्षिण टोला थाना क्षेत्र के नवीन सिंह उर्फ रिंकू की लगभग 6,80,32,000 (छह करोड़ अस्सी लाख बत्तीस हजार रुपये) मूल्य की अचल संपत्तियों को कुर्क करने का आदेश दिया। जिलाधिकारी के न्यायालय मे विचाराधीन वाद संख्या 1391/2026 (कम्प्यूटरीकृत वाद संख्या ऊ202615510001391), सरकार बनाम नवीन सिंह उर्फ रिंकू एवं अन्य से संबंधित मुकदमा अपराध संख्या 30/2026, धारा 2/3(1) उत्तर प्रदेश गिरोहबंद एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1986 के अंतर्गत पारित आदेश के अनुपालन में बृहस्पतिवार को उक्त कार्रवाई की गई।कुर्क की गई संपत्तियों में ग्राम गाढ़ा, गाटा संख्या 43 रकबा 0.17622 हेक्टेयर भूमि, माया रानी सिंह पत्नी हरिश्चन्द्र सिंह के नाम दर्ज गाटा संख्या 43 रकबा 0.13220 हेक्टेयर भूमि तथा गाटा संख्या 43 रकबा 0.13216 हेक्टेयर भूमि शामिल हैं।

हरे पेड़ों की अवैध कटाई पर नहीं लग रही रोक

कोपागंज (मऊ)। एक ओर सरकार पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और अधिक से अधिक पौधरोपण के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही है, वहीं दूसरी ओर कोपागंज क्षेत्र में हरे पेड़ों की अवैध कटाई धड़ल्ले से जारी है। क्षेत्र के शहरोज, कच्छीकला समेत आसपास के गांवों में हरे पेड़ों पर लगातार आरी चल रही है और कटे हुए पेड़ों की लकड़ियां खुलेआम ट्रैक्टर-टालियों पर लादकर बाजारों से होकर गुजर रही हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग कार्रवाई के बजाय मूकदर्शक बना हुआ है।स्थानीय लोगों के अनुसार सुबह से लेकर दोपहर तक लकड़ियों से लदी ट्रैक्टर-टालियां क्षेत्र के प्रमुख मार्गों और बाजारों से गुजरती देखी जा सकती हैं। इसके बावजूद वन विभाग और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से अवैध कटान करने वालों के हौसले बुलंद हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पर्यावरण संरक्षण के नाम पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर हरे पेड़ों की कटाई रोकने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।क्षेत्र में लगातार हो रही कटाई से पर्यावरण प्रेमियों और जागरूक नागरिकों में नाराजगी है। लोगों का कहना है कि एक तरफ सरकार ₹एक पेड़ मां के नाम₹ जैसे अभियान चलाकर पौधरोपण को बढ़ावा दे रही है, वहीं दूसरी तरफ वर्षों पुराने हरे-भरे पेड़ काटे जा रहे हैं। यदि समय रहते इस पर रोक नहीं लगी तो क्षेत्र का हरित आवरण प्रभावित होगा और पर्यावरणीय संतुलन पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा। मामले में पूछे जाने पर थानाध्यक्ष रोहन राकेश सिंह ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में नहीं है। शिकायत की जांच कराई जाएगी और यदि अवैध कटान की पुष्टि होती है तो आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वहीं प्रभागीय वनाधिकारी पी.के. पांडेय ने कहा कि यदि क्षेत्र में अवैध रूप से हरे पेड़ों की कटाई हो रही है तो संबंधित रेंजर को तत्काल जांच एवं कार्रवाई के निर्देश दिए जाएंगे। विश्व पर्यावरण दिवस और पौधरोपण अभियानों के बीच कोपागंज क्षेत्र में हरे पेड़ों की लगातार कटाई पर्यावरण संरक्षण के सरकारी दावों पर सवाल खड़े कर रही है। स्थानीय लोगों ने वन विभाग से अभियान चलाकर अवैध कटान पर रोक लगाने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

रेफरल अस्पतालों की सूची में अपनी पहचान बना चुका है रसड़ा का अस्पताल

रसड़ा,बलिया,11जून,(देवव्रत संवाद)। 30 बेड वाले रसड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लंबे समय से दुर्व्यवस्थाओं के चलते अस्वस्थ है अपने समुचित व्यवस्था न होने से जुझ रहा है।जिससे लोगों का यहां समुचित उपचार नहीं हो पा रहा है और न लोगो को समुचित इलाज नहीं होने व सही इलाज के लिए व्यवस्था न मिलने से यह अस्पताल रेफरल अस्पतालों की सूची में अपनी पहचान बना चुका है। विभागीय उदासीनता विभागीय लूट खशोट व क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, सांसद,विधायक के गैर जिम्मेदराना रवैये के चलते लगातार यहां स्वास्थ्य सुविधाएं अस्पताल को न मिलने से इसकी हालात अत्यन्त खराब होती चली जा रही हैं लेकिन जो जिम्मेदार है वह अपना विकास करने के लिए व्यस्थ रहते तथा मौन साधे हुए हैं। इस अस्पताल में जहां सफाई कर्मचारियों की संख्या कम होने से परिसर में जगह-जगह कूड़े-कचरे का अंबार लगा रहता है वहीं वार्डों की भी सफाई व्यवस्था आधा-अधूरा ही रहती है। यहां पर बाल रोग विशेषज्ञ एवं एमडी चिकित्सक की तैनाती के जिला प्रशासन द्वारा आश्वासन तो जरूर दिया जा रहा है किंतु काफी वर्ष बाद भी विभाग को सफलता हाथ नहीं लग पा रहा है इस अस्पताल के सुविधा देने के पीछे साजिश है या लूट खशोट के चलते इस अस्पताल पर ध्यान देने से भी इंकार नहीं किया जा सकता। इस में चिकित्सकों के बिना इस अस्पताल से लोगों का मोह भंग हो रहा है। सड़क दुर्घटनाओं में घायल मरीजों का प्राथमिक इलाज के नाम पर यहां मरहम पट्टी तक सिमट कर रह गया है जो विभागीय संवेदना व व्यवस्था की पोल खोलकर रख दे रहा है। घायल जब भी इस अस्पताल में आ रहे हैं उन्हें मरहम पट्टी कर, रेफर की पर्ची उन्हें थमा दी जा रही है। वार्डों में लगे बेड की सही तरीके से देख-रेख नहीं करने से वहां भी कई अव्यवस्थाएं कायम हो चुकी हैं। हल्की बारिश में जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने के कारण अस्पताल की सड़कों व परिसर में जल जमाव व कीचड़ से लोगों को भारी परेशानी उठाना पड़ता है किंतु जिम्मेदार इस पर ध्यान नही देते बल्कि उदासीन बने हुए

बलिया में बाढ से निपटने को किया गया अभ्यास, बचाव की दी गयी जानकारी

बलिया, 11 जून (देवव्रत संवाद)। नदियों में बढ़ रहे जलस्तर को देखते हुए जिला प्रशासन अभी से अलर्ट मोड पर आ गया है। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अनिल कुमार के निर्देशन में गुरूवार को गंगा नदी के उजियार घाट पर बाढ़ के दौरान किसी भी प्रकार की आपदा से निपटने के मॉक ड्रिल (मूक अभ्यास) किया। इसमें बाढ से दौरान किसी के डूबने पर बचाव कार्य तथा पानी से घिरे गांवों से लोगों को निकालने का अभ्यास किया गया। इसके अलावा वहां आयोजित गोष्ठी में बाढ़ प्रभावित इलाकों में दवा वितरण या कीटनाशक दवाओं का छिड़काव करने से लेकर लोगों के स्वास्थ्य व पशुओं का भी ख्याल रखने के तरीकों के बारे में बताया गया।

जिला आपदा विशेषज्ञ पीयूष कुमार सिंह ने बाढ़ के दौरान क्या करें और क्या न करें, इसके बारे में लोगों को विस्तार से बताया। मॉक ड्रिल में सुबह 11 बजे इमरजेंसी आपरेशन सेंटर (ईओसी) को उजियार में गंगा नदी में जलस्तर बढ़ने व गांव के मैरूण्ड (चारों तरफ से पानी से घिरा होना) की सूचना मिलती है। इस पर तत्काल वायरलेस से कन्ट्रोल रूम को सूचित किया गया।

रेड क्रॉस सोसायटी टीम बलिया एवं नरही के अधीक्षक डॉ पंकज द्वारा प्राथमिक उपचार व सर्पदंश के बारे में भी अभ्यास किया गया। मॉक ड्रिल के

दौरान रेडक्रॉस एवं स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम ने उपस्थित लोगों को सीपीआर प्रशिक्षण के साथ मॉक ड्रिल में डूबते व्यक्ति को कैसे बचाया जाए, इसका भी अभ्यास कर लोगों को दिखाया गया। इस अभ्यास में आपदा मित्र धर्मेंद्र कुमार ने नदी के बीच लगभग आधे घंटे तक सोये रहने का करतब दिखाया, जिसकी सराहना वहाँ मौजूद हर किसी ने की। मॉक ड्रिल में बाढ़ में डूबे लोगों को सुरक्षित निकाल कर एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाने का अभ्यास किया गया। कार्यक्रम के अंत में गोष्ठी की गई जिसमें सभी सहयोगी विभागों की बाढ़ पूर्व तैयारियों की समीक्षा भी की गई, जिसमें सभी विभागाध्यक्षों ने अपनी तैयारियों से अवगत कराया तथा अपने अपने विचार रखे ।

रेड क्रॉस सोसायटी बलिया से शैलेन्द्र कुमार पाण्डेय ने अपने विचार रखे और सुझाव दिया की लोकल लेवल पर लोगों को तैराकी का प्रशिक्षण दिया जाय जिससे तत्काल डूब रहे व्यक्ति का रेस्क्यू किया जा सके, पशुपालन विभाग, नागरिक सुरक्षा, कृषि विभाग , पुलिस प्रशासन, होमगार्ड विभाग, अग्निशमन विभाग, पंचायत विभाग, बाढ़ विभाग,लोक निर्माण विभाग के अधिकारीयों ने भी अपने विचार साझा किए। यह मॉक ड्रिल (मूक अभ्यास) जनपद के सभी तहसीलों में किया गया है। तहसील स्तर पर जनपद के सभी तहसीलों में उप जिलाधिकारी, तहसीलदार, नायब तहसीलदार तथा तहसील स्तर के सभी अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।इस दौरान रेड क्रॉस सोसायटी से नितेश पाठक , आशुतोष राय, डॉ पंकज ओझा, राधा पर्वत , चन्द्रशेन नायक, राहुल कुमार, फैयाज अहमद, संगम, आशा यादव, अखिलेश यादव, धर्मेंद्र कुमार, डॉ फैसल, आपदा से सुनील कुमार, अभिषेक कुमार, अतुल, नागेंद्र, नारायण, सिद्धार्थ शंकर पाण्डेय के अलावा भारी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद थे।

काश आयुष्मान कार्ड पर ध्यान देने के बजाय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को सुधारती सरकार

रसड़ा,बलिया,11जून,(देवव्रत संवाद) जिस तरह सरकार ने पाँच लाख तक के मुफ्त इलाज के लिए आयुष्मान कार्ड बना रही लोगो को भरोसा दिला रही है कि हम जनता के फिक्रमंद है। वास्तव में जनता के फिक्रमंद नहीं है यह आयुष्मान कार्ड उसके लिए है जो प्राइवेट हॉस्पिटल आयुष्मान कार्ड से इलाज कर रहे हैं स्वास्थ्य सेवाएं देने के नाम पर प्राइवेट हॉस्पिटल वाले क्षेत्र प्रदेश देश की जनता का शोषण कर रहे हैं। सरकार को चाहिए कि उन हॉस्पिटलों की जांच करें जिन हॉस्पिटलों में आयुष्मान कार्ड से इलाज चल रहे हैं। विश्वसनीय सूत्रों के और जनमानस की चर्चा के अनुसार छोटे रोग को बड़ा रोग दिखाकर हॉस्पिटल वाले आयुष्मान का पैसा उठा ले रहे हैं ऐसे में आयुष्मान कार्ड वालों के साथ धोखा हो रहा है जिस पर सरकार को ध्यान देना चाहिए। वैसे सरकार अगर जनता की हितैषी होती है तो आयुष्मान कार्ड से अच्छा होता सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रो को दवा और सुविधा से लैस कर देते तो आयुष्मान कार्ड की आवश्यकता ही नहीं पड़ती लेकिन सरकार को प्राइवेट पूंजी पतियों को लाभ पहुंचाना है इसलिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को व्यवस्थित करने के बजाय जनमानस को आयुष्मान कार्ड जारी कर रही है देखने पर ऐसा लग रहा है सरकार जनता की हितैषी नहीं। पूंजीपतियों को सहयोग प्रदान करने के लिए कार्य कर रही है।

ऑपरेशन कन्विक्शन: बलिया में हत्या के 4 दोषियों को उम्रकैद, प्रत्येक पर 1.25 लाख जुर्माना

बलिया,11जून,(देवव्रत संवाद)। जिला एवं सत्र न्यायाधीश बलिया ने गुरुवार को हत्या के मामले में 4 अभियुक्तों को आजीवन कारावास व प्रत्येक पर 1.25 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। जुर्माना न देने पर 5 साल अतिरिक्त जेल होगी। थाना नरही के मु0अ0सं0 01/2025 में कोर्ट ने बिट्टू यादव, शिवमराय उर्फ करिया, प्रियांशु राय व रुद्रेश राय उर्फ शिवम राय, सभी निवासी नारायनपुर, को धारा 103(1)/3(5) व 109/3(5) बीएनएस में दोषी करार दिया। एसपी ओमवीर सिंह के निर्देशन में मॉनिटरिंग सेल व उ0नि0 संजीव कुमार सिंह की प्रभावी पैरवी से ₹ऑपरेशन कन्विक्शन₹ के तहत यह सजा हुई।

गड़वार पुलिस ने साइबर ठगी के 9870 रुपये कराए वापस

बलिया,11जून,(देवव्रत संवाद)। थाना गड़वार पुलिस ने साइबर ठगी के शिकार जयमंगल राम के खाते में धोखे से निकाले गए 9870.12 रुपये वापस कराए। कोर्ट के आदेश पर बुधवार को राशि आवेदक के खाते में ट्रांसफर हुई। 27 फरवरी 2026 को जयमंगल राम, निवासी ग्राम सवन थाना गड़वार, के खाते से अज्ञात व्यक्ति ने धोखाधड़ी कर रकम ट्रांसफर कर ली थी। शिकायत पर एसपी ओमवीर सिंह व एएसपी दक्षिणी संजय वर्मा के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष हितेश कुमार के नेतृत्व में साइबर हेल्प डेस्क ने तत्काल कार्रवाई की। पुलिस ने ठगी की रकम को होल्ड कराकर 11 जून को शिकायतकर्ता के खाते में वापस कराया। जयमंगल राम ने बलिया पुलिस व थाना गड़वार टीम का आभार जताया। पुलिस टीम,थानाध्यक्ष हितेश कुमार, साइबर प्रभारी उ0नि0 अब्दुल हफीज, हे0का0 भीम कुमार, आरक्षी विवेक यादव, लवकुश गुप्ता व म0आ0 रागिनी यादव।

भीमपुरा पुलिस ने साइबर ठगी के 27,509 रुपये कराए वापस

बलिया,11जून,(देवव्रत संवाद)। थाना भीमपुरा पुलिस ने साइबर ठगी के शिकार कैलाश यादव के खाते में धोखे से निकाले गए 27,509 रुपये वापस कराए। बुधवार को कोर्ट के आदेश पर रकम आवेदक के खाते में ट्रांसफर की गई। 21 फरवरी 2026 को कैलाश कुमार यादव, निवासी चकहबसापुर थाना भीमपुरा, के पंजाब नेशनल बैंक खाते से अज्ञात व्यक्ति ने फर्जी तरीके से पैसे ट्रांसफर कर लिए थे। पीड़ित ने हेल्पलाइन 1930 व थाने पर शिकायत दर्ज कराई थी। एसपी ओमवीर सिंह व एएसपी दक्षिणी संजय वर्मा के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष रंजीत विश्वकर्मा के नेतृत्व में साइबर हेल्प डेस्क ने त्वरित कार्रवाई कर रकम होल्ड कराई। 11 जून को धोखाधड़ी की पूरी राशि वापस कर दी गई। शिकायतकर्ता ने बलिया पुलिस का आभार जताया। पुलिस टीम, थानाध्यक्ष रंजीत विश्वकर्मा, साइबर प्रभारी उ0नि0 रवि वर्मा, हे0का0 दुर्गेश कुमार विश्वकर्मा, आरक्षी राहुल यादव व म0आरक्षी रागिनी कन्नौजिया।

भारत सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर किया जागरूक

मऊ, 11 जून (देवव्रत संवाद)। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ/मिशन शक्ति के अंतर्गत महिला कल्याण विभाग द्वारा जागरूकता चौपाल तथा पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन विकास खण्ड परदहा के ग्राम कहिनौर के पंचायत भवन में किया गया। कार्यक्रम में घरेलू हिंसा एवं दहेज उन्मूलन विषय पर चर्चा करते हुये इसके प्रभाव के बारे में बताया। कार्यक्रम में महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित सभी कल्याणकारी योजनाओं यथा निराश्रित महिला पेंशन, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला, योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) वन स्टॉप सेंटर, चाइल्ड हेल्प लाइन, दत्तक ग्रहण इकाई आदि के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही हेल्प लाइन नंबर चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, महिला पावर हेल्पलाइन 1090, महिला हेल्पलाइन 181 पुलिस हेल्पलाइन 112, एंबुलेंस सेवा 108 तथा 102 आदि के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए उसकी उपयोगिता के बारे में बताया। कार्यक्रम में हव फॉर इंपॉवरमेट ऑफ वूमेन टीम से जिला मिशन समन्वयक अर्चना राय, जेंडर स्पेशलिस्ट तृप्ति राय, जेन्डर स्पेशलिस्ट राखी राय, पंचायत सचिव अमरीश त्रिपाठी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ती उपस्थित रहीं

उपभोक्ता व्यथा निवारण फोरम हेतु स्वतंत्र सदस्य के लिए आवेदन मांगा

मऊ, 11 जून (देवव्रत संवाद)। अधीक्षण अभियंता मागेन्द्र कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश शासन, ऊर्जा विभाग की अधिसूचना के अंतर्गत उपभोक्ता व्यथा निवारण फोरम के लिए एक स्वतंत्र सदस्य की नियुक्ति की जानी है। उन्होंने बताया कि स्वतंत्र सदस्य के लिए अभ्यर्थी का विद्युत वितरण मण्डल क्षेत्र का उपभोक्ता होना तथा कम से कम स्नातक होना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त अभ्यर्थी ऐसा व्यक्ति होना चाहिए जो सिविल सेवा में कार्यरत रहा हो अथवा हो तथा जिसका पद एडीएम (अपर जिलाधिकारी) से नीचे का न हो। स्वतंत्र सदस्य के पद हेतु इच्छुक व्यक्ति का वर्तमान श्रेणी में पिछले तीन वर्षों से लगातार विद्युत उपभोक्ता होना आवश्यक है। साथ ही उसका पूर्ववृत्त अच्छा होना चाहिए तथा उसके नाम पर विद्युत देयकों का कोई बकाया नहीं होना चाहिए।अधीक्षण अभियंता ने बताया कि पात्र एवं इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित प्रारूप में अपना आवेदन पत्र एक सप्ताह के भीतर कार्यालय अधीक्षण अभियंता, विद्युत वितरण मण्डल, स्टेट बैंक सहादतपुरा के सामने, पिन कोड-275101 पर प्रेषित कर सकते हैं। उन्होंने जनपद के पात्र एवं इच्छुक नागरिकों से समयावधि के भीतर आवेदन प्रस्तुत कर अवसर का लाभ उठाने की अपील की है।

अनुसूचित जाति के पशुपालकों हेतु बकरी पालन योजना के लिए आवेदन आमंत्रित

मऊ, 11 जून (देवव्रत संवाद)। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ सी.पी. सिंह कुशवाहा ने बताया है कि प्रदेश के अनुसूचित जाति वर्ग के भूमिहीन एवं गरीब पशुपालकों की आय में वृद्धि तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से बकरी पालन योजना (अनुदान संख्या-83) संचालित की जा रही है। योजना के अंतर्गत जनपद में कुल 14 लाभार्थियों का चयन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत प्रति इकाई 05 मादा एवं 01 नर बकरी उपलब्ध कराई जाएगी। बकरियों का क्रय राज्य सरकार द्वारा अधिकृत बकरी प्रक्षेत्रों अथवा उपलब्धता के अनुसार स्थानीय बाजार से किया जा सकेगा। योजना की कुल लागत 60,000 रुपए निर्धारित है, जिसमें राज्य सरकार द्वारा 90 प्रतिशत अर्थात 54,000 रुपए का अनुदान प्रदान किया जाएगा तथा लाभार्थी को 10 प्रतिशत अर्थात 6,000 रुपए का अंशदान वहन करना होगा।योजना के लिए जनपद के 18 वर्ष से अधिक आयु के अनुसूचित जाति वर्ग के महिला एवं पुरुष बेरोजगार पशुपालक आवेदन कर सकते हैं। आवेदक के पास बकरियों के रख-रखाव हेतु उपयुक्त स्थान एवं आवश्यक संसाधन उपलब्ध होना चाहिए। सेड एवं बकरी पालन प्रशिक्षण केन्द्र, इटावा तथा केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मखदूम, मथुरा से प्रशिक्षण प्राप्त अभ्यर्थियों को वरीयता दी जाएगी।

घर में सो रहे बुजुर्ग की गला रेतकर हत्या

❑ फॉरेंसिक टीम, डॉग स्क्वायड और पुलिस अधिकारियों ने किया जांच, खुलासे के लिए चार टीमें गठित

आजमगढ़, 11 जून (देवव्रत संवाद)। शहर कोतवाली क्षेत्र के शेखपुरा गांव में गुरुवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब घर के बाहर बने कमरे में सो रहे एक बुजुर्ग की गला रेतकर हत्या कर दी गई। घटना की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया, जबकि पूरे गांव में दहशत का माहौल व्याप्त हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस के साथ वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और जांच–पड़ताल शुरू कर दी। मृतक की पहचान भुवाल चौहान (65) पुत्र हरदेव चौहान निवासी शेखपुरा के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार वह रोज की तरह घर के बाहरी हिस्से में बने कमरे में सो रहे थे। गुरुवार सुबह जब परिवार के सदस्य उन्हें जगाने पहुंचे तो वह बिस्तर पर खून से लथपथ पड़े मिले। उनके गले पर धारदार हथियार से हमला किए जाने के गहरे निशान थे। यह दृश्य देखते ही परिजनों की चीख–पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर जुट गए।

सूचना पर पहुंची शहर कोतवाली पुलिस ने घटनास्थल को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक टीम, फील्ड यूनिट और डॉग स्क्वायड को भी बुलाया गया। विशेषज्ञ टीमों ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र

कर जांच के लिए सुरक्षित किया। क्षेत्राधिकारी नगर शुभम तोंडी ने बताया कि घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया गया है। फॉरेंसिक टीम और अन्य विशेषज्ञों की सहायता से साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। साथ ही परिजनों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर हत्या के कारणों और संभावित आरोपियों के बारे में जानकारी एकत्र की जा रही है। उन्होंने बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर घटना के शीघ्र खुलासे के लिए चार विशेष टीमों का गठन किया गया है। पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। रात के अंधेरे में घर के पास सो रहे बुजुर्ग की निर्मम हत्या से पूरे गांव में भय और दहशत का माहौल है। घटना को लेकर ग्रामीणों के बीच तरह–तरह की चर्चाएं हो रही हैं। पुलिस पुरानी रंजिश, पारिवारिक संपत्ति विवाद समेत अन्य संभावित कारणों को केंद्र में रखकर जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित पक्ष की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। जल्द ही घटना का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

बारिश से बदला मौसम का मिजाज, 10 डिग्री लुढ़का पारा

भीषण गर्मी और उमस से मिली राहत, दिनभर छाए रहे बादल

आजमगढ़, 11 जून (देवव्रत संवाद)। पिछले करीब दस दिनों से भीषण गर्मी और उमस की मार झेल रहे आजमगढ़वासियों को गुरुवार की सुबह बड़ी राहत लेकर आई। तड़के तेज हवाओं के साथ मौसम ने अचानक करवट ली और झमाझम बारिश शुरू हो गई। बारिश और ठंडी हवाओं के असर से जिले का तापमान करीब 10 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया, जिससे लोगों ने राहत की सांस ली। गुरुवार सुबह करीब तीन बजे से तेज हवाएं चलनी शुरू हो गई थीं। इसके बाद सुबह चार बजे के आसपास बारिश शुरू हो गई। सुबह से जारी रुक–रुक कर बारिश और ठंडी हवाओं ने मौसम को पूरी तरह सुहावना बना दिया। दिनभर आसमान में घने काले बादल छाए रहे, जिससे धूप का असर लगभग खत्म हो गया।

पिछले कई दिनों से जिले का अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ था। भीषण गर्मी और उमस के कारण लोगों का जनजीवन प्रभावित हो रहा था। गुरुवार को मौसम में आए बदलाव के बाद तापमान गिरकर 32 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। तापमान में आई इस बड़ी गिरावट से लोगों को गर्मी से काफी राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में प्री–मानसून गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में आजमगढ़ समेत प्रदेश के एक दर्जन जिलों में बारिश दर्ज की गई है। विभाग ने पहले ही प्रदेश के सभी 75 जिलों के लिए आंधी, बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया था।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि 16 जून तक प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में आंधी, बारिश और तेज हवाओं का सिलसिला जारी रह सकता है। वहीं उत्तर प्रदेश में मानसून के 20 जून तक पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में आगामी दिनों में भी मौसम के सुहावना बने रहने की उम्मीद है। भीषण गर्मी को देखते हुए जिला प्रशासन ने करीब 20 दिन पहले एडवाइजरी जारी कर लोगों से दोपहर 12 बजे से शाम चार बजे तक अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने और अधिक मात्रा में तरल पदार्थों का सेवन करने की अपील की थी। मौसम में बदलाव के बाद भी प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। अधिकारियों ने तेज हवाओं और खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहने तथा अनावश्यक रूप से खुले स्थानों में न जाने की अपील की है।

निमंत्रण से लौट रहे तीन दोस्तों को अज्ञात वाहन ने रौंदा, गोदाम इंचार्ज की मौत

लालगंज, 11 जून (देवव्रत संवाद)। देवगांव कोतवाली क्षेत्र के लालगंज कस्बे में बुधवार देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसके दो साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। नेशनल हाईवे पर जिओ पेट्रोल पंप के समीप अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार तीनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे। हादसे की सूचना मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक की पहचान मनोज सोनकर (37) पुत्र मिठाईलाल निवासी वार्ड नंबर–11 लालगंज के रूप में हुई है। मनोज लालगंज स्थित इंडियन गैस गोदाम में गोदाम इंचार्ज के पद पर कार्यरत थे। बताया गया कि वह अपने मित्र नागेंद्र यादव और धर्मेंद्र सोनकर के साथ गंभीरपुर थाना क्षेत्र में आयोजित एक निमंत्रण कार्यक्रम में शामिल होने गए थे।

बुधवार देर रात कार्यक्रम से लौटते समय जैसे ही उनकी बाइक लालगंज स्थित जिओ पेट्रोल पंप के पास पहुंची, तभी किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार तीनों युवक सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए। देर रात होने के कारण कुछ समय तक घायल सड़क पर ही पड़े रहे। बाद में राहगीरों की सूचना पर पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची तथा तीनों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद मनोज सोनकर को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल नागेंद्र यादव और

धर्मेंद्र सोनकर की हालत नाजुक देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद वाराणसी के हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। दोनों घायलों का उपचार वाराणसी में चल रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन अस्पताल पहुंच गए। मनोज की मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। क्षेत्र के लोगों और शुभचिंतकों की भी अस्पताल में भीड़ जुट गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। अज्ञात वाहन की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही वाहन और चालक की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मदरसा फर्जीवाड़े के दो मामलों में तीन आरोपी गिरफ्तार

आजमगढ़, 11 जून (देवव्रत संवाद)। जनपद में मदरसों से जुड़े फर्जीवाड़े और सरकारी धन के दुरुपयोग के मामलों में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। राज्य विशेष अपराध अनुसंधान शाखा (ईओडब्ल्यू) की जांच में सामने आए दो अलग–अलग मामलों में यह कार्रवाई की गई। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद मदरसों में अनियमितताओं को लेकर एक बार फिर चर्चाएं तेज हो गई हैं। पहले मामले में मदरसा पोर्टल पर कथित रूप से फर्जी अभिलेखों के आधार

पर संचालित किए जा रहे मदरसा इस्लामिया मोहम्मदल्ला, सिधारी के प्रबंधक मोहम्मद अकरम को गिरफ्तार किया गया है। जांच में आरोप है कि मदरसे के संचालन से संबंधित दस्तावेजों में अनियमितता कर सरकारी व्यवस्था को गुमराह किया गया। इस मामले में वर्ष 2025 में रानी की सराय थाने में धोखाधड़ी, जालसाजी और फर्जी दस्तावेज तैयार करने समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। दूसरा मामला मदरसा अरबिया तहतानिया, भीखपुर से जुड़ा है। ईओडब्ल्यू की जांच में सामने आया कि भवन और छात्र संख्या से संबंधित कथित रूप से गलत जानकारी पोर्टल पर दर्ज कर मदरसा आधुनिकीकरण योजना के तहत प्राप्त सरकारी धनराशि का दुरुपयोग किया गया। जांच के दौरान 66 हजार रुपये के गबन की पुष्टि होने पर फूलपुर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान शरद यादव और धर्मेंद्र कुमार यादव की संलिप्तता सामने आने के बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत सिधारी पुलिस ने मोहम्मद अकरम को मुंडा तिराहा क्षेत्र से गिरफ्तार किया। वहीं फूलपुर पुलिस ने शरद यादव और धर्मेंद्र कुमार यादव को अंबारी चौराहे के पास से दबोच लिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद न्यायालय भेज दिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मदरसों से संबंधित अनियमितताओं और सरकारी योजनाओं की धनराशि के दुरुपयोग से जुड़े मामलों की जांच जारी है। जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बारिश के चलते बदला सीएम का कार्यक्रम स्थल, अब महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्वविद्यालय में होगा आयोजन

आजमगढ़, 11 जून (देवव्रत संवाद)। जनपद में 13 जून को प्रस्तावित सीएम के आगमन और कार्यक्रम को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कृषि महाविद्यालय कोटवा परिसर में लगातार बारिश के कारण जलभराव की स्थिति को देखते हुए कार्यक्रम स्थल में संशोधन किया गया है। अब यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम महाराजा सुहेलदेव राज्य विश्व विद्यालय परिसर में आयोजित किया जाएगा। गुरुवार को जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार, मुख्य विकास अधिकारी परीक्षित खटाना, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एन.आर. वर्मा समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने विश्वविद्यालय परिसर पहुंचकर तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कार्यक्रम स्थल पर निर्माणाधीन जर्मन हैंगर, जनसभा स्थल, जनसामान्य एवं वीआईपी पार्किंग, सेफ हाउस, बैठक स्थल, आगमन एवं प्रस्थान मार्ग तथा सुरक्षा व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। अधिकारियों ने सभी विभागों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने कहा कि कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित, सुरक्षित और प्रभावी ढंग से सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने पेयजल, विद्युत आपूर्ति, साफ– सफाई, बैरिकेडिंग, यातायात प्रबंधन तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कार्यक्रम से जुड़े सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने की हिदायत देते हुए कहा कि कार्यक्रम में आने वाले आमजन और विशिष्ट अतिथियों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने सुरक्षा व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए पुलिस अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्रम स्थल और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम सुनिश्चित करने, यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने तथा कानून–व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने पर जोर दिया।

मंदुरी बाजार की वर्षों पुरानी जलनिकासी समस्या का होगा स्थायी समाधान

नितिन गडकरी के निर्देश पर नाला निर्माण को मिली स्वीकृति

कप्तानगंज, 11 जून (देवव्रत संवाद)। बिलरियागंज विकासखंड के अंतर्गत स्थित मंदुरी बाजार के लोगों को जल्द ही जलभराव की गंभीर समस्या से राहत मिलने जा रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग–233 के किनारे नाला न होने के कारण बरसात के दिनों में सड़क और आसपास के क्षेत्रों में पानी जमा हो जाता था। घरेलू जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने से स्थानीय लोगों को लंबे समय से भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। क्षेत्र के निवासी उत्कर्ष मद्धेशिया सहित अनेक लोगों ने इस समस्या के समाधान के लिए संयुक्त हस्ताक्षरयुक्त प्रार्थना पत्र तैयार कर जनप्रतिनिधियों का ध्यान आकर्षित किया। स्थानीय लोगों की मांग को भाजपा के वरिष्ठ नेता रतन गुप्ता ने प्रमुखता से उठाया और भाजपा प्रदेश महामंत्री तथा उत्तर प्रदेश विधान परिषद सदस्य अनूप गुप्ता को मामले की गंभीरता से अवगत कराया। जनहित से जुड़े इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर त्वरित कार्रवाई करते हुए अनूप गुप्ता ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र भेजकर मंदुरी बाजार में नाला निर्माण कराने की मांग

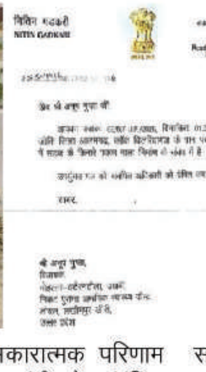
नितिन गडकरी
NITIN GADKARI

की। उनकी पहल का सकारात्मक परिणाम सामने आया और केंद्रीय मंत्री ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश जारी कर दिए। इसके बाद नाला निर्माण की स्वीकृति प्रदान कर दी गई। नाला निर्माण की स्वीकृति मिलने की सूचना के बाद मंदुरी बाजार और आसपास के गांवों में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्षों से चली आ रही जलभराव की समस्या के कारण व्यापार, आवागमन और जनजीवन प्रभावित होता था। नाला निर्माण होने से न केवल जल निकासी की व्यवस्था बेहतर होगी, बल्कि सड़क की सुरक्षा और बाजार की स्वच्छता में भी सुधार आएगा।

क्षेत्रवासियों ने इस महत्वपूर्ण पहल के लिए भाजपा प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी तथा भाजपा नेता रतन गुप्ता के प्रति आभार व्यक्त किया है। लोगों का कहना है कि जनप्रतिनिधियों की सक्रियता और सकारात्मक प्रयासों से क्षेत्र की एक बड़ी समस्या के समाधान का मार्ग प्रशस्त हुआ है। मंदुरी बाजार में प्रस्तावित नाला निर्माण को स्थानीय विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है, जिससे हजारों लोगों को प्रत्यक्ष लाभ मिलने की उम्मीद है।

तहसील परिसर में पकड़ा गया कथित फर्जी अधिवक्ता

लालगंज, 11 जून (देवव्रत संवाद)। स्थानीय तहसील परिसर में गुरुवार को एक व्यक्ति को कथित रूप से फर्जी अधिवक्ता के रूप में कार्य करते हुए पकड़ लिया गया। बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों की सूचना पर पहुंची पुलिस उसे हिरासत में लेकर कोतवाली चली गई। बताया जाता है कि गुरुवार को तरवां थाना क्षेत्र के धोरियां गांव निवासी रविंद्र राजभर पुत्र रामबरन तहसील परिसर में अधिवक्ता की वेशभूषा में मौजूद थे। इसी दौरान कुछ अधिवक्ताओं ने उन्हें रोककर परिचय और पंजीकरण संबंधी जानकारी मांगी। पूछताछ के दौरान विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। हंगामे की सूचना मिलने पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष नगेंद्र सिंह भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और संबंधित व्यक्ति को हिरासत में लेकर देवगांव कोतवाली चली गई। बार एसोसिएशन अध्यक्ष नगेंद्र सिंह ने बताया कि तहसील परिसर में फर्जी अधिवक्ताओं की गतिविधियों को लेकर पहले भी कई बार चेतावनी दी जा चुकी है, लेकिन स्थिति में सुधार नहीं हुआ।

मुस्कुराहट के साथ डर से भी मुक्ति दिला रहे हैं डॉ. अंकित

आजमगढ़, 11 जून (देवव्रत संवाद)। आधुनिक जीवनशैली, अनियमित खानपान और दांतों की उचित देखभाल न होने के कारण आज बड़ी संख्या में लोग दांतों और मसूड़ों की विभिन्न समस्याओं से जूझ रहे हैं। दांतों में कीड़ा लगना, असहनीय दर्द, मसूड़ों से खून आना, मुंह से दुर्गंध आना, दांतों का टेढ़ा–मेढ़ा होना तथा समय से पहले दांतों का टूट जाना आम समस्याएं बन चुकी हैं। वहीं दूसरी ओर दंत उपचार के नाम से ही लोगों में भय और झिझक देखने को मिलती है। ऐसे में इंडियन डेंटल एसोसिएशन, आजमगढ़ के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ दंत चिकित्सक डॉ. अंकित चंद अग्रवाल लोगों को स्वस्थ मुस्कान देने के साथ–साथ उनके मन से दांतों के इलाज का डर भी दूर कर रहे हैं। डॉ. अंकित चंद अग्रवाल ने वर्ष 2009 में लखनऊ से बीडीएस की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने आजमगढ़ में दंत चिकित्सा के क्षेत्र में अपनी सेवाएं शुरू कीं। उन्होंने आजमगढ़ डेंटल कॉलेज में लेक्चरर के रूप में कार्य करते हुए सैकड़ों विद्यार्थियों को आधुनिक दंत चिकित्सा की जानकारी दी और अपनी अलग पहचान बनाई। शिक्षण कार्य के साथ–साथ उन्होंने शहर के दुर्गा मंदिर के समीप कृष्णा डेंटल केयर एंड

टूथ इम्प्लांट सेंटर की स्थापना की। यहां आधुनिक तकनीकों और अत्याधुनिक उपकरणों की मदद से मरीजों का उपचार किया जाता है। क्लीनिक में डिजिटल एक्स–रे, चाइल्ड डेंटिस्ट्री, स्केलिंग एवं पॉलिशिंग, डेंचर, क्राउन एवं ब्रिज, रूट कैनाल ट्रीटमेंट, गम डिजीज ट्रीटमेंट, डेंटल इम्प्लांट, ओरल सर्जरी, स्माइल डिजाइनिंग और डेंटल ज्वेलरी जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। डॉ. अग्रवाल बताते हैं कि अधिकांश लोग दांतों की समस्या को शुरुआती दौर में नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे बाद में गंभीर संक्रमण, दांतों का नुकसान और जबड़ों तक में परेशानी हो सकती है। रूट कैनाल, डेंटल इम्प्लांट और आधुनिक एनेस्थीसिया तकनीकों के कारण अब अधिकांश उपचार लगभग दर्दरहित हो गए हैं। यही कारण है कि उनके क्लीनिक में आने वाले मरीजों का दंत चिकित्सा के प्रति विश्वास लगातार बढ़ रहा है। विशेष रूप से बच्चों में दांतों की सड़न, युवाओं में टेढ़े–मेढ़े दांत और बुजुर्गों में दांत गिरने की समस्या तेजी से बढ़ रही है। ऐसे मरीजों को उनकी आवश्यकता के अनुसार आधुनिक और वैज्ञानिक उपचार उपलब्ध कराया जाता है। डॉ. अग्रवाल मरीजों को उपचार के साथ–साथ दांतों की देखभाल, सही ब्रशिंग तकनीक और नियमित जांच के प्रति भी जागरूक करते हैं। उनकी विशेषज्ञता, सरल व्यवहार और मरीजों के प्रति समर्पण के कारण आज बड़ी संख्या में लोग उनके क्लीनिक से लाभान्वित हो रहे हैं। आजमगढ़ जनपद में दंत चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ. अंकित चंद अग्रवाल का योगदान उल्लेखनीय माना जाता है। वे आधुनिक उपचार पद्धतियों के माध्यम से लोगों को बेहतर मौखिक स्वास्थ्य, आत्मविश्वास और आकर्षक मुस्कान प्रदान करने का कार्य निरंतर कर रहे हैं।

सगड़ी में बाढ़ आपदा मॉक ड्रिल, नाव हादसे से राहत शिविर तक तैयारियों का हुआ परीक्षण

सगड़ी, 11 जून (देवव्रत संवाद)। बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए गुरुवार को जनपद के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र सगड़ी तहसील में राज्य स्तरीय बाढ़ आपदा मॉक एक्सरसाइज–2026 का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देश पर आयोजित इस अभ्यास में विभिन्न विभागों की तैयारियों, समन्वय और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता का परीक्षण किया गया। जिलाधिकारी के निर्देशन में आयोजित मॉक एक्सर साइज में अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) गंभीर सिंह, उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, मुख्य अग्निशमन अधिकारी, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग, जिला आपदा विशेषज्ञ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान राजस्व, पुलिस, पीएसी, स्वास्थ्य, अग्निशमन, सिंचाई, विद्युत, लोक निर्माण,

होमगार्ड, नागरिक सुरक्षा, एनसीसी, स्काउट–गाइड, नेहरू युवा केंद्र तथा आपदा मित्रों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। तहसील सगड़ी के गांगेपुर (गांधीनगर) क्षेत्र में बाढ़ के दौरान नाव दुर्घटना और नदी में डूब रहे व्यक्ति को बचाने का परिदृश्य प्रस्तुत किया गया। पुलिस, गोताखोरों और राहत–बचाव दलों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए व्यक्ति को सुरक्षित बाहर निकालकर प्राथमिक उपचार उपलब्ध कराया। इस दौरान बचाव कार्यों की पूरी प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया। मॉक ड्रिल के तहत गांगेपुर गांव के जलमग्न होने की काल्पनिक स्थिति बनाई गई। राहत एवं बचाव टीमों ने ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने और बाढ़ शरणालयों में स्थानांतरित करने की प्रक्रिया का अभ्यास किया। साथ ही विभिन्न विभागों के बीच समन्वय और राहत–पुनर्वास व्यवस्थाओं की भी जांच की गई। प्राथमिक विद्यालय दाम महुला में राहत शिविर और कम्युनिटी किचन स्थापित कर आपदा प्रभावित लोगों को भोजन, आश्रय और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की व्यवस्था का प्रदर्शन किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने राहत शिविर में चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने की प्रक्रिया भी प्रदर्शित की।